अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 146 लखनऊ, बुधवार, 10 दिसम्बर 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

इंडिगो के सीईओ का दावा, पूरी तरह सामान्य हो चुका है परिचालन

नई दिल्ली। इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पीटर एलबर्स ने मंगलवार को एयरलाइंस का परिचालन सामान्य होने का दावा करते हुए यात्रियों को हुई परेशानी के लिए माफी मांगी है। श्री एलबर्स ने सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो संदेश में कहा है कि सोमवार को कंपनी ने 1,800 उड़ानों का परिचालन किया था और आज भी 1,800 से अधिक उड़ानों का परिचालन करेगी। उन्होंने बताया कि अब एयरलाइंस की वेबसाइट पर जो भी उड़ानें दिख रही हैं, वे सभी वास्तव में अपने गंतव्य तक जायेंगी। रोजाना 2,300 उड़ानों के शिड्यूल के साथ कंपनी ने पांच दिसंबर को 1,500 से ज्यादा उड़ानें रद्द की थीं जो देश के विमानन इतिहास में अभूतपूर्व था।

वंदे मातरम पर नहीं, एकेश्वरवाद के विरुद्ध वाली पंक्तियों से आपत्ति : मदनी

नई दिल्ली। संसद में वंदे मातरम् पर हुई बहस के संदर्भ में जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि हमें किसी के वंदे मातरम् पढ़ने या गाने पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन हमें एकेश्वरवाद के विरुद्ध वाली पंक्तियों से आपत्ति है। मुसलमान केवल एक अल्लाह की इबादत करता है और अपनी इस इबादत में किसी दूसरे को शरीक नहीं कर सकता। उन्होंने आगे कहा कि वंदे मातरम् गीत की कुछ पंक्तियां ऐसे धार्मिक विचारों पर आधारित हैं, जो इस्लामी आस्था के खिलाफ हैं।

देश-दुनिया के लिए कुशल मानव संसाधन का हब बनेगा यूपी : योगी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- गोरखपुर के पिपरौली ब्लॉक क्षेत्र में राजकीय आईटीआई का मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण
- 18 करोड़ रुपये की लागत से पावरग्रिड ने सीएसआर फंड से कराया है आईटीआई भवन का निर्माण

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे युवा राज्य है। यहां के युवा अत्यंत प्रतिभाशाली हैं। इनकी प्रतिभा की मांग देश और दुनिया के कई देशों में है। युवाओं को प्रशिक्षण से जोड़कर प्रदेश को देश और दुनिया के लिए कुशल मानव संसाधन का हब बनाया जाएगा।

सीएम योगी मंगलवार दोपहर बाद गोरखपुर के पिपरौली ब्लॉक क्षेत्र के नरकटहा में नवनिर्मित राजकीय आईटीआई (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान) का लोकार्पण करने के बाद उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित कर रहे थे। इस आईटीआई का निर्माण पावरग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के सीएसआर (कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी) फंड से 18 करोड़ रुपये की लागत से कराया गया है। इसका संचालन प्रदेश सरकार की तरफ से कराया जाएगा।

आईटीआई के लोकार्पण समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि आबादी के लिहाज से उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है। यहां 55 से 60 फीसदी आबादी कामकाजी यानी युवा है। इस हिसाब से यह सौभाग्य भी है कि यूपी देश का सबसे युवा राज्य है। यहां युवाओं की स्केल है और इस स्केल को स्किल से जोड़ना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार युवाओं को उद्योगों की डिमांड के अनुरूप ट्रेड में ट्रेंड कर रही है। इसके लिए गीडा में नाइलिट की शाखा के माध्यम से ट्रेनिंग दी जा रही है। इससे कैम्पस सलेक्शन के जरिये यहां के उद्योगों में ही युवाओं का समायोजन होगा। उन्होंने कहा कि पावरग्रिड की तरफ से बने आईटीआई में भी उद्योगों की मांग के अनुरूप ट्रेडों में युवाओं को स्किल्ड बनाया जाएगा।

सीएम योगी ने कहा कि सरकार टाटा टेक्नोलॉजी के साथ मिलकर डेढ़ सौ से अधिक आईटीआई को अत्याधुनिक तकनीक के साथ जोड़ने का कार्य कर रही है। नौजवानों को आईटीआई में दीर्घकालिक और अल्पकालिक, दो प्रकार की प्रशिक्षण योजनाओं से जोड़कर आगे बढ़ाने का कार्य हो रहा है। दीर्घकालिक योजना में इलेक्ट्रिक व्हीकल, एडवांस्ड सीएनसी मशीन, इंडस्ट्रियल इंटरनेट ऑफ थिंग्स, इंडस्ट्रियल रोबोटिक्स एंड डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग, थ्री डी प्रिंटिंग का प्रशिक्षण युवाओं को दिया जा रहा है। इसी प्रकार अल्पकालिक योजना के अंतर्गत भी इलेक्ट्रिक व्हीकल, मेंटिनेस, वॉटर डिस्ट्रीब्यूशन, ऑटोमेटिक बेल्डिंग मशीन, ऑटोमेटिक मैन्युफैक्चरिंग में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अनस्किल्ड युवा कम मानदेय पाता है लेकिन जब वह स्किल्ड हो जाएगा तो अधिक मानदेय पाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी के जिन युवाओं को इजराइल भेजा गया, वे प्रति माह सवा लाख से लेकर डेढ़ लाख रुपये प्राप्त कर रहे हैं, उनका वहां रहना और खाना मुफ्त है। जर्मनी, जापानी सहित दुनिया के तमाम देशों में यूपी के युवाओं की मांग हो रही है। अगर हम यूपी के नौजवानों को ट्रेनिंग और लैंग्वेज के साथ जोड़ देंगे तो देश और दुनिया के लिए अत्यंत उपयोगी होगा। यह न केवल इन नौजवानों के हित में बल्कि होगा बल्कि आने वाले समय में हम देश के अंदर सबसे अच्छा मैनपावर उपलब्ध कराने के हब के रूप में स्थापित होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आईटीआई गीडा क्षेत्र की आवश्यकता है। इससे युवा प्रशिक्षित होगा तो उसे यहां लग रहे उद्योगों में ही नौकरी मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि हर नौजवान को रोजगार की गारंटी डबल इंजन सरकार का संकल्प है। इस संकल्प को पूरा करने में आईटीआई बनवाकर पावरग्रिड ने भी सहयोग किया है।

सीएम योगी ने कहा कि अब सिर्फ गीडा ही नहीं, धुरियापार तक उद्योग लग रहे हैं। उन्होंने हालिया अपने दौरे का उल्लेख करते हुए कहा कि गोरखपुर शहर जैसे मैरिज हाल अब दक्षिणांचल के गांव-गांव में बने हुए हैं।

'वंदे मातरम्' पर चर्चा से आगामी पीढ़ियों को इसके असली महत्व को समझने में मिलेगी मदद : शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राज्यसभा में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ पर चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि संसद के दोनों सदनों में इस अमर कृति पर विमर्श आने वाली पीढ़ियों को इसके वास्तविक महत्व, गौरव और राष्ट्रीय चेतना से जोड़ने का कार्य करेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत माता के प्रति भक्ति, कर्तव्य और समर्पण की भावना का शाश्वत प्रतीक है, जिसने स्वतंत्रता संग्राम में देश की आत्मा को जागृत किया। शाह ने कहा कि उस दौर में वंदे मातरम् देश को आजाद कराने का कारण बना था और अमृतकाल में यह देश को विकसित तथा महान बनाने का नारा बनेगा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि वंदे मातरम् पर चर्चा को बंगाल चुनाव से जोड़ने वाले लोग इसकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता को कम आंकने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि यह विषय राजनीति से परे राष्ट्रीय गौरव का विषय है। गृहमंत्री ने कहा कि वंदे मातरम् की प्रासंगिकता उसकी रचना के समय भी थी, आजादी के आंदोलन में भी थी, आज भी है और 2047 में विकसित भारत के निर्माण के समय भी बनी रहेगी। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जहां भी देशभक्त एकत्र होते थे, उनकी हर बैठक की शुरुआत वंदे मातरम् के साथ होती थी।

इंडिगो पर सरकार सख्त, उड़ानों में 10 फीसदी की कटौती

- रिफंड, लगेज और यात्री सुविधा को लेकर सख्त आदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडिगो संकट पर सरकार ने सख्त कार्रवाई की है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एयरलाइन को उड़ानों में 10 फीसदी की कटौती करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही कंपनी को ये कहा गया है कि वो यात्रियों सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए रिफंड और लगेज जल्द से जल्द वापस लौटाए।

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के राम मोहन नायडू ने मंगलवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में कहा कि देशभर में बड़े पैमाने पर फ्लाइट कैंसिल की अफरा-तफरी के बीच ऑपरेशन को स्थिर करने के लिए केंद्र ने इंडिगो के रूट्स में 10 फीसदी की कटौती की है। इससे पहले इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीटर एल्बर्स ने राम मोहन नायडू से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान पीटर एल्बर्स नागरिक उड्डयन मंत्री के सामने हाथ जोड़े नजर आए। राम मोहन नायडू ने आगे लिखा, नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इंडिगो को अपने कुल रूट्स में 10 फीसदी की कटौती करने का ऑर्डर दिया है।

उन्होंने कहा कि इससे एयरलाइन के ऑपरेशन्स को स्टेबल करने और आगे कैंसिलेशन कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि पिछले हफ्ते इंडिगो के क्रू-मेंबर रोस्टर, फ़्लाइट शेड्यूल और कम्युनिकेशन की कमी के कारण कई यात्रियों को बहुत परेशानी हुई। इसको लेकर जहां जांच और जरूरी कार्रवाई चल रही है, वहीं, एयरलाइन के टॉप मैनेजमेंट के साथ स्टेबिलाइजेशन उपायों का रिव्यू करने के लिए एक और बैठक हुई। मंत्री ने बताया कि इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स को अपडेट देने के लिए मंत्रालय में बुलाया गया था। उन्होंने कन्फर्म किया कि 06 दिसंबर तक जिन फ़्लाइट्स पर असर पड़ा था, उनके 100 फीसदी रिफंड पूरे हो गए हैं। इसके बाद बाकी रिफंड और बैगेज हैंडओवर को तेजी से पूरा करने का सख्त निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि इंडिगो को बिना किसी छूट के मंत्रालय के सभी निर्देशों का पालन करने का निर्देश दिया गया है, जिसमें किराया तय करना और यात्रियों की सुविधा के उपाय शामिल हैं।

रेल राज्य मंत्री सोमन्ना ने तिरुपति-साईंनगर शिरडी एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल राज्यमंत्री वी. सोमन्ना ने मंगलवार को यहां रेल भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तिरुपतिऽसाईंनगर शिरडी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह नई साप्ताहिक ट्रेन आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र को जोड़ते हुए तीर्थ यात्रा को नई गति देगी और दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्र से शिरडी के लिए पहली सीधी रेल सेवा उपलब्ध कराएगी।

सोमन्ना ने इसे चार राज्यों के श्रद्धालुओं के लिए ऐतिहासिक दिन बताते हुए कहा कि भारतीय रेल केवल परिवहन का माध्यम नहीं, बल्कि देश के विभिन्न क्षेत्रों और संस्कृतियों को जोड़ने वाली राष्ट्रीय जीवनरेखा है। उन्होंने कहा कि तिरुपति और शिरडी जैसे प्रमुख तीर्थस्थलों को सीधे जोड़ने से यात्रियों को सुरक्षित, आरामदायक और निर्बाध अंतर-राज्यीय यात्रा सुविधा मिलेगी। लगभग 30 घंटे की यात्रा अवधि वाली यह नई ट्रेन रास्ते में नेल्लोर, गुंटूर, सिकंदराबाद, बीदर, मनमाड़ सहित कुल 31 प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी और मार्ग में पारली वैजनाथ जैसे महत्वपूर्ण मंदिर स्थल को भी जोड़ती है। उन्होंने कहा कि इस सेवा से तीर्थ पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, मार्ग में आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी और आसपास के क्षेत्रों का संपूर्ण विकास होगा। नई ट्रेन महाराष्ट्र, उत्तर कर्नाटक और सिकंदराबाद क्षेत्र को भी सीधा लाभ पहुंचाएगी। सोमन्ना ने बताया कि 2014 के बाद से आंध्र प्रदेश में रेल अवसंरचना में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है। वर्ष 2009ऽ14 के दौरान आंध्र प्रदेश व तेलंगाना के लिए औसत रेल बजट जहां 886 करोड़ रुपये था, वहीं 2025ऽ26 में यह बढ़कर 9,417 करोड़ रुपये हो गया है। राज्य में वर्तमान में 93 हजार करोड़ रुपये से अधिक के रेल प्रोजेक्ट चल रहे हैं। 2014 के बाद से राज्य में 1,580 किमी नई लाइनों का निर्माण हुआ है, वह भी शत प्रतिशत विद्युतीकरण के साथ। राज्य में अब 73 अमृत स्टेशन विकसित किए जा रहे हैं जिन पर 3,125 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसके अलावा 800 फ्लाईओवर और पुल, 110 लिफ्टें, 40 एस्केलेटर लगाए गए हैं तथा 16 वंदे भारत (8 जोड़ी) और 6 अमृत भारत (3 जोड़ी) ट्रेनें शुरू की गई हैं। तिरुपति में चल रही परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि तिरुपति अमृत स्टेशन का कार्य 312 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है। प्रमुख प्रोजेक्ट्स में तिरुपति-पाकाल-कट्पडी डबलिंग (105 किमी ऽ 1,215 करोड़ रुपये), गुडूर-रेनिगुंटा तृतीय लाइन (83 किमी ऽ 875 करोड़ रुपये) और नडिकुड़ीऽश्रीकालहस्ती नई लाइन (310 किमी ऽ 5,900 करोड़ रुपये) शामिल हैं। इसके साथ ही विजयवाड़ा-गुडूर तृतीय लाइन (287 किमी ऽ 6,235 करोड़ रुपये) और यर्रपेडु-पुडी बाईपास लाइन (25 किमी ऽ 490 करोड़ रुपये) पर भी कार्य जारी है। कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश सरकार के मंत्री बी. सी. जनार्दन रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अलावा डॉ. मडिला गुरुमूर्ति (सांसद, तिरुपति), बी. कल्याण चक्रवर्ती (एमएलसी), ए. श्रीनिवासुलु (विधायक, तिरुपति), भानु प्रकाश रेड्डी (टीटीडी बोर्ड सदस्य) सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी भाग लिया।

रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड ने भर्ती प्रक्रिया में लेवल-1 के प्रश्न पत्र में गड़बड़ी का किया खंडन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। मीडिया के कुछ हिस्सों, खासकर देहरादून क्षेत्र से, ने CEN 08/2024 के तहत चल रही भर्ती प्रक्रिया में लेवल 1 के प्रश्न पत्र में गड़बड़ी की खबर प्रकाशित की थी । मीडिया में प्रकाशित खबर के अनुसार देहरादून क्षेत्र के एक सेंटर पर परीक्षा के दौरान एक उम्मीदवार द्वारा गलत काम करने का मामला सामने आया था। रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड ने स्थानीय अखबारों में छपी इन खबरों का साफ तौर पर खंडन करता हैं जिनमें लेवल-1 के प्रश्न पत्र में गड़बड़ी का सुझाव दिया गया हैं। रेलवे रिक्रूटमेंट बोर्ड (RRB) 27 नवंबर 2025 से एक्न 08/2024 के तहत लेवल-1 भर्ती के लिए कंप्यूटर आधारित टेस्ट एक सुरक्षित और कड़ी निगरानी वाले माहौल में आयोजित कर रहा हैं। 2 दिसंबर 2025 को, देहरादून में iCreate Solutions टेस्ट सेंटर पर परीक्षा की दूसरी शिफ्ट के दौरान, एक उम्मीदवार द्वारा गलत काम करने का मामला सामने आया। लाइव CCTV निगरानी के दौरान, विवेक नाम का एक उम्मीदवार बार-बार अपने पास रखी एक पर्ची को देखता हुआ पाया गया। परीक्षा अधिकारियों ने तुरंत दखल दिया, और उसके पास से एक हाथ से लिखी हुई पर्ची बरामद की गई। पूछताछ करने पर, उम्मीदवार ने कबूल किया कि यह पर्ची उसे टेस्ट सेंटर के बाहर किसी व्यक्ति ने दी थी, जिसने उसे यह विश्वास दिलाया था कि इसमें सही जवाब हैं।

बरामद पर्ची में केवल 1 से 4 तक के अंक लिखे थे और परीक्षा से उसका कोई लेना-देना नहीं था, क्योंकि प्रश्न और उत्तर के विकल्प हर उम्मीदवार के लिए अलग-अलग और रैंडम तरीके से शफल किए जाते हैं। ऐसी पर्ची से कोई फायदा नहीं हो सकता था, जिससे पता चलता है कि उम्मीदवार को बाहरी लोगों ने धोखा दिया था। स्थापित प्रक्रियाओं का पालन करते हुए, पटेल नगर पुलिस स्टेशन, देहरादून में एक क्कन्ट दर्ज की गई है, और मामला पुलिस जांच के तहत है। टटउ ने बताया हैं कि प्रश्न पत्र पूरी तरह से सुरक्षित और एनक्रिप्टेड डिजिटल सिस्टम के माध्यम से बनाए, स्टोर किए और दिए जाते हैं, और यह घटना व्यक्तिगत दुर्व्यवहार को दर्शाती है, न कि परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी तरह की सेंध को।

शायद भाजपाई संस्कार अभी बाकी हैं हुमायूं में

अभयानंद शुक्ल, समन्वय सम्पादक

नयी राजनीति का आगाज

- हुमायूं कबीर ने कहा कि मस्जिद बनाने के पहले बेलडांगा में कुरान का सामूहिक पाठ किया जाएगा
- बयान देते समय हुमायूं राम मंदिर और गीता का जिक्र भी बड़े आदर से लेते हैं, शायद वे विवाद नहीं चाहते
- हुमायूं ने कहा कि उन्हें फोन पर जान से मारने की धमकी मिली है, उन्होंने शिकायत कर सुरक्षा भी मांगी है

लखनऊ। टीएमसी से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने अब लोहे से लोहा काटने की रणनीति को अपनाने की तैयारी की है। 7 दिसंबर को कोलकाता में हुए सामूहिक गीता पाठ के जवाब में वे बेलडांगा में प्रस्तावित बाबरी मस्जिद के पास सामूहिक कुरान पाठ कराएंगे। वे प्रस्तावित राम मंदिर और गीता पाठ का उल्लेख करते हुए उनके प्रति आदर भाव भी रखते हैं। शायद वे कोई विवाद नहीं चाहते हैं। और शायद अभी भाजपाई संस्कार उनके अंदर जिंदा हैं। तभी शायद कांग्रेस नेता उन्हें भाजपा का एजेंट भी बताते हैं।

बेलडांगा में नयी बाबरी मस्जिद बनाने की घोषणा और उसकी नींव भी रख देने वाले टीएमसी के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर ने कहा है कि अगर हिंदुओं ने पवित्र गीता का पाठ किया है तो हम सामूहिक कुरान पाठ करेंगे। और इसमें एक लाख से अधिक लोग शामिल होंगे। उन्होंने कहा है कि सामूहिक कुरान पाठ के बाद ही मस्जिद का निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। यानी वे अब गीता पाठ के जवाब में कुरान पाठ कराकर हिंदू पक्ष को उसी की भाषा में जवाब देने की तैयारी में हैं। हुमायूं कबीर की इस मुहिम के दौरान एक बात काबिले गौर है कि जब हिन्दू पक्ष ने बाबरी मस्जिद के जवाब में मुर्शिदाबाद में ही राम मंदिर बनाने की घोषणा की तो उन्होंने उसका विरोध नहीं किया बल्कि, यह कहा कि उनको जहां राम मंदिर बनाना है बनाएं, हमें कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने तो यह भी कहा कि हम सभी धर्मों का सम्मान करते हैं। असल में बाबरी मस्जिद के जवाब में भाजपा नेता सुकांता मजूमदार ने भी घोषणा कर दी थी कि हम मुर्शिदाबाद में ही राम मंदिर बनाएंगे। इसके अलावा सोमवार को जब वे सामूहिक गीता पाठ पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, तब भी उन्होंने जो कहा वह महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अगर उन्होंने पवित्र गीता का पाठ किया है तो हम भी कुरान का सामूहिक पाठ करेंगे, और इसमें एक लाख लोग शामिल होंगे।

यानी अगर वे मुसलमानों और इस्लाम की बात ज़ोरदार तरीके से उठाते हैं, तो राम मंदिर और पवित्र गीता का नाम भी बड़े आदर से लेते हैं। मतलब वे हिन्दू धर्म की बेअदबी करने से भी बचते हैं। उनका यह नजरिया इस बात का प्रतीक है कि वे अगर अपने धार्मिक एजेंडे पर पूरी शिद्दत से लगे हैं तो दूसरे धर्म की तौहीन से बचना चाहते हैं, ताकि हिंदू समाज न भड़क जाए। यानी वे सच्चा मुसलमान बनने के चक्कर में हिंदुओं के विलेन नहीं बनना चाहते हैं। और यही बात उन्हें अन्य मुस्लिम नेताओं से अलग भी करती है। काफी दिनों बाद किसी कट्टर मुस्लिम ने हिंदू धर्म के प्रति आदर का भाव प्रदर्शित किया है। ये शायद भाजपा के साथ बिताए गए उन चंद दिनों का असर है, जिस दौरान उन्होंने भाजपा के टिकट पर मुर्शिदाबाद से लोकसभा चुनाव लड़ा था। और शायद यही कारण है कि कांग्रेस के नेता उन्हें भाजपा का एजेंट भी बताते हैं।

हालांकि हुमायूं कबीर भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाने की वकालत करने वाले लोगों को आड़े हाथों भी लेते हैं। और वे तल्ख लहजे में कहते हैं कि कोई भी भारत को हिन्दू राष्ट्र नहीं बना सकता। हम किसी का भी ये सपना पूरा नहीं होने देंगे। और वे सिर्फ बेलडांगा ही नहीं, माल्दा और बीरभूम जिले में भी बाबरी मस्जिद बनाने की बात करते हैं। उन्होंने इसकी घोषणा भी बीते सात दिसंबर को बेलडांगा की प्रस्तावित बाबरी मस्जिद की नींव के वास्तविक कार्यक्रम के बाद कर दी है। यानी उनका फंडा क्लीयर है कि बिना किसी से उलझे वे अपने रास्ते पर आगे बढ़ते जाना चाहते हैं। इसके अलावा उन्होंने नयी बाबरी मस्जिद के लिए भारी चंदा मिलने की बात करते हुए कहा है कि इतना चंदा मिला है कि नोटों से कई बक्से भर गये हैं। और जब नोट गिनने वाले थक गए तो नोट गिनने की मशीन मंगानी पड़ी है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि उन्हें फोन पर जान से मारने की धमकी भी मिली है, और इसकी शिकायत उन्होंने पुलिस में करते हुए सुरक्षा की मांग की है। उन्होंने कहा है कि उनकी सुरक्षा राज्य की जिम्मेदारी है,और अगर सुरक्षा नहीं मिली तो वे कोर्ट भी जाएंगे। यानी वे चर्चा में बने रहने के सारे हथकंडे आजमाने में भी पीछे नहीं हैं।

नैमिषारण्य-मथुरा रेल जोड़ो अभियान तेज, 105 हस्ताक्षरों के साथ पीएम को भेजा गया पत्र

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। प्राचीन तीर्थ नैमिषारण्य को मथुराऽवृंदावन से रेल मार्ग द्वारा जोड़ने की मांग लगातार तेज होती जा रही है। नैमिषारण्यऽमथुरा रेल जोड़ो अभियान समिति द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान के तहत हाथरस के 105 नागरिकों/श्रद्धालुओं ने सामूहिक हस्ताक्षर कर प्रधानमंत्री और रेल मंत्री को पत्र भेजा है।

पत्र में मांग की गई है कि नैमिषारण्य से हरदोई होकर फर्रुखाबाद तक लगभग 112 किमी की नई रेल लाइन बिछा दी जाए, जिससे धार्मिक और पर्यटन विकास को गति मिलेगी। समिति का कहना है कि इस रेल मार्ग के बनने से नैमिषारण्य और मथुराऽवृंदावन के साथ ही प्रदेश के पाँच प्रमुख वैश्विक तीर्थस्थल आपस में रेल नेटवर्क से जुड़ जाएंगे।

अभियान समिति के महासचिव अजय पाल सिंह सोमवंशी ने बताया कि इससे पहले भी लखनऊ, अयोध्या, हरदोई, मथुरा, आगरा समेत कई नगरों के कुल 3167 नागरिकों/श्रद्धालुओं द्वारा प्रधानमंत्री, रेल मंत्री और मुख्यमंत्री को सामूहिक पत्र भेजा जा चुका है। उन्होंने बताया कि यह अभियान प्रदेशभर के विभिन्न शहरों में निरंतर जारी है और आने वाले दिनों में इसे और मजबूत समर्थन मिलने की संभावना है।

योगी सरकार का आधी आबादी की सुरक्षा, सम्मान व स्वाबलंबन पर जोर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- मिशन शक्ति : उत्तर प्रदेश में नारी शक्ति को मिली नई उड़ान
- प्रदेश के 1647 थानों में हेल्प डेस्क सक्रिय, अब हर महिला का सहारा
- सुरक्षा-सम्मान का यूपी मॉडल, नारी उत्थान से समृद्ध प्रदेश
- हर नारी को मिलेगा सम्मान और अपराधियों पर होगी दो-गुनी तेजी से कार्रवाई

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश की कमान संभालने के बाद से ही आधी आबादी की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलंबन पर जोर दिया है। नारी को सशक्त बनाने के लिए मिशन शक्ति पर सरकार का जोर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश नारी सम्मान का ऐसा मॉडल बना है, जहां सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन से महिलाओं को नई दिशा मिल रही है। मिशन शक्ति उत्तर प्रदेश की नारी शक्ति को सशक्त बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया मॉडल है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संदेश है 'नारी शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है'। 24 दिसंबर तक चलने वाले अभियान के अंतर्गत हर विभाग प्रतिदिन जागरूकता अभियान चला रहा है। पुलिस चौपालों से लेकर सड़क रैलियों तक 'सुरक्षा और सम्मान, नारी का अधिकार' का उद्घोष गूंज रहा है। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि ग्रामीण-शहरी हर क्षेत्र में व्यापक महिला बीट प्रणाली और एंटी रोमियो स्क्वॉड के माध्यम से हर महिला को अभूतपूर्व सुरक्षा का कवच प्रदान किया जा रहा है।

पिंक पेट्रोल 24x7 उपलब्धता के साथ स्कूल, कॉलेज और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर तुरंत पहुंच रहा है। तकनीक का व्यापक उपयोग - 1090, साइबर मॉनिटरिंग सेल और डिजिटल ट्रैकिंग ने स्टॉकिंग, फर्जी अकाउंट्स पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की है। कॉलेजों में साइबर सुरक्षा वर्कशॉप से छात्राओं को सशक्त बनाया जा रहा है। महिला अपराधों में त्वरित जांच से हर पीड़िता को पूर्ण न्याय सुनिश्चित, अभूतपूर्व निस्तारण दर के साथ कठोर सजाएं दी जा रही हैं। मिशन शक्ति केंद्रों में प्रशिक्षित अधिकारी 3-5 वर्ष तक तैनात रहेंगे। आर्थिक सशक्तिकरण में भी क्रांति आ रही है। ग्राम पंचायतों में बीसी सखी, स्वयं सहायता समूह, लखपति दीदी जैसी योजनाओं से महिलाएं आत्मनिर्भर हो रही हैं। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, सामूहिक विवाह योजना, निराश्रित महिला पेंशन ने बेटियों को नई उड़ान दी है। मिशन शक्ति के साथ ही उज्ज्वला और स्वामित्व योजना ने घर-घर तक सशक्तिकरण पहुंचाया है। पोषण अभियान, रानी लक्ष्मीबाई कोष ने मातृ-शिशु स्वास्थ्य को मजबूत किया। मिशन शक्ति 5.0 सशक्त नारी से समृद्ध प्रदेश का आधार बन गया है।

कौशांबी बनेगा धार्मिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र : जयवीर सिंह

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने कौशांबी जिले के सिराथू तहसील स्थित कड़ा धाम के कुबरी घाट को नई पहचान देते हुए आरती स्थल का विकास कार्य लगभग पूर्ण करा दिया है। करीब 2.41 करोड़ रुपये की लागत से तैयार यह परियोजना श्रद्धालुओं और पर्यटकों को सुरक्षित एवं व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध करवाएगी। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इक्यावन शक्तिपीठों में से एक मां शीतला धाम मंदिर श्रद्धालुओं के प्रमुख आस्था का केंद्र है। यह विकास कार्य उसी श्रद्धा और सुविधा को समर्पित है। मंत्री ने बताया कि प्रदेश कौशांबी जिला धार्मिक पर्यटन मानचित्र का जगमगाता सितारा है। भगवान बुद्ध की भूमि, हिन्दू आस्था का भी बड़ा केंद्र है। कुबरी घाट धार्मिक महत्व से जुड़ा स्थल है। आगंतुकों को धार्मिक क्रियाकलापों में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसलिए आरती स्थल के विकास कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण किया जा रहा है। सैंकड़ों वर्षों से शीतला धाम कड़ापीठ शक्ति उपासकों का केंद्र रहा है। स्कंद पुराण के अनुसार, देवी सती के शरीर के टुकड़े जहां भी गिरे वहीं एक शक्तिपीठ स्थापित हुआ। कराकोटम जंगल में जिस स्थान पर सती का दाहिना कर गिरा, वही स्थान वर्तमान में कड़ा धाम के नाम से देश-दुनिया में विख्यात है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि कौशांबी का कड़ा धाम श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। वर्ष 2025 की पहली छमाही में करीब 14.76 लाख से अधिक पर्यटक जनपद आए, जिनमें बड़ी संख्या मां शीतला के दर्शन करने वालों की थी। राज्य सरकार का प्रयास है कि धार्मिक स्थलों पर आने वाले लोगों के लिए बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित की जाए। इसी क्रम में कुबरी घाट पर आरती स्थल विकसित कर श्रद्धालुओं को वातावरण उपलब्ध कराया जा रहा है। आगे भी इस क्षेत्र में पर्यटन सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

74 फीसदी परिषदीय स्कूल में शुरू हो जाएंगी स्मार्ट क्लास

लखनऊ। चालू वित्तीय वर्ष के अन्त तक प्रदेश की 74 फीसदी परिषदीय स्कूलों में स्मार्ट क्लास शुरू हो जाएंगी। वर्तमान में प्रदेश के अनुपातिक रूप से मात्र 46.79 फीसदी परिषदीय स्कूलों में ही स्मार्ट क्लास की सुविधा है। इसमें परिषदीय उच्च प्राथमिक स्कूलों से लेकर कम्पोजिट तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय केजीबीवी आते हैं। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में सभी स्कूलों को स्मार्ट क्लास के लिए वाई-फाई सुविधा से पूरी तरह लैस करने की संस्तुति की गई है स्कूलों को पूरी तरह से इंटरनेट सुविधा से लैस करने के निर्देश हैं। बेसिक शिक्षा के अलग-अलग क्षेत्रों में कई कीर्तिमान स्थापित करने के बाद भी यूपी स्मार्ट क्लास के मामले में अभी भी देश के कई राज्यों से पीछे है।समग्र शिक्षा के तहत प्रदेश के परिषदीय स्कूलों में स्मार्ट क्लास की सुविधा शुरू की गई है। कई स्कूलों में सीएसआर कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी फण्ड से भी स्मार्ट क्लास शुरू कराए गए हैं। स्मार्ट कलास नियमित रूप से संचालित होती रहें, बड़ी संख्या में बकायदा आईसीटी लैब की स्थापना भी की गई है लेकिन यूपी जैसे बड़े राज्य एवं स्कूलों की अधिक संख्या वाले प्रदेश में यह संख्या ऊंट के मुंह में जीरा जैसी है। जिलेवार स्थितियों को देखें तो कई जिले तो ऐसे हैं, जहां अभी भी लक्ष्य से काफी कम स्मार्ट क्लास शुरू किए जा सके हैं। वहीं तमाम जिले ऐसे में जहां समार्ट क्लास तैयार तो हो गए लेकिन इंटरनेट कनेक्शन न होने या उपकर्णों के निशक्रिय पड़े होने के कारण नॉन फंक्शनल स्मार्ट क्लास के रूप में हैं। बेसिक शिक्षा विभाग जल्द ही बिना इंटरनेट या निष्क्रिय उपकरणों वाले स्मार्ट क्लास को पूरी तरह से सक्रिय कराने की दिशा में काम शुरू करने जा रही है। लक्ष्य 31 मार्च 2026 रखा गया है जिससे पहले निष्क्रिय स्मार्ट क्लासों को तो शुरू किया ही जाएगा, नए स्मार्ट क्लास शुरू कराने की योजना है। शुरुआत नॉन फंक्शनल स्मार्ट क्लास से किया जाएगा। ऐसे जिले जहां 10 फीसदी से भी कम है। स्मार्ट क्लास के सक्रिय उपकरण जिले का नाम नॉन फंक्शनल स्मार्ट क्लास प्रतिशत में हरदोई 10 संभल 9.76 बिजनौर 9.47 बदायूं 9.44 मुरादाबाद 8.41 मथुरा 8.24 बरेली 8.21 भदोही 7.95 मुजफ्फरनगर 6.92 शाहजहांपुर 6.76 है।

धर्म को संविधान से ऊपर मानने वाली जमात को समझायें राहुल गांधी: केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि राहुल गांधी को संविधान का महत्व उस जमात को समझाना चाहिए, जो अपने धर्म को संविधान से ऊपर मानती है। ऐसा वह डंके की चोट पर कहती है। उप मुख्यमंत्री ने मंगलवार को अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर लिखा कि इसी जमात के बल पर ही कांग्रेस ने दशकों तक देश पर शासन किया है। मतदाता सूची के शुद्धिकरण के कारण कांग्रेस और लठैतवादी दल परेशान हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय में 22 दिसम्बर से शीतकालीन अवकाश घोषित

लखनऊ। राजधानी में स्थित लखनऊ विश्वविद्यालय एवं विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में 22 दिसम्बर से 05 जनवरी तक शीतकालीन अवकाश घोषित किया गया है। इस अवधि में लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सहयुक्त विश्वविद्यालयों में लिखित/मौखिक/प्रायोगिक परीक्षाएं तथा अन्य पूर्व निर्धारित कार्यक्रम यथावत सम्पादित किये जायेंगे। यह जानकारी लखनऊ विश्वविद्यालय की कुल सचिव डा. भावना मिश्रा ने दी।

बाबर के नाम पर कोई भी मस्जिद नहीं बनेगी, हिंदू देवी-देवताओं के अपमान के विरोध में मार्च

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में राष्ट्रीय हिंदू रक्षा परिषद ने हिंदू देवी-देवताओं के अपमान के विरोध में केडी सिंह बाबू स्टेडियम से जीपीओ तक विरोध मार्च निकाला। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मुकेश दुबे और महामंडलेश्वर बाबा महादेव के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग हाथों में भगवा झंडा, तिरंगा झंडा और त्रिशूल लेकर शामिल हुए। यात्रा हिंदू देवी देवताओं के अपमान और मुर्शिदाबाद में हो रहे बाबरी निर्माण के विरोध में निकाली गई। मुकेश दुबे ने कहा हिंदू धर्म का लगातार अपमान हो रहा है, जिसे हम लोग बर्दाश्त नहीं करेंगे। बाबा महादेव ने कहा बाबर के नाम पर भारत में कोई भी मस्जिद नहीं बनेगी। उन्होंने कहा लगातार सनातन सभ्यता पर टिप्पणी हो रही है।

रेलवे क्रॉसिंग पर 100 साल की महिला की मौत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मोहनलालगंज में रेलवे क्रॉसिंग के पास एक बुजुर्ग महिला की गिरने से मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर पहुंची डायल-112 पुलिस पहुंची। स्थानीय लोगों का कहना है कि महिला पुलिसकर्मी ने एम्बुलेंस बुलाने में देरी की। थाने के पुलिसकर्मियों ने बुजुर्ग महिला को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मंगलवार सुबह करीब दस बजे मोहनलालगंज रेलवे फाटक के पास एक महिला अचेत अवस्था में पड़ी होने की सूचना मिली थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन महिला पुलिसकर्मी ने तुरंत एम्बुलेंस नहीं बुलाया। सूचना मिलने पर थाने के पुलिसकर्मी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने डायल-108 एम्बुलेंस की सहायता से अचेत महिला को मोहनलालगंज के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भेजवाया। हालांकि, वहां मौजूद चिकित्सक ने बुजुर्ग महिला को मृत घोषित कर दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मृतका की पहचान धनकुंवारा पत्नी स्वर्गीय राम अवतार रावत के रूप में हुई है। वह ग्राम सेघटा, मजरा मीशा, थाना गोसाईंगंज, जनपद लखनऊ की निवासी थीं।

उनकी उम्र करीब 100 वर्ष थी। महिला के परिजनों को सूचना दी गई, जिसके बाद उनके पौत्र देवनंद और साथी शुभम सीएचसी पहुंचे। उनकी पहचान की पुष्टि की। मोहनलालगंज थाना प्रभारी निरीक्षक ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि महिला रेलवे क्रॉसिंग के पास ही किराए के कमरे में रहती थी। वह जड़ी-बूटी बेचती थी। परिजनों ने शव का पोस्टमॉर्टम कराने से इनकार कर दिया।

योगी सरकार का घुसपैठियों को खदेड़ने का प्लान तैयार, बनेगी बायोमेट्रिक प्रोफाइल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश भर से घुसपैठियों को खदेड़ने के लिए फुल प्रूफ प्लान तैयार कर लिया है, जो पूरे देश के लिए मॉडल के रूप में उभरकर सामने आएगा। योगी सरकार घुसपैठियों की पहचान के लिए हाईटेक मार्डन टेक्नोलॉजी का प्रयोग कर रही है, जिससे घुसपैठियों की प्रदेश में छुपकर रहने की कोशिशों को पूरी तरह से नाकाम किया जा सके। इतना ही नहीं, इन घुसपैठियों को जिन डिटेंशन सेंटर में रखा जाएगा, वहां परिंदा भी पर नहीं मार सकेगा। योगी सरकार डिटेंशन सेंटर की सुरक्षा का ऐसा चक्रव्यूह तैयार कर रही है, जो अभेद होगा। सूत्रों की मानें तो योगी सरकार ने डिटेंशन सेंटर में रखे गए घुसपैठियों की विस्तृत बायोमेट्रिक प्रोफाइल तैयार करने का निर्णय लिया है। साथ ही इन सभी नामों को निगेटिव लिस्ट में दर्ज किया जाएगा। इन लिस्ट को देशभर में शेयर किया जाएगा ताकि दोबारा घुसपैठिए प्रदेश ही नहीं देश की सीमा में फिर घुस न सकें। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में प्रदेश से घुसपैठियों को खदेड़ने के लिए उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की। सूत्रों की मानें तो अधिकारियों को घुसपैठियों की पहचान के लिए हाईटेक मार्डन टेक्नोलॉजी का प्रयोग करने के निर्देश दिये हैं ताकि किसी भी स्तर पर कोई कमी न रह जाए और हर हाल में घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें डिटेंशन सेंटर में शिफ्ट किया जाए। जानकारों की मानें तो हाईटेक टेक्नोलॉजी के जरिये घुसपैठियों के फर्जी पहचान पत्र के साथ किसी भी प्रकार के फर्जी सरकारी दस्तावेजों को स्कैन करने के साथ पूरा पिछला रिकार्ड खंगाला जाएगा। इससे यह पता चल सकेगा कि वह प्रदेश में कब से अपनी पहचान छुपाकर रह रहे हैं। इतना ही नहीं टेक्नोलॉजी से यह भी डाटा इक्ट्ठा किया जाएगा कि किस तरह घुसपैठियों ने फर्जी दस्तावेज तैयार किये। सूत्रों की मानें तो योगी सरकार घुसपैठियों की पहचान करने के साथ उनके फर्जी दस्तावेजों की गहन जांच करेगी। इससे फर्जी दस्तावेजों को तैयार करने वाले गिरोह का भड़ाफोड़ करके कड़ी कार्रवाई की जाएगा। इससे दोबारा कोई भी व्यक्ति फर्जी दस्तावेज नहीं बनवा सकेगा। सूत्रों की मानें तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डिटेंशन सेंटर में रखे गए घुसपैठियों की विस्तृत बायोमेट्रिक प्रोफाइल तैयार करने के निर्देश दिये हैं। इसके लिए इन घुसपैठियों की बायोमैट्रिक फिंगर प्रिंट, फ़ेशियल रिकॉग्निशन आदि की जाएगी। इसके बाद इन घुसपैठियों के नामों की एक लिस्ट तैयार की जाएगी, इन सभी नामों को निगेटिव लिस्ट में दर्ज किया जाएगा। योगी सरकार के इस कदम से ये लोग आगे कभी भी आधार कार्ड जैसी किसी सरकारी पहचान प्रणाली में पंजीकरण नहीं करा पाएंगे। इतना ही नहीं लिस्ट को देश के अन्य राज्यों से भी शेयर किया जाएगा ताकि दोबारा कोई भी घुसपैठिया देश और प्रदेश की सीमा में प्रवेश न कर सकें। योगी सरकार की यह कार्यशैली और फुल प्रूफ प्लान पूरे देश के लिए मॉडल बनकर उभरेगा। योगी सरकार का यह प्लान एक बार फिर पूरे देश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की स्पष्ट नीति, गंभीरता और सटीक विजन को दर्शाएगा। इतना ही नहीं, इन घुसपैठियों को जिन डिटेंशन सेंटर में रखा जाएगा, वहां परिंदा भी पर नहीं मार सकेगा। योगी सरकार डिटेंशन सेंटर की सुरक्षा का ऐसा चक्रव्यूह तैयार कर रही है, जो अभेद्य होगा।

एसआईआर के विरोध में नहीं, लेकिन समय-सीमा बढ़नी चाहिये : मायावती

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। संसद में चुनाव सुधार को लेकर चर्चा हो रही है। इसको लेकर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि चुनाव की प्रक्रिया में अन्य सुधार लाने के साथ-साथ तीन खास सुधार लाना बहुत जरूरी हैं। मायावती ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर जो पूरे देश में प्रक्रिया चल रही है बसपा उसके विरोध में नहीं है। लेकिन बसपा का यह कहना है कि इस सम्बन्ध में मतदाता सूची में नाम भरने की जो भी प्रक्रिया होनी है, उसके लिए जो समय सीमा निर्धारित की गई है वो बहुत ही कम है। इसकी वजह से बीएलओ के ऊपर भी काफी दबाव है। काम के दबाव के वजह से कई बीएलओ अपनी जान भी गवां चुके हैं। जहां करोड़ों मतदाता हैं वहां बीएलओ को उचित समय मिलना ही चाहिये। खासतौर उस प्रदेश में जहां जल्दी ही कोई भी चुनाव नहीं है। उत्तर प्रदेश में लगभग 15.40 करोड़ से भी ज्यादा मतदाता हैं और अगर वहां एसआईआर का कार्य जल्दबाजी में पूरा करने की कोशिश की जायेगी तो इसका नतीजा यह होगा कि अनेकों वैध-मतदाता खासतौर पर जो गरीब हैं और काम करने के सिलसिले में बाहर गये हैं, तो फिर उनका नाम मतदाता सूची से रह जायेगा और मतदान से वंचित रह जाएंगे। जो कि पूर्ण रूप से अनुचित होगा। ऐसे में एसआईआर की प्रक्रिया को पूरी करने में जल्दबाजी ना करते हुए उचित समय दिया जाना चाहिये, वर्तमान में दी गई समय सीमा को बढ़ाना चाहिये। इसके साथ ही उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार चुनाव आयोग ने निर्देश जारी किये हैं। ऐसे लोग जिनका कोई भी आपराधिक इतिहास है उन्हें अपने हलफनामें में इसका अपने आपराधिक इतिहास का पूरा ब्योरा देना होगा और इसके साथ-साथ स्थानीय अखबारों में भी इसका पूरा विवरण भी प्रकाशित करना होगा तथा जिस राजनैतिक पार्टी से वे चुनाव लड़ रहे हैं, उस राजनैतिक पार्टी की भी जिम्मेदारी होगी कि वह इस सूचना को अपने स्तर से भी राष्ट्रीय अखबारों में भी प्रकाशित करेगी। उनका का कहना है कि अक्सर यह पाया गया है कि जिस व्यक्ति को चुनाव लड़ने के लिए टिकट दिया जाता है उनमें से कुछ लोग अपना आपराधिक इतिहास पार्टी को नहीं बतातें हैं तथा कुछ लोगों के संबंध में स्क्रूटनी के समय ही पार्टी को इसका पता लग पाता है, जिसकी वजह से इसकी जिम्मेवारी पार्टी के ऊपर आ जाती है और वैसे भी ऐसे प्रत्याशियों के आपराधिक इतिहास को राष्ट्रीय अखबारों में छपवाने की जिम्मेवारी पार्टी के ऊपर डाली गयी है। जबकि इस संबंध में हमारी पार्टी का यह सुझाव है कि आपराधिक छवि वाले प्रत्याशियों के संबंध में सभी औपचारिकताएं पूरी करने की जिम्मेदारी उन्हीं पर डालनी चाहिये ना कि पार्टी के ऊपर होनी चाहिये। अगर आगे चलकर यह मालूम होता है कि किसी प्रत्याशी ने अपना आपराधिक इतिहास छुपाया है तो इससे सम्बंधित हर प्रकार की जिम्मेदारी भी उसी पर आनी चाहिये ना कि पार्टी के ऊपर। इसके इलावा हमारी पार्टी का यह भी सुझाव है कि ईवीएम को लेकर लगातार उठती गड़बड़ियों की शिकायत जो चुनाव के दौरान और उसके बाद व्यक्त की जाती है उसे दूर करने के लिए और चुनाव प्रक्रिया में सभी का पूर्ण रूप से विश्वास पैदा करने के लिए अब ईवीएम के द्वारा वोट डलवाने की जगह पुनः बैलेट पेपर से ही वोटर डलवाने की प्रक्रिया लागू की जाये और अगर किसी वजह से ऐसा अभी नहीं किया जा सकता है तो कम से कम वीवीपैट के डब्बे में जो वोट डालते समय पर्ची गिरती है उन सभी पर्चियों की गिनती सभी बूथों में करके ईवीएम के वोटों से मिलान किया जाये। ऐसा ना करने का जो कारण इलेक्शन कमीशन द्वारा बताया जाता है, कि इसमें काफी समय लग जायेगा जबकि इनका यह तर्क बिलकुल भी उचित नहीं है। क्योंकि अगर सिर्फ कुछ और घन्टे गिनती में लग जाते हैं तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ना चाहिये, जबकि वोट डालने की चुनाव प्रक्रिया महीनों चलती है। और यह इसलिए भी जरूरी है कि इससे देश की आमजनता का चुनाव प्रक्रिया में विश्वास बढ़ेगा तथा इस प्रकार के जो अनेकों प्रकार के सन्देह उत्पन्न होते हैं उनपर भी पूर्ण विराम लगेगा, जो देश हित में होगा।

शोरूम के अकाउंटेंट की संदिग्ध हालत में मौत, रेलवे ट्रैक के पास मिला शव

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में रेलवे ट्रैक के पास एक शोरूम के अकाउंटेंट का शव मिला है। वह कुछ दिनों से तनाव में था। सुबह घर से बिना बताए निकला था। दोपहर तक में पुलिस ने सूचना दी कि ट्रैक के पास शव पड़ा है। मृतक की पहचान अमीनाबाद के बलराम यादव (32) के रूप में हुई। शव ठाकुरगंज इलाके में भुवर ओवरब्रिज के नीचे मिला। पुलिस के अनुसार, मृतक कुछ दिन से तनाव में था। उसे परिजन सुबह से ढूंढ रहे थे। पुलिस ने बताया युवक के पास मोबाइल फोन था। उसकी मदद से उसके परिजन सूचना दी गई। सूचना पर पहुंचे परिवारजनों ने बताया कुछ दिनों से किसी बात को लेकर तनाव में था। परिवार में पत्नी अंजू यादव, 10 वर्षीय बेटी प्रगति और 6 साल का बेटा देवांश है।

लखनऊ में अवधी समारोह कल

पीयूष त्रिपाठी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अवध क्षेत्र और पड़ोसी देश नेपाल में बोली जाने वाली अवधी भाषा के प्रचार-प्रसार और संवर्धन के उद्देश्य से उत्तरप्रदेशत्साहित्यत्सभा के अवधी प्रकोष्ठ द्वारा 11 दिसम्बर को 11 बजे लखनऊ के राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह, कैसरबाग में अभूतपूर्व ''अवधी समारोह'' आयोजित किया जा रहा है। समारोह में हिंदी के प्रकांड विद्वान और लखनऊ विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग के अध्यक्ष रहे प्रोफ़ेसर सूर्य प्रसाद दीक्षित, पद्मश्री विद्या बिंदु सिंह एवं सीतापुर क्षेत्र से एमएलसी पवन सिंह चौहान विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। समारोह के दौरान अवध भारती संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष और राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित और अवधी के दधीच कहे जाने वाले डॉ राम बहादुर मिश्र जी को समर्पित एक विराट अवधी शोध ग्रन्थ ''अवध-अवधी:विविध सन्दर्भ'' का विमोचन किया जाएगा। समारोह का संचालन उत्तर प्रदेश साहित्य सभा के संस्थापक अध्यक्ष और स्माइल मैन के नाम से प्रसिद्ध कवि सर्वेश अस्थाना करेंगे। अवधी समारोह में भारत और नेपाल के लगभग सभी अवधी जनपदों के मूर्धन्य अवधी साहित्यकार सहभागी बनेंगे। इस समारोह में अवधी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति की दिशा-दशा पर व्यापक चर्चा की जाएगी। आयोजकों ने बताया कि समारोह में आने वाले समस्त अवधी आराधकों का अंगवस्त्र एवं स्मृतिचिन्ह से स्वागत व-सम्मान किया जाएगा। स्माइल मैन सर्वेश अस्थाना ने बताया कि समारोह में सभी अतिथियों के अवधी व्यंजन कढ़ी चावल और रायते की व्यवस्था की गई है। समारोह में आने सभी अतिथियों से दिए गए विषयों में किसी एक विषय पर अपने विचार लिखकर भी लाने को कहा गया है क्योंकि आयोजक मंडल समयाभाव के कारण चाहकर भी सभी अवधी आराधकों को सम्बोधन के लिए मंच पर आमंत्रित नहीं कर सकता है। जिन विषयों में से किसी एक विषय पर आलेख आमंत्रित किए गए हैं वह विषय निम्नलिखित हैं-1. इक्कीसवीं सदी में अवधी 2 अवधी गजल 3. अवधी नवगीत 4. अवधी बरवै 5. सिनेमा में अवधी 6. नेपालत्मेंत्अवधी 7. बैसवारी अवधी 8. बघेली और छत्तीसगढ़ी अवधी 9. अवधी की सांस्कृतिक चेतना. 10. अवधी भाषा थी चुनौतियां 11. संचार माध्यम में अवधी 12. सोशल मीडिया और अवधी 13. अवधी सेवी संस्थाएं 14. अवधी भाषी जनपदों में अवधी साहित्य (प्रत्येक जनपद पर अलग-अलग) 15. भोजपुरी और अवधी 16. अवधी व्यंजन 17. अवधी वस्त्राभूषण 18. अवधी लोककथा, लोकगाथा 19. विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा किए गए अवधी शोध 20. बोलियां और आठवीं अनुसूची 21. अवधी का गद्य साहित्य. 22. अवधी : विविध विधाओं में सृजन कहानी, उपन्यास, लघु कथा, यात्रा वृत्तांत, खंड काव्य, महा काव्य, हाइकु, क्षणिका, गजल, नवगीत, गीत, मुक्तक, अगीत, 23. अवधी का भौगोलिक परिदृश्य 24. अवधी के हीरक 25. अवधी कविताः सामाजिक सरोकार अवधी समारोह में कल्चर दीदी कुसुम वर्मा लोकगीत प्रस्तुत करेंगी। इस अवसर पर अवधी कवि सम्मेलन का भी आयोजन किया गया है।

कार्यक्रम में बाराबंकी के साहित्यकार और कवि प्रदीप सारंग सहित तमाम अवधी आराधक उपस्थित रहेंगे।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, अनुरक्षण खण्ड नं0-1 (सिविल), लो0नि0वि0, लखनऊ।

अल्पकालीन निविदा सूचना

पत्रांक-3638/निविदा/2025 दिनांक:-05/12/25

1- महामहिम राज्यपाल महोदया, उत्तर प्रदेश की और से अधिशासी अभियन्ता, अनुरक्षण खण्ड नं0-1 (सिविल), लो0नि0वि0, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों की प्रतिशत दर निविदा आमंत्रित की जाती है। निम्नलिखित कार्य के लिए लोक निर्माण विभाग क्लासें ए/बी/सी/डी में भवन कार्य हेतु पंजीकृत ठेकेदार निविदा डालने के योग्य होंगे।

क्र. सं.	जिला	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर धनराशि (रु. लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	अधिशासी अभियन्ता का पता
1	2	3	4	5	6	7	8
1	लखनऊ	राजभवन परिसर स्थित गुलमोहर कालोनी में गौशाला से निकलने वाले पानी को सीवर लाइन से अलग करते हुए पाइप लाइन डालने का कार्य।	3.29	0.33	677.00	03 माह	अधिशासी अभियन्ता, अनु. खण्ड नं.-1 (सि.), लो.नि.वि. लखनऊ।
2	लखनऊ	राजभवन स्थित मुख्य भवन के पोर्टिको लॉबी में इटालियन मार्बल घिसाई एवं नीलकुसुम बेसमेन्ट में मरम्मत का कार्य।	2.75	0.28	677.00	3 माह	अधिशासी अभियन्ता, अनु. खण्ड नं.-1 (सि.), लो.नि.वि. लखनऊ।

निविदा प्रपत्र सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता जिनका उल्लेख उक्त तालिका के स्तम्भ-8 में किया गया है, के कार्यालय में पूर्वाहन 10:00 से अपरान्ह 05:00 बजे तक दिनांक 10.12.2025 से 16.12.2025 तक निविदाएं बेची जायेगी तदिद्दनांक 16.12.2025 को अपराह्न 02:30 बजे तक जमा की जा सकती है. जिनको उसी कार्य दिवस में दिनांक 16.12.2025 को 03:00 बजे जिलाधिकारी के कार्यालय में इच्छुक निविदाताओं की उपस्थिति में खोली जायेगी। यदि उक्त निविदा प्राप्त करने एवं खोलने की तिथि को राजकीय अवकाश घोषित होता है तो निविदा प्राप्त एवं खोलने की तिथि अगला कार्य दिवस होगा और खोलने के समय, स्थल तथा वैधता में कोई परिवर्तन नहीं होगा। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण इस कार्यालय से उपरोक्त तिथियों में देखा जा सकता है।

(उमाकान्त पाण्डेय)
अधिशासी अभियन्ता
अनुरक्षण खण्ड नं0-1 (सिविल)
लो0नि0वि0, लखनऊ।

www.upgov.nic.in
Upid-242063 Date-08/12/2025

जिलाधिकारी ने सुपरवाइजर को किया सम्मानित

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। विगत दिवस विवेकानन्द सभागार कलेक्ट्रेट मे भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधान सभा गोपामउ बूथ संख्या 354, 363 मे कार्यरत सुपरवाइजर प्रदीप मिश्रा ने एसआइआर फार्म का शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन कार्य पूर्ण करने पर जिलाधिकारी ने उन्हें प्रशस्ती पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा, अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रफुल्ल त्रिपाठी, ईआरओं, एईआरओं, प्रभारी जिला सूचना अधिकारी व सभी सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

जन सुनवाई में डीएम ने सुनी 68 शिकायतें

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। कलेक्ट्रेट कक्ष में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने आमजन की समस्याओं को सुना तथा जन सुनवाई मे आज कुल 68 शिकायते प्राप्त हुई, जिसके त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित को दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्व और गुणावत्तापूर्ण ढंग से हो। राजस्व विभाग के अधिकारियों से कहा कि उत्तराधिकार का कोई भी प्रकरण लंबित न रखें तथा कृषक दुर्घटना बीमा योजना के किसी आवेदन को लंबित न रखा जाये। इस अवसर पर अतिरिक्त मजिस्ट्रेट अरूणिमा श्रीवास्तव व अन्य सम्बन्धित विभाग के अधिकारी/ कर्मचारी उपस्थित रहें।

जिला भूगर्भ जल प्रबन्धन परिषद की बैठक हुई सम्पन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा की अध्यक्षता मे जिला भूगर्भ जल प्रबन्धन परिषद की बैठक आहूत की गयी। बैठक मे वाणिज्यिक, औद्योगिक, अवसरंचनात्मक एवं भूगर्भ जल सम्बन्धित जनपद हेतु वेब पोर्टल के माध्यम से प्राप्त आवेदनों पर विस्तार से समीक्षा की गयी। मुख्य विकास अधिकारी ने बैठक मे सम्बन्धित को निर्देश दिये कि जनपद मे उद्योगों/ होटलों एवं अन्य सभी संस्थान जो भूजल दोहन कर रहे है, वहां रेन वाटर हर्वेटिगं सिस्टम से लागू किया जायें, एवं अन्य भूजल संरक्षण के उपाय अवश्य करें। इस अवसर पर भगर्भ जल विभाग के अधिशासी अभियन्ता तथा सभी सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

दीपांजलि राजपूत का चयन इंडियन एयरफोर्स में टेक्नीशियन के पद पर हुआ, बिटिया ने किया क्षेत्र का नाम रोशन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

दीपांजलि को फूल माला पहनाकर स्वागत करते पारिवारिक सदस्य। फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरपालपुर (हरदोई)। क्षेत्र के जुग्गापुरवा मजरा पलिया गांव निवासी बिटिया ने क्षेत्र का नाम रोशन किया हैं। जुग्गापुरवा गांव निवासी दीपांजलि राजपूत का चयन इंडियन एयरफोर्स में टेक्नीशियन के पद पर हुआ है। चयन के बाद गांव पहुंचने पर उनका फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया हैं।

हरपालपुर क्षेत्र के पलिया मजरा जुग्गापुरवा गांव निवासी दीपांजलि ने दृढ़ इच्छाशक्ति, कड़ी मेहनत और अटूट लगन से यह मुकाम प्राप्त किया। इनके पिता धीरेंद्र सिंह राजपूत एक प्रगतिशील किसान हैं, जबकि माता रमाकांति राजपूत गृहिणी हैं। अब दीपांजलि एयरफोर्स में जल्द ही प्रशिक्षण शुरू करेगी, जिसके बाद वह औपचारिक रूप से भारतीय वायुसेना का हिस्सा बनेगी। दीपांजलि ने बारहवीं तक की पढ़ाई विजय शंकर इंटर कॉलेज हरपालपुर से पूरी की। इसके बाद रोजगार विद अंकित एकेडमी ग्रेटर नोएडा से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी शुरू की। शुरुआत में कई असफलताएं मिलीं, मगर दीपांजलि कभी विचलित नहीं हुई। दीपांजलि की बड़ी बहन दीपशिखा राजपूत अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी की छात्रा हैं। बिटिया का एयरफोर्स में चयन होने के बाद गांववासियों ने ढोल नगाड़ों के साथ फूल माला पहनाकर स्वागत किया हैं।

इस मौके पर कन्हैयालाल राजपूत, शैलेन्द्र सिंह, राजपूत, हरिशंकर राजपूत, सत्यपाल सिंह, कुलदीप राजपूत, अवनेंद्र सिंह राजपूत, सौरभ राजपूत, एडिशन राजपूत आदि मौजूद रहे।

नगर के लाल में बढ़ाया मान, वायु सेना में हुआ चयन

कछौना (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। नगर के सामने गर्व का क्षण उस समय आया ज़ब भारतीय वायु सेना का परीक्षा परिणाम घोषित हुआ जिसमे नगर निवासी अधिवक्ता शिवेंद्र सिंह शिवाली के पुत्र उत्कर्ष प्रताप सिंह का चयन भारतीय वायु सेना में हो गया! चयन की खबर मिलते ही परिवार में खुशी की लहर दौड़ गईं और नगर में हर्ष का माहौल बन गया! वायुसेना जैसी प्रतिष्ठित सेवा में चयनित होकर उत्कर्ष ने न केवल परिवार का नाम रोशन किया बल्कि पूरे नगर व क्षेत्र को गौरवान्वित किया! उसकी इस सफलता को कड़ी मेहनतए लगन और अनुशासन का परिणाम बताया जा रहा है! युवक के चयन की जानकारी मिलते ही इष्ट मित्रों शुभचिंतको व रिश्तेदारों का बधाई देने के लिए घर पर तांता लगा है! लोग एक दूसरें को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार कर रहे हैं! लोगों का कहना हैं कि विषम परिस्थितियों में पढ़ाई करके ऐसी उपलब्धि पाना नगर के अन्य युवाओं के लिए प्रेरणा है! परिजन इस सफलता से बेहद भावुक और गर्व महसूस कर रहे हैं! पिता शिवेंद्र सिंह शिवाली ने बताया बेटे का बचपन से ही देशसेवा करने का सपना था जो आज पूरा हुआ! नगर के अन्य गणमान्य लोगों ने भी चयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उज्जवल भविष्य की शुभकामनायें दी!

पोषण समिति की हुई बैठक

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। स्वामी विवेकानंद सभागार में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सुरसाए साण्डी के सीडीपीओ की अनुपस्थिति पर कारण बताओं नोटिस व आज का वेतन रोकने के निर्देश दिए। पोषण ट्रैकर पर आंगनवाड़ी द्वारा कम फीडिंग के कारण कम प्रगति पर उन्होंने प्रगति बढाने के निर्देश दिये। आंगनवाड़ी केन्द्र शाहाबादए भरखनी टोडरपुरए बावन बन्द रहने पर उन्होंने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिए कि कोटेदार से पता करके आंगनवाड़ी केन्द्र के सम्बन्ध मे जानकारी अद्योहस्ताक्षरी को अवगत करायें। वित्तीय वर्ष 2022.2023 के आंगनवाड़ी केन्द्र निर्माण कार्य कुछ में चल रहा है और कुछ का कार्य पूरा हो गया और कुछ निर्माण कार्य प्रगति पर है उन्होंने ने कहा कि साण्ड़ी आंगनवाड़ी केन्द्र में शौचालय की सुविधा न होने पर जिला विकास अधिकारी को शौचालय को ठीक करने के निर्देश दिए। आंगनबाड़ी केन्द्र पर जो बच्चें कुपोषित पाये जाते है उनकों एनआरसी में भेजा जाता है। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी कमलेश कुमार, बेसिक शिक्षा अधिकारी अजीत सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी दिलीप कुमार व समस्त सीडीपीओ सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे है।

रोजगार मेले मे 216 अभ्यर्थियों को किया गया चयनित

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जिला सेवायोजन अधिकारी ने रामवीर सिंह बताया है कि जिला सेवायोजन कार्यालय एवं राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, हरदोई द्वारा आज प्रात 10.00 बजे से एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया है जिसमें विभिन्न क्षेत्र की 07 कम्पनियों ने प्रतिभाग किया उक्त आयोजित रोजगार मेले में 248 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया कम्पनियों के प्रतिनिधियों द्वारा उपस्थित अभ्यर्थियों को कम्पनी एवं उससे सम्बन्धित कार्य तथा वेतन भत्तों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। इच्छुक अभ्यर्थयों ने अपने आवेदन के रूप में कम्पनियों में निर्धारित प्रपत्र भरकर साक्षात्कार में प्रतिभाग किया साक्षात्कार मे 216 को शॉर्टलिस्ट किया गया।

दो दिवसीय मेडिकल कैंप का सफलतापूर्वक हुआ समापन

पिहानी (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। स्टे० ज़ेवियर्स स्कूल, पिहानी में आयोजित दो दिवसीय मेडिकल कैंप का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। कैंप का आयोजन विद्यार्थियों के संपूर्ण स्वास्थ्य मूल्यांकन के उद्देश्य से किया

गया था। पूरे कैंप का संचालन डॉ० फ़रीद एवं उनकी विशेषज्ञ मेडिकल टीम द्वारा अत्यंत कुशलता एवं जिम्मेदारी के साथ किया गया। कैंप के दौरान सभी बच्चों का नेत्र परीक्षण, सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण, दंत परीक्षण सहित विभिन्न आवश्यक जाँचें की गईं। प्रत्येक विद्यार्थी का व्यक्तिगत स्वास्थ्य मूल्यांकन किया गया तथा आवश्यकतानुसार उचित स्वास्थ्य सलाह भी प्रदान की गई। डॉ० फ़रीद ने कहा, कि बच्चों के स्वास्थ्य की नियमित जाँच उनकी पढ़ाई और समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। विद्यालय में इस प्रकार का कैंप आयोजित करना एक प्रशंसनीय पहल है। विद्यालय प्रबंधन ने मेडिकल टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ० फ़रीद और उनकी टीम ने अत्यंत समर्पण के साथ सभी बच्चों की स्वास्थ्य जाँच कर कैंप को सफल बनाया। हम भविष्य में भी ऐसे उपयोगी स्वास्थ्य कार्यक्रम आयोजित करते रहेंगे।

नाबालिग लड़की को भगा ले जाने का मामला दर्ज

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। अरवल थाना क्षेत्र के गांव से नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर कर भगा ले जाने का मामला दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार अरवल थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देकर बताया उसकी 17 वर्षीय पुत्री को 30 नवंबर की दोपहर करीब 12 बजे कन्नौज जनपद के लालपुर सरैया थाना गुरसहायगंज निवासी धर्मेंद्र रैदास पुत्र ऊधन बहला-फुसलाकर कर भगा ले गया है। पीड़ित एक सप्ताह तक इधर-उधर अपनी लापता पुत्री की खोजबीन करता रहा। लेकिन कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद स्थानीय पुलिस को घटना की सूचना दी है। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल शुरु कर दी है।

आपत्तिजनक वायरल करने वाले युवक के विरूद्ध मुकदमा दर्ज

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का आपत्तिजनक फोटो वायरल करने वाले युवक के खिलाफ भाजपा मंडल अध्यक्ष की तहरीर पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज करते हुए आरोपी युवक की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार भाजपा हरपालपुर के मंडल अध्यक्ष कमलेश कुमार पाल पुत्र जगदीश पाल निवासी ज्योतिपुरवा मजरा ककरा द्वारा थाने पर दी गई तहरीर में बताया हैं कि बीती 5 दिसंबर को थाना क्षेत्र के गुलौली मजरा हरपालपुर निवासी शीतल यादव उर्फझुबले पुत्र मान सिंह यादव ने अपनी फेसबुक आइडी पर मुख्यमंत्री की एक आपत्तिजनक स्टोरी वायरल की गई है। जिससे लोगों में रोष व्याप्त है।भाजपा मंडल अध्यक्ष कमलेश पाल की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करते हुए उसकी तलाश शुरू कर दी है।हरपालपुर के प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र कुमार पंकज ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही हैं।

एस.आई.आर. कार्य का उच्च शिक्षा मंत्री ने अवलोकन किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

एस.आई.आर. कार्य का अवलोकन करती रजनी तिवारी फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। उत्तर प्रदेश सरकार की उच्च शिक्षा राज्य मंत्री और शाहाबाद विधानसभा क्षेत्र की विधायक रजनी तिवारी ने मंगलवार को उधरनपुर मंडल में बूथ संख्या 27, 28, 29, 30 पर चल रहे विशेष गहण पुनरीक्षण कार्य का अवलोकन किया और पार्टी कार्यकर्ताओं को एस आई आर कार्य पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया।

उच्च शिक्षा मंत्री रजनी तिवारी मंगलवार को दोपहर ०2:00 बजे उधरनपुर मंडल के बूथों पर पहुंची। यहां पर उन्होंने एस आई आर कार्य का अवलोकन करने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और कार्य की प्रगति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से कहा इस कार्य में अधिक से अधिक पात्र लोगों के फॉर्म जमा करवा कर उनका नाम वोटर लिस्ट में शामिल करवायें तथा यह भी देखें कि पात्र कोई छूटे न और अपात्र कोई भी वोट बन न सके। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख त्रिपुरेश मिश्र, जिला पंचायत सदस्य लालाराम अनुज राजपूत, विनय तिवारी आदि मौजूद रहे।

मतदान का अधिकार संवैधानिक लोकतंत्र चुनने का एक मात्र साधनः बब्बू

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। कस्बे के मोहल्ला खेड़ा बलाई कोट स्थित पूर्व विधायक आसिफ खां बब्बू के आवास पर मंगलवार की सुबह 11 बजे एसआईआर के तहत होने वाले सर्वेक्षण के लिए समाजवादी पार्टी द्वारा बनाए गए बीएलए की समीक्षा बैठक संपन्न हुई, जिसकी अध्यक्षता पूर्व विधायक आसिफ खां बब्बू ने की।

■ रोजगार और महंगाई पर भाजपा सरकार फेल

बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक बब्बू ने कहा मतदान का अधिकार ही देशवासियों के लिए संवैधानिक लोकतंत्र चुनने का एक मात्र साधन है।प्रदेश सरकार रोजगार और मंहगाई के मामले में पूरी तरह विफ्ल रही है। देश भर का अन्नदाता खाद और बीज के लिए भटक रहा है। लेकिन उसकी कोई सुनने वाला नहीं है।उन्होंने मतदाताओं के अधिकार को सुरक्षित रखने के लिए सभी बनाए गए पार्टी के सभी बीएलए को मेहनत से जुटने का आवाहन किया। उन्होंने प्रदेश वासियों से भी उन्होंने सजग रहते हुए अपने फार्म भरवाने और ऑनलाइन के बाद उसे इंटरनेट पर जांच लेने का संदेश दिया।समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष धर्मवीर सिंह यादव ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को एस आईआर से जुड़ी पूरी प्रक्रिया से अवगत करवाते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी द्वारा नियुक्त किए गए बीएलए पार्टी की रीढ़ हैं। सभी बीएलए जिस सजगता से अपने बूथ पर एस आईआर फार्म भरवा कर निगाह रखे है। सभी वर्ग के मतदाताओं ने इस बार अखिलेश को मुख्यमंत्री बनाने की ठान लिए है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार वोट कटवा बनकर बिहार की तरह करना चाह रही थी।लेकिन सपा के बीएलए सरकार की मंशा को पूरा नहीं होने देंगे।समीक्षा बैठक का संचालन सपा नेता चांद मियां ने किया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के नगर अध्यक्ष सेवा, कई सभासद, सपा के बूथ अध्यक्ष और बीएलए उपस्थित रहे।

खाद पाने के लिए दर दर भटक रहा है किसानः बब्बू

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। खेड़ा बलाय कोट स्थित

■ पूर्व विधायक के आवास पर बीएलए की समीक्षा बैठक संपन्न

पूर्व विधायक आसिफ खां बब्बू के आवास पर मंगलवार को एसआईआर के तहत होने वाले सर्वेक्षण के लिए समाजवादी पार्टी द्वारा बनाए गए बीएलए की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता पूर्व विधायक आसिफ खां बब्बू ने की। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक बब्बू ने कहा मतदान का अधिकार ही देशवासियों के लिए संवैधानिक लोकतंत्र चुनने का एक मात्र साधन है। प्रदेश सरकार रोजगार और मंहगाई के मामले में पूरी तरह विफ्ल रही है। देश भर का अन्नदाता खाद और बीज के लिए भटक रहा हैए लेकिन उसकी कोई सुनने वाला नहीं है। उन्होंने मतदाताओं के अधिकार को सुरक्षित रखने के लिए सभी बनाए गए सभी बीएलए को मेहनत से जुटने का आवाहन किया। उन्होंने प्रदेश वासियों से भी सजग रहते हुए अपने फार्म भरवाने और ऑनलाइन के बाद उसे इंटरनेट पर जांच लेने का संदेश दिया। समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष धर्मवीर सिंह यादव ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को एस आईआर से जुड़ी पूरी प्रक्रिया से अवगत करवाते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी द्वारा नियुक्त किए गए बीएलए पार्टी की रीढ़ हैं। सभी बीएलए जिस सजगता से अपने बूथ पर एस आईआर फार्म भरवा कर निगाह रखे हैए सभी वर्ग के मतदाताओं ने इस बार अखिलेश को मुख्यमंत्री बनाने की ठान लिए है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार वोट कटवा बनकर बिहार की तरह करना चाह रही थी।लेकिन सपा के बीएलए सरकार की मंशा को पूरा नहीं होने देंगे।समीक्षा बैठक का संचालन सपा नेता चांद मियां ने किया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के नगर अध्यक्ष सेवा, कई सभासद, सपा के बूथ अध्यक्ष और बीएलए उपस्थित रहे।

गैर इरादतन हत्या की धाराओं में अभियोग हुआ दर्ज

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के बूंदापुर गांव में 21 नवंबर की रात में अधेड़ की मौत के मामले में चार भाइयों पर मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने गैर इरादतन हत्या की धाराओं में अभियोग दर्ज किया था। मंगलवार को पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया हैं। जानकारी के अनुसार हरपालपुर कोतवाली क्षेत्र के बूंदापुर गांव निवासी मुरारी ने 21 नबंबर को कोतवाली में तहरीर देकर बताया था कि उसका छोटा भाई राजीव उस रात चाऊंपुर गांव से आटा लेकर वापस घर जा रहा था। रास्ते में गांव का ही कल्लू उससे गाली गलौज करने लगा। विरोध करने पर कल्लू ने उसे लात.घूसों और डंडों से पीटा था। इस पर राजीव वहां से भागने लगा तो पीछे से आए आरोपी के भाई मनोजएरामू और अशोक ने भी उसे पकड़कर लात.घूसों और डंडों से पीट दिया था। इस कारण राजीव की मौत हो गई थी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मंगलवार को पुलिस ने घटना में नामजद आरोपी ने बूंदापुर गांव निवासी सत्येंद्र सिंह उर्फकल्लू पुत्र सूरजपाल को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया हैं। जहां से उसे जेल भेज दिया गया हैं। घटना में नामजद आरोपी रामू पुत्र सूरजपाल को पुलिस 23 नवंबर को गिरफ्तार कर पहले ही जेल भेज चुकी है।हरपालपुर के प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र कुमार पंकज ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की गई हैं।

कार्यालय ग्राम पंचायत-उमरापुर, विकास खण्ड- सुरसा, हरदोई

पत्रांक- मेमो/मनरेगा/2025-26 दिनाँक-09.12.2025

अल्पकालीन निविदा सूचना

कार्यालय ग्राम पंचायत-उमरापुर, विकास खण्ड-सुरसा, हरदोई द्वारा मनरेगा के अन्तर्गत कराए जाने वाले निम्नलिखित कार्यो पर सामग्री (सीमेन्ट, मौरंग, बालू, पत्थर गिट्टी, ईट प्रथम, पाइप, लोहा, पेच, टीन चादर आदि) आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मो से निविदा आमत्रित की जाती है। निविदायें दिनाँक-10.12.2025 से 16.12.2025 को 03:00 बजे तक प्राप्त कर जमा कर सकते है। प्राप्त निविदाएं दिनाँक-16.12.2025 को समिति द्वारा सायं 04:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1.	सन्तराम पुत्र मैकू का कैटल शेड निर्माण कार्य।	158002.00
2.	रामनरेश पुत्र राम प्रसाद का कैटल शेड निर्माण कार्य।	157923.00

नोट-

1- निर्धारित समय सीमा के पश्चात प्राप्त हुयी किसी निविदा पर विचार नही किया जायेगा।
2- निविदा फार्म पर किसी प्रकार की कटिंग मान्य नही होगी।
3- बिना बताये किसी निविदा को अस्वीकृत करने का अधिकार अद्योहस्ताक्षरी में निहित होगा।
4- निविदा फार्म पर उल्लेखित साफ शब्दों में अंकित करें।
5- धन की उपलब्धता पर कार्य कराया जायेगा।
6- कार्यो की कटौती प्रावधान/ लागू दरों की कटौती नियमानुसार की जायेगी।
7- प्राविधारित कार्यो की मात्रा आवश्यकतानुसार घटाई/बढ़ाई जा सकती है।

(इन्द्रावती)
प्रधान
ग्राम पंचायत-उमरापुर,
विकास खण्ड- सुरसा, हरदोई

(शिव ओम बाजपेयी)
सचिव
ग्राम पंचायत-उमरापुर,
विकास खण्ड- सुरसा, हरदोई

कार्यालय नगर पालिका परिषद मल्लावाँ, जनपद-हरदोई

पत्र सं0: 55/एम0बी0एम0/नामान्तरण/2025-26 दिनाँक-08.05.2025

सार्वजनिक सूचना
नामान्तरण (दाखिल खारिज)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद मल्लावाँ, के अर्न्तगत **निवासी मोहल्ला भगवन्तनगर, कस्बा व पर0 मल्लावाँ, तह0 बिलग्राम, जिला-हरदोई** के निवासी **श्रीमती नीतू पत्नी मगन लाल** ने नाम परिवर्तन हेतु प्रार्थना पत्र दिनाँक-21.07.2025 को प्रस्तुत किया है, जिसमें मोहल्ला भगवन्तनगर मल्लावां में निम्न चौहद्दी के अनुसार बैनामा के आधार पर भूमि क्रय की गई है। जिसकी चौहद्दी निम्नवत है-

पूरब- मकान मनोज। पश्चिम- मकान पंकज।
उत्तर- मकान मथुरा। दक्षिण- निकास व रास्ता 14 फिट चौड़ा।

इस नामान्तरण प्रार्थना पत्र पर यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो एक माह के अन्दर नगर पालिका में कार्यालय अवधि मे दे सकता है। समयावधि व्यतीत होने के पश्चात् किसी आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

(अध्यक्ष)
नगर पालिका परिषद
मल्लावाँ, हरदोई।

कार्यालय नगर पालिका परिषद मल्लावाँ, जनपद-हरदोई

पत्र सं0: 68/एम0बी0एम0/नामान्तरण/2025-26 दिनाँक-18.10.2025

सार्वजनिक सूचना
नामान्तरण (दाखिल खारिज)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद मल्लावाँ, के अर्न्तगत **निवासी मोहल्ला कटरा गंगारामपुर मल्लावाँ, तह0 बिलग्राम, जिला-हरदोई** के निवासी **श्रीमती मीना पत्नी स्व0 लखन उर्फ शिव प्रताप** ने नाम परिवर्तन हेतु प्रार्थना पत्र दिनाँक-03.09.2025 को प्रस्तुत किया है, जिसमें मोहल्ला गंगारामपुर मल्लावां में निम्न चौहद्दी के अनुसार बैनामा के आधार पर भूमि क्रय की गई है। जिसकी चौहद्दी निम्नवत है-

पूरब- प्लाट श्रीमती कमला देवी। पश्चिम- खेत दूबरि उर्फ देवी चरन।
उत्तर- रास्ता। दक्षिण- खेत दूबरि उर्फ देवी चरन।

इस नामान्तरण प्रार्थना पत्र पर यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो एक माह के अन्दर नगर पालिका में कार्यालय अवधि मे दे सकता है। समयावधि व्यतीत होने के पश्चात् किसी आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

(अध्यक्ष)
नगर पालिका परिषद
मल्लावाँ, हरदोई।

निर्वाचन की विश्वसनीयता कायम रखना बहुत जरूरी है

किसी सच्चे लोकतंत्र में एक स्वतंत्र, निडर और गैर-पक्षपाती लोकपाल के बिना निष्पक्ष चुनाव नहीं हो सकते। हमारी संवैधानिक व्यवस्था ने यही भूमिका भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को दी है। यदि यह धारणा बन जाए कि चुनाव आयोग की स्वायत्तता से समझौता किया जा चुका है तो पूरे तंत्र से भरोसा उठने लगेगा और चुनाव अपनी लोकतांत्रिक वैधता खो देंगे। चुनाव आयोग को अपनी मूल प्राधिकारी शक्तियां संविधान के अनुच्छेद 324 से मिलती हैं। यही प्रावधान संसद और विधानसभाओं के चुनावों के साथ-साथ राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनावों पर भी आयोग को 'पर्यवेक्षण, निर्देशन और नियंत्रण' का अधिकार देता है। 1950 से 1980 के दशक के आखिरी वर्षों तक अपने मूल स्वरूप में चुनाव आयोग एक-सदस्यीय संस्था थी, जिसके मुखिया मुख्य निर्वाचन आयुक्त थे। लेकिन अनुच्छेद 324 में कुछ अन्य निर्वाचन आयुक्तों की परिकल्पना की गई, जिन्हें समय-समय पर राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जा सके। 1989 में संसद ने कानून बनाकर आयोग को तीन सदस्यीय संस्था बना दिया। 12 दिसम्बर 1990 को टीएन शेषन के मुख्य निर्वाचन आयुक्त बनने के साथ ही निर्वाचन आयोग चुनावों की निगरानी का एक ताकतवर संस्थान बन गया। शेषन ने वोटरों को रिश्वत-शराब बांटने, सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग और धर्म-जाति के नाम पर वोट मांगने जैसी 150 से ज्यादा चुनावी गड़बड़ियों की पहचान की। उन्होंने आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) को सख्ती से लागू कर इसे फिर से प्रभावी बनाया। मतदाता पहचान पत्र को अनिवार्य किया, चुनाव खर्च की सीमा तय की और मतदान वाले राज्य से बाहर के चुनाव अधिकारी नियुक्त किए जाने लगे। पहली बार स्वतंत्र पर्यवेक्षकों को तैनात किया गया, जिससे चुनावों में बाहुबल का इस्तेमाल काफी मुश्किल हो गया। शेषन की निगरानी में हुए 1992 के चुनावों में गड़बड़ियों के चलते कुछ निर्वाचन क्षेत्रों का चुनाव तक रद्द कर दिया गया था। 1993 में चुनाव खर्च का ब्योरा न देने पर संसदीय चुनाव के 1488 उम्मीदवारों को अयोग्य घोषित कर दिया गया। शेषन ताकतवर राजनेताओं से टकराने में नहीं हिचकते थे। नेताओं को उनका संदेश था कि चुनाव रेवड़ियां बांटने और धनबल-बाहुबल की नुमाइश का तमाशा नहीं है। लेकिन कोई अकेला व्यक्ति संस्थागत ईमानदारी बनाए रखने के लिए काफी नहीं हो सकता। क्योंकि निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया ही त्रुटिपूर्ण है। 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया था कि आयुक्तों के चयन में निष्पक्षता बनाए रखने के लिए चयन समिति में प्रधानमंत्री और नेता प्रतिपक्ष के साथ भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को भी शामिल किया जाना चाहिए। लेकिन 2023 में ही सरकार ने सुप्रीम कोर्ट की सलाह को दरकिनार कर एक कानून के जरिए सीजेआई के स्थान पर मंत्रिमंडल के एक और सदस्य को समिति में शामिल कर दिया। इससे निर्वाचन आयुक्तों की चयन प्रक्रिया में सत्ताधारी दल को भारी फायदा मिल गया। दूसरे, इसी कानून में मुख्य निर्वाचन आयुक्त को शेष दो आयुक्तों को हटाने का अधिकार दे दिया गया, जिससे आयुक्तों के बीच समानता का दर्जा समाप्त हो गया। ऐसे में आयुक्तों पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त, यहां तक कि सरकार के रुख से भी सहमत होने का दबाव बढ़ गया। पूर्व चुनाव आयुक्त अशोक लवासा के साथ जो हुआ, सबके सामने है। उन्होंने सत्ताधारी दल से असहमति जताने की हिम्मत दिखाई थी। तीसरे, शेषन के बाद आदर्श आचार संहिता कभी इतनी सख्ती से लागू नहीं हो पाई। ताजा उदाहरण लें। यों निर्वाचन आयोग पहले से जारी सरकारी योजनाओं तक में नगद सहायता के हस्तांतरण पर चुनाव से महीनों पहले रोक लगा देता है, लेकिन बिहार में आचार संहिता से एक घंटे पहले प्रति विधानसभा क्षेत्र 60 से 62 हजार महिलाओं के खाते में 10-10 हजार रुपए का वितरण रोकने के लिए उसने कुछ नहीं किया। आचार संहिता लागू होने के बाद भी नए लाभार्थियों के नाम जोड़े जाने पर रोक नहीं लगाई। वोटरों को ले जाने के लिए मुफ्त ट्रेनों के संचालन पर आंखें मूंद लीं। जो आचार संहिता केवल विपक्ष पर लागू हो, सत्ताधारी दल पर नहीं, उसकी निष्पक्षता पर जनता का भरोसा कमजोर हो जाता है।

हमारी संवैधानिक व्यवस्था ने यही भूमिका भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को दी है। यदि यह धारणा बन जाए कि चुनाव आयोग की स्वायत्तता से समझौता किया जा चुका है तो पूरे तंत्र से भरोसा उठने लगेगा और चुनाव अपनी लोकतांत्रिक वैधता खो देंगे। चुनाव आयोग को अपनी मूल प्राधिकारी शक्तियां संविधान के अनुच्छेद 324 से मिलती हैं। यही प्रावधान संसद और विधानसभाओं के चुनावों के साथ-साथ राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनावों पर भी आयोग को 'पर्यवेक्षण, निर्देशन और नियंत्रण' का अधिकार देता है। 1950 से 1980 के दशक के आखिरी वर्षों तक अपने मूल स्वरूप में चुनाव आयोग एक-सदस्यीय संस्था थी, जिसके मुखिया मुख्य निर्वाचन आयुक्त थे।

मोहन यादव सरकार के दो वर्षों में नक्सल उन्मूलन की निर्णायक जंग

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

बीते दो वर्षों में हुई घटनाओं और सरकारी रणनीतियों का विश्लेषण बताता है कि मध्य प्रदेश नक्सल मुक्त होने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठा चुका है। कहना होगा कि हाल ही हुआ सबसे बड़ा सामूहिक आत्मसमर्पण वास्तव में नक्सलवाद की रीढ़ पर निर्णायक वार है। एक नवंबर 2025 को नक्सली सुनीता ओयाम ने आत्मसमर्पण किया था, जिसने नक्सल मोर्चे पर बदलाव की शुरुआत को और तेज किया। हालांकि इसी दौरान एंटी नक्सल ऑपरेशन में इंस्पेक्टर आशीष शर्मा हुतात?मा हुए थे, उनका बलिदान यह बताता है कि नक्सल उन्मूलन की प्रक्रिया आसान नहीं रही है; इसके पीछे सुरक्षा बलों की सतत जोखिम-भरी रणनीति और बलिदान शामिल हैं। कान्हा-भोरमदेव (केबी) डिवीजन के दस कुख्यात नक्सलियों का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सामने आत्मसमर्पण करना बता रहा है कि नक्सलियों पर कितना दबाव है। इन पर कुल 2 करोड़ 36 लाख रुपये का इनाम घोषित था, जो इस बात का संकेत है कि वे नक्सली संगठन के सक्रिय और प्रभावशाली सदस्य थे।

मध्य प्रदेश की राजनीति और प्रशासनिक संरचना में 13 दिसंबर 2023 का दिन 5th महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में दर्ज है, जब डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर शासन की बागडोर संभाली। सत्ता ग्रहण करने के बाद से उनकी सरकार ने प्रदेश से नक्सल-माओवादी गतिविधियों को समाप्त करने को सर्वाधिक प्राथमिकता दी। बालाघाट, जो लगभग 35 वर्षों से लाल आतंक की आंच झेलता आया है, आज उसी आतंक से मुक्ति की दहलीज पर खड़ा दिखाई दे रहा है। बीते दो वर्षों में हुई घटनाओं और सरकारी रणनीतियों का विश्लेषण बताता है कि मध्य प्रदेश नक्सल मुक्त होने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठा चुका है। कहना होगा कि हाल ही हुआ सबसे बड़ा सामूहिक आत्मसमर्पण वास्तव में नक्सलवाद की रीढ़ पर निर्णायक वार है। एक नवंबर 2025 को नक्सली सुनीता ओयाम ने आत्मसमर्पण किया था, जिसने नक्सल मोर्चे पर बदलाव की शुरुआत को और तेज किया। हालांकि इसी दौरान एंटी नक्सल ऑपरेशन में इंस्पेक्टर आशीष शर्मा हुतात?मा हुए थे, उनका बलिदान यह बताता है कि नक्सल उन्मूलन की प्रक्रिया आसान नहीं रही है; इसके पीछे सुरक्षा बलों की सतत जोखिम-भरी रणनीति और बलिदान शामिल हैं। कान्हा-भोरमदेव (केबी) डिवीजन के दस कुख्यात नक्सलियों का मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सामने आत्मसमर्पण करना बता रहा है कि नक्सलियों पर कितना दबाव है। इन पर कुल 2 करोड़ 36 लाख रुपये का इनाम घोषित था, जो इस बात का संकेत है कि वे नक्सली संगठन के सक्रिय और प्रभावशाली सदस्य थे। विशेष रूप से केबी डिवीजन के एसीएम 'कबीर' का आत्मसमर्पण सुरक्षा बलों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि उस पर अकेले 77 लाख रुपये का इनाम घोषित था। राज्य और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने गत दो वर्षों में संयुक्त ऑपरेशनों को गति दी है, जिससे नक्सली दलों का भूगोल सीमित हो रहा है। वस्तुतः दस नक्सलियों का रातोंरात आत्मसमर्पण कराना किसी सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया का परिणाम नहीं है। देखा जाए तो यह महीनों की सामाजिक, सुरक्षा और मनोवैज्ञानिक रणनीति का हिस्सा है। वनरक्षक गुलाब उईके ने नक्सलियों की मानसिकता को समझते हुए उन्हें आईजी संजय सिंह तक पहुँचाया और फिर मुख्यमंत्री की उपस्थिति में पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से सम्पन्न किया गया। यह दर्शाता है कि राज्य सरकार सिर्फ बल प्रयोग पर नहीं, संवाद और विश्वास-निर्माण की नीति पर भी समान ऊर्जा से काम कर रही है। आत्मसमर्पण समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा बलों के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि मध्य प्रदेश में अब किसी को हथियार उठाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उनका दोहरा संदेश जो सरेंडर करेंगे उन्हें पुनर्वास नीति से बढ़कर सुरक्षा और लाभ मिलेगा और जो हथियार नहीं छोड़ेंगे वे कार्रवाई के लिए तैयार रहें। वस्तुतः सरकार की कठोर और संवेदनशील दोनों तरह की नीति को स्पष्ट करता है। यह संतुलित दृष्टिकोण कहना होगा नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने के लिए प्रेरित कर रहा है। साथ ही ऐसे वक्तव्यों से सुरक्षा बलों के मनोबल को भी मजबूती मिल रही है। मध्य प्रदेश शासन की 'पुनर्वास से पुनर्जीवन' नीति भी इस परिवर्तन की प्रमुख वजह है। इस नीति के अंतर्गत आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को सुरक्षा प्रदान किए जाने के साथ ही शासन की ओर से आजीविका, शिक्षा और पुनर्वास की गुणवत्तापूर्ण सुविधाएँ भी दी जा रही हैं। ग्रामीणों से नक्सलियों को अपेक्षित समर्थन न मिलना यह दर्शाता है कि समाज में अब हिंसा की जगह विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। केंद्र सरकार ने मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद से मुक्त करने का लक्ष्य तय किया है। वस्तुतः मध्य प्रदेश में यह लक्ष्य अब वास्तविकता में बदलता दिख रहा है। बालाघाट, जिसे केबी डिवीजन का मुख्य केंद्र माना जाता था, जोकि इस बड़े समर्पण के साथ ही नक्सली गतिविधियों से लगभग मुक्त होने की स्थिति में है। पुलिस और स्थानीय प्रशासन की एकजुट रणनीति ने नक्सलियों की फील्ड एक्टिविटी लगभग खत्म कर दी है।प्रदेश में अब सिर्फ एक सक्रिय नक्सली दल शेष बचा है, जिस पर फोर्स का लगातार दबाव जारी है। ऐसे में 2026 से पहले ही बालाघाट नक्सल-मुक्त होने की प्रबल संभावना है। माओवादी मूवमेंट और नक्सली आतंक को लेकर यदि देखें तो 1990 से बालाघाट जिले में नक्सलवाद यहां बड़े स्तर पर अपने पैर पसार चुका था। केबी डिवीजन को मध्य भारत में नक्सलियों का मजबूत अड्डा माना जाता था। घने जंगल, त्रिस्तरीय पहाड़ी मार्ग और सीमावर्ती राज्यों की भौगोलिक जटिलता ने इसे नक्सलियों के लिए सुरक्षित क्षेत्र बना दिया था। किंतु बीस सालों में मध्य प्रदेश से नक्सलवाद को समाप्त करने की दिशा में जो कार्य हुआ कहना होगा कि उसकी अंतिम कील ठोकने का काम पिछले दो वर्षों में मोहन सरकार के आने के बाद बड़े स्तर पर देखने को मिला है। पहाड़ी क्षेत्रों में सुरक्षा चौकियाँ बढ़ीं। ड्रोन सर्विलांस और आधुनिक हथियारों से फोर्स सुसज्जित हुई। सड़क और संचार नेटवर्क में सुधार हुआ। ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं से जोड़ा गया। इन समग्र परिवर्तनों ने नक्सली संगठन की जड़ें हिला दीं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के शब्दों में कहें तो अब प्रदेश में नक्सलियों की संख्या बेहद कम रह गई है। सरकार आत्मसमर्पण करने वालों के जीवन की गारंटी ले रही है जोकि नक्सलियों को मुख्यधारा में जुड़ने के लिए सबसे बड़ा आश्वासन है। बालाघाट के बड़े हिस्से से नक्सलियों का सफाया होते ही कान्हा क्षेत्र पूरी तरह से शांतिपूर्ण और विकासशील दिशा में अग्रसर हो जाएगा। पर्यटन, वन संपदा और ग्रामीण विकास योजनाओं को अब वास्तविक गति मिलने की संभावना बढ़ गई है। अंत में यही कहना होगा कि डॉ. मोहन यादव सरकार के दो वर्षों में नक्सल उन्मूलन का यह मॉडल बताता है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, आधुनिक पुलिसिंग, सामाजिक-आर्थिक विकास, पुनर्वास नीति और स्थानीय सहभागिता को जब एक साथ जोड़ दिया जाता है तो उसका यही परिणाम आता है जो इस वक्त प्रदेश में नक्सल उन्मूलन की दिशा में आ रहा है। आगे भी यदि लाल आतंक की समाप्ति के लिए यही गति बनी रहती है तो इतना तय है कि मध्य प्रदेश 2026 केंद्र की डेडलाइन से पहले ही पूर्ण रूप से नक्सल मुक्त होकर पूरे देश के लिए एक मिसाल बन सकता है।

साइबर सुरक्षा के और भी रास्ते

प्रेम शर्मा

संचार साथी एप को लेकर संशय उठना लाजमी था। विश्व में किसी देश की तुलना की जाए तो भारत का मॉडल रूस जैसा दिखता है। रूस में 19 सरकारी एप्स अनिवार्य रूप से प्री-इंस्टॉल होते हैं। इनमें आईडी और सरकारी सर्विसेज के एप शामिल हैं। हाल ही में देश में मैक्स सुपर एप भी अनिवार्य किया गया है। जोकि लोकतांत्रिक देशों में आमतौर पर देखने नहीं मिलता। हाल ही में केंद्र सरकार ने निर्देश दिए थे कि आगामी वर्ष मार्च से हर नये स्मार्टफोन में 'संचार साथी' ऐप पहले इंस्टॉल करना अनिवार्य होगा। दूसरी ओर पुराने स्मार्ट फोनों में इसे सॉफ्टवेयर अपडेट द्वारा भेजा जाएगा। जिसको लेकर विपक्ष ने तीखी प्रतिक्रिया दी और शीतकालीन सत्र में इसे बड़ा मुद्दा बनाया। विपक्ष का कहना था कि इससे निजता का उल्लंघन होगा और व्यक्ति के जीवन में सरकारी हस्तक्षेप बढ़ जाएगा। विपक्ष ने इसे संवैधानिक अधिकारों का अतिक्रमण व नागरिकों की निगरानी करने वाला टूल बताया। इस बहस के बीच विपक्ष को नया मुद्दा मिलते देख केंद्र सरकार ने अनिवार्य तौर पर ऐप प्री-इंस्टॉल करने का अपना फैसला वापस ले लिया। अधिकत्तर लोकतांत्रिक देशों में सरकारें एप प्री-इंस्टॉल करने को बाध्य नहीं करतीं। वे आमतौर पर साइबर सुरक्षा को कानूनों को सख्त करती हैं, सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स की जिम्मेदारी बढ़ाती हैं और आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ बनाती हैं। भारत का मॉडल अपने आप में अद्वितीय है, क्योंकि यहां एक ऐसा एप अनिवार्य किया जा रहा है जिसे यूजर हटाने का विकल्प भी नहीं रखता। अमेरिका किसी भी सरकारी एप को प्री-इंस्टॉल करने का आदेश नहीं है। यहां साइबर सुरक्षा के लिए दो प्रमुख तरीके अपनाए जाते हैं। सभी टेलीकॉम ऑपरेटरों के लिए ज्स्ध्भ्ज्ञम्छ प्रोटोकॉल अनिवार्य है, जिससे कॉल स्पूफिंग रोकी जाती है। यूएस की राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी फ़ेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन का 24ग्7 ऑपरेशन सेंटर ब्लॅजबी साइबर अपराधों पर नजर रखता है। प्रमाणित सूचना प्रणाली लेखा परीक्षक निजी कंपनियों के साथ मिलकर थ्रेट इंटेलिजेंस साझा करता है। यूजर्स पर कोई एप थोपने की बजाय, अमेरिका टार्गेटेड सर्विलांस और मजबूत आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर पर निर्भर करता है।यूके कोई सरकारी एप प्री-इंस्टॉल नहीं करवाता। यहां ऑनलाइन सेफ्टी एक्ट 2023 टेक कंपनियों पर जिम्मेदारी डालता है। फ़ेसबुक, गूगल जैसे प्लेटफॉर्म्स पर धोखाधड़ी करने वाले कंटेंट और स्कैम रोकने की कानूनी जिम्मेदारी है। यूजर-जनरेटेड कंटेंट की निगरानी भी इन्हीं प्लेटफार्म्स की जिम्मेदारी है। इस मॉडल में सरकार सीधे फोन या एप में हस्तक्षेप नहीं करती। यूरोपीय संघ डाटा प्रोटेक्शन और साइबर सुरक्षा में सबसे सख्त माना जाता है। लेकिन फिर भी ईयू किसी भी सरकारी एप का प्री-इंस्टॉलेशन अनिवार्य नहीं करता। साइबर रेजिलिएंस एक्ट के तहत हर डिवाइस को यूजर इस्तेमाल के पहले ही बॉक्स से बाहर सुरक्षित होना चाहिए। हर डिवाइस में कम से कम 5 साल के सिक्योरिटी अपडेट अनिवार्य हैं। डिजिटल सर्विसेज एक्ट के तहत गूगल, मेटा, टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्म स्कैम हटाने के लिए जिम्मेदार हैं। ईयू का म्न्क्प् वॉलेट एप है लेकिन यह पूरी तरह स्वैच्छिक है। इसके साथ किसी प्री-इंस्टॉलेशन की अनिवार्यता नहीं है।सिंगापुर में स्कैमशील्ड नाम का एप है जो पुलिस डाटाबेस के आधार पर कॉल और एसएमएस फिल्टर करता है। लेकिन एप पूरी तरह वैकल्पिक है। किसी भी फोन में यह प्री-इंस्टॉल नहीं होता। कोरिया ने एक बार स्मार्टशेरिफ नाम का सरकारी एप अनिवार्य किया था, लेकिन यह सिर्फ नाबालिगों के लिए था। यह एक तरह का पैरेंटल कंट्रोल एप था। ये एप संवेदनशील शब्दों पर अलर्ट भेजता था। फिर एप में गंभीर सुरक्षा खामियां मिलने के बाद 2015 में इसे हटा लिया गया। इसके बाद किसी लोकतंत्र में ऐसा कदम दोबारा नहीं उठाया गया। हालकि संचार एप को लेकर भारत सरकार का कहना था कि डिजिटल होती दुनिया में लगातार बढ़ते साइबर अपराधों से नागरिकों को सुरक्षा देने के मकसद से यह पहल की गई थी। उसका कहना था कि लगातार जटिल होते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये ऐसी पहल अपरिहार्य है। लेकिन विपक्ष का आरोप था कि साइबर अपराधों के खिलाफ सुरक्षा के नाम पर सरकारी हस्तक्षेप से नई तरह की असुरक्षा पैदा हो सकती है। बताया जाता है कि सरकार ने स्मार्टफोन में साइबर सुरक्षा ऐप इस तरह इंस्टाल करने को कहा था ताकि उसे डिलीट या अक्षम न किया जा सके। केंद्र की दलील थी कि यह ऐप उपभोक्ता को धोखाधड़ी वाले फोन और संदेशों की रिपोर्ट लिखवाने में मदद करता। साथ ही चोरी किए गए मोबाइल की बरामदगी आसान हो पाती। लेकिन निजी डेटा सुरक्षा व इसकी कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाए गए, जिसके चलते इसका विरोध हुआ। वैसे सर्च इंजन में पहले से मौजूद इस ऐप को देश के लाखों लोग पहले ही स्वेच्छा से डाउनलोड कर चुके हैं। लेकिन इसको अनिवार्य रूप से इंस्टॉल करने के आदेश के बाद विरोध के स्वर उभरने लगे। जिसके बाद विपक्ष ने आरोप लगाया कि इसके जरिये व्यक्ति की निजता का अतिक्रमण करके उसके जीवन में ताक-झांक की जा सकती है।हालांकि, विरोध के सुर मुखर होने के बाद सरकार की ओर से स्पष्टीकरण आया कि यह निर्णय वैकल्पिक है और कोई व्यक्ति इस ऐप को इच्छानुसार डिलीट कर सकता है। निस्संदेह, निजता हमारा मौलिक अधिकार है। ऐसे में किसी ऐप की अनिवार्यता से व्यक्ति की गोपनीयता में खलल पड़ने की आशंका जतायी जाने लगी। पिछले दिनों सरकार ने व्हाट्स ऐप व टेलीग्राम आदि कम्युनिकेशन ऐप्स संचालक कंपनियों से कहा था कि वे अपनी सेवा को मोबाइल के सिम कार्ड से जोड़कर रखें। ताकि सिम के बिना इन ऐप का दुरुपयोग न हो सके। जिसको लेकर टेलि-कम्युनिकेशन कंपनियों ने सकारात्मक प्रतिसाद दिया था। निस्संदेह, निजता का अधिकार देश में मौलिक अधिकार के रूप में मौजूद है। शीर्ष अदालत ने भी अपने एक निर्णय के जरिये स्पष्ट किया था कि जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता संविधान के अनुच्छेद 21 में 'राइट टू प्राइवेसी' में भी निहित है। जिसके अंतर्गत मोबाइल, इंटरनेट व डिजिटल जानकारियां भी शामिल हैं। ऐसे में राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों से इतर व्यक्ति को अपनी डिजिटल संप्रभुता की सुरक्षा का हक है। यही वजह है कि विगत में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि मोबाइल व निजी कंपनियां उपभोक्ता से आधार कार्ड नहीं मांग सकती। इस फैसले को तब निजता की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना गया था। यही वजह है कि 'संचार साथी' की अनिवार्यता के बाद निजता व व्यक्ति के डेटा में सरकारी दखल को लेकर सवाल उठने लगे। निस्संदेह, आज के डिजिटल युग में व्यक्ति का डेटा बेहद महत्वपूर्ण है। जिसकी हर कीमत पर सुरक्षा की जानी चाहिए। वहीं इसके साथ ही इस बात की भी पड़ताल होनी चाहिए कि कहीं कुछ अन्य ऐप हमारे डेटा में तो सेंध नहीं लगा रहे हैं? सरकार को इससे उपभोक्ता की सुरक्षा करनी होगी। वहीं तर्क दिया जा रहा है कि संचार साथी ऐप को अनिवार्य करने के बजाय आम लोगों को नई तकनीक और इसके इस्तेमाल के लिये सतर्क करने को देशव्यापी जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। आम जनता को प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए। वैसे भी साइबर क्राइम से बचने के लिए एंटीवायरस सॉफ्टवेयर लागू करना, फायरवॉल स्थापित करना, मजबूत पासवर्ड बनाना, दो-कारक प्रमाणीकरण का उपयोग करना, डेटा एनक्रिप्ट करना, डेटा का बैकअप लेना , नेटवर्क को सुरक्षित करना और नियमित रूप से सिस्टम को अपडेट करना आदि शामिल हैं।

बंगाल में उभरते हिन्दू स्वरों में बदलते राजनीतिक समीकरण

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद पुनर्निर्माण का मुद्दा उठाना मानो एक सोए हुए राक्षस को जगाने जैसा है, क्योंकि यह केवल एक मस्जिद का प्रश्न नहीं बल्कि देश की एकता, अखंडता और सांप्रदायिक सौहार्द की कसौटी है। सदियों से चला आ रहा बाबरी विवाद भारत की सामाजिक चेतना पर गहरे जख्म छोड़ चुका है-जिसने राजनीति को उग्र बनाया, समुदायों को बाँटा और नफरत व हिंसा के बीज बोए। ऐसे समय में जब राष्ट्र विभिन्न संकटों से जूझ रहा है, इस विवाद को नए भूगोल में स्थानांतरित कर हवा देना सामाजिक सामंजस्य एवं राष्ट्रीय एकता के लिए घातक हो सकता है।

पश्चिम बंगाल इन दिनों धार्मिक और राजनीतिक उफान का केंद्र बना हुआ है। बाबरी मस्जिद विवाद को लेकर मुस्लिम संगठनों और राजनीतिक समूहों की सक्रियता के बीच हिन्दू धर्मगुरुओं एवं संगठनों की मोर्चाबंदी ने क्या हिंदू क्रांति का शंखनाद किया है? क्या यह आगामी विधानसभा चुनावों में हिंदू वोटों को एकत्र करने का नया एजेंडा है, या पश्चिम बंगाल में लगातार हिन्दुओं पर हो रहे हमलों, उनको कुचलने की कुचेष्टाओं एवं मुस्लिम तुष्टीकरण का माकुल जबाव है। बाबा बागेश्वर धाम-धीरेन्द्र शास्त्री सहित अनेक हिंदू धर्मगुरुओं के प्रवचनीय हस्तक्षेप, लाखों लोगों द्वारा सामूहिक गीता पाठ और संतों की हुंकार से एक नई चेतना आकार लेती दिखाई दे रही है। यह उभार महज आस्था का नहीं, बल्कि पहचान, सुरक्षा और गौरव के भावों का उभार है। पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद पुनर्निर्माण का मुद्दा उठाना मानो एक सोए हुए राक्षस को जगाने जैसा है, क्योंकि यह केवल एक मस्जिद का प्रश्न नहीं बल्कि देश की एकता, अखंडता और सांप्रदायिक सौहार्द की कसौटी है। सदियों से चला आ रहा बाबरी विवाद भारत की सामाजिक चेतना पर गहरे जख्म छोड़ चुका है-जिसने राजनीति को उग्र बनाया, समुदायों को बाँटा और नफरत व हिंसा के बीज बोए। ऐसे समय में जब राष्ट्र विभिन्न संकटों से जूझ रहा है, इस विवाद को नए भूगोल में स्थानांतरित कर हवा देना सामाजिक सामंजस्य एवं राष्ट्रीय एकता के लिए घातक हो सकता है। सद्भाव और शांति की बुनियाद पर खड़े भारत को ऐसे मुद्दों की आवश्यकता है जो एकता को मजबूत करें, न कि पुराने घाव कुरेदकर समाज में तनाव और अविश्वास पैदा करें। अतः आवश्यक है कि नेतृत्व इस संवेदनशील विषय को विवेक, संवाद और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखकर संभाले, ताकि भारत का बहुलतावादी चरित्र और साझा सभ्यता सुरक्षित रह सके। निश्चित ही बाबरी मस्जिद विवाद को हवा देकर कुछ मुस्लिम संगठनों और राजनीतिक वर्गों ने तनाव का वातावरण खड़ा किया है। इन दो समानांतर धाराओं की टकराहट ने बंगाल को विमर्श के केंद्र में ला दिया है कि क्या राज्य में हिंदू संगठित होकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की हिन्दू-विरोधी साजिशों एवं षडयंत्रों का अंत चाहते हैं? बंगाल परंपरा से बौद्धिक और सांस्कृतिक बहुलता का प्रदेश रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में हिंदू सामाजिक मानस में एक बदलाव दिख रहा है। गजवा हिंद के प्रलापों के प्रतिकार में भगवा हिंद का संकल्प उभर रहा है। पांच लाख से अधिक हिंदुओं द्वारा एक साथ गीता पाठ करना इसी उभार का संकेत है, जिसमें धर्म प्रदर्शन शक्ति और अस्मिता के रूप में सामने आता है। साध्वी ऋतंभरा के वक्तव्यों ने इस उभार को एक नया स्वर दिया है। उनका स्पष्ट कथन कि ्ययह धरती प्रभु श्रीराम की है और श्रीराम की ही रहेगीङ्क बंगाल सहित पूरे देश के हिंदू मानस में गूंज रहा है। यह कथन सिर्फ आस्था की घोषणा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अधिकार और आधिपत्य की अनुभूति का उद्घोष है। उनके भाषणों में उभरती चेतावनी है कि यदि हिंदू अपनी संस्कृति, परंपरा और मंदिरों की रक्षा के लिए नहीं उठे तो इतिहास स्वयं उनसे जवाब मांगेगा। इस पृष्ठभूमि में बाबरी विवाद का पुनर्स्मरण राजनीति का साधन भी प्रतीत होता है। मुस्लिम संगठनों द्वारा इसकी मांगों को आगे बढ़ाना और नेताओं द्वारा इसे मुद्दा बनाना निश्चित ही सामाजिक भावना को चुनौती देता है। इसका प्रतिउत्तर धार्मिक मंचों से आया है, जहां प्रवचनों और सभाओं ने इसे हिंदू गौरव और अस्तित्व के प्रश्न के रूप में चित्रित किया है। ऐसे में यह कहना असंगत नहीं कि बंगाल की जमीन पर हिंदू पहचान की राजनीति तेजी से आकार ले रही है और हिन्दू धर्मगुरुओं के स्वर इसे वैचारिक ऊर्ज़ा प्रदान कर रहे हैं। उनका यह कथन कि राम का नाम अनंत है, पर पुरुषार्थ के बिना सिर्फ नाम से रामराज्य नहीं आएगा एक सीधा संकेत है कि हिंदू समाज को संगठित, सक्रिय और आत्मनिर्भर होना होगा। इस व्यापक परिदृश्य का मुख्य केंद्रबिंदु राजनीति है। क्या यह सब आगामी विधानसभा चुनावों का संकेत है? बंगाल की राजनीति लंबे समय से मुस्लिम मतदाताओं की निर्णायक भूमिका के आसपास घूमती रही है और ममता बनर्जी ने मुस्लिम समाज के भरोसे को अपने समर्थन की नींव बनाया है। परंतु यदि हिंदू मतदाता नए सांस्कृतिक उभार से प्रेरित होकर एकजुट होते हैं, तो पहली बार बंगाल की सत्ता-समीकरण बदल सकते हैं। भाजपा और संघ परिवार का प्रयास भी इसी दिशा में है कि धार्मिक सम्मेलनों को राजनीतिक चेतना का मंच बनाकर हिंदू अस्मिता को वैचारिक शक्ति प्रदान करना। भाजपा, आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद और धार्मिक प्रवचनीय हस्तक्षेपों द्वारा बंगाल में हिंदू एकता और पहचान को जागृत करने की रणनीति अपनाई जा रही है। इस राजनीतिक परिपाटी में बाबा बागेश्वर जैसे मंच प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं, धर्म-सम्मेलनों को राजनीतिक चेतना की पाठशाला में बदला जा रहा है। साध्वी ऋतंभरा का बंगाल में सक्रिय होना उसी रणनीति की कड़ी है, क्योंकि उनका सशक्त भाषण हिंदू भावनाओं को झकझोरता है। बंगाल जिसकी पहचान बौद्धिक विनम्रता, कविता, महात्म्य और सहिष्णुता से जुड़ी रही है, वह अब टकराव, ध्रूवीकरण और प्रतिआक्रामकता की ओर बढ़ता दिख रहा है। हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों में भावनात्मक आवेश बढ़ रहा है और नेताओं द्वारा इस माहौल को चुनावी लाभ के लिए साधने की त्रासद कोशिशें तेज हैं। यह परिस्थिति बंगाल के सामाजिक ताने-बाने के लिए चुनौतीपूर्ण है। फिर भी एक बात निर्विवाद है-बंगाल में एक नई चेतना, एक नई आकांक्षा जन्म ले रही है। यह पूर्ण क्रांति है या क्रांति का शंखनाद, यह कहना अभी जल्दबाजी होगा, परन्तु प्रारंभिक संकेत स्पष्ट हैं। हिंदू पहचान की राजनीति बंगाल में निर्णायक होती जा रही है, मुस्लिम वोट-बैंक की राजनीति पहली बार चुनौती में दिखाई दे रही है और ममता बनर्जी की सत्ता को सांस्कृतिक विरोध का नया मोर्चा मिला है। अब यह समय बताएगा कि यह उभार सत्ता बदलता है या सामाजिक संवाद को बदलता है। लेकिन इतना तो तय है कि बंगाल की राजनीति अब केवल विकास, योजनाओं और नेतृत्व की नहीं, बल्कि पहचान, इतिहास और प्रभुत्व की राजनीति बन चुकी है। यही कारण है कि धार्मिक मंचों की आवाज़ें चुनावी मैदान की धड़कन बन रही हैं। बंगाल अपने निर्णायक मोड़ पर खड़ा है-जहाँ राम का दावा और राम की भूमि का संकल्प राजनीति, समाज और भविष्य तीनों को प्रभावित करने वाला तत्व बन चुका है। न केवल मुस्लिम तुष्टिकरण बल्कि भ्रष्टाचार से लेकर मनमर्जी एवं तानाशाही का शासन चलाना मुख्यमंत्री ममता बनर्जी प्रक्रिया बन गयी है। ममता वोट बैंक की राजनीति के लिये कानून की धज्जियां बार-बार उड़ाती रही है। ममता बनर्जी का एकमात्र लक्ष्य मुसलमानों के वोट बैंक को बरकरार रखना रह गया है। मुद्दा चाहे रोहिंग्या मुसलामानों के अवैध प्रवेश का हो या फिर बांग्लादेशियों का या अब बाबरी मस्जिद का। इसके लिए ममता ने देश की एकता-अखंडता और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को नजरअंदाज किया है, कानून से खिलवाड़ जितना पश्चिमी बंगाल में हुआ है उतना शायद ही देश के किसी दूसरे राज्यों में हुआ हो। तृणमूल कांग्रेस हिन्दुओं को पश्चिम बंगाल में सेकेंड क्लास सिटिज़न एवं अल्पसंख्यक बनाना चाहती है। मुस्लिम तुष्टीकरण की उसकी सोच एवं नीति न केवल उनके घोषणा-पत्रों में बल्कि उनके बयानों में स्पष्ट झलकती रही है। ममता ने मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति की है, तृणमूल कांग्रेस का एकतरफा रवैया हमेशा से समाज को दो वर्गों में बांटता रहा है एवं सामाजिक असंतुलन तथा रोष का कारण रहा है। बदले हुए राजनीतिक हालात इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि किसी भी एक वर्ग की अनदेखी कर कोई भी दल राजसत्ता का आनंद नहीं उठा सकता। पश्चिम बंगाल में जो चल रहा है वह महज 'बागेश्वर बनाम बाबरी विवाद' नहीं है, यह सांस्कृतिक-धार्मिक पुनर्स्थापन की कोशिश बनाम राजनीतिक मुस्लिम केंद्रवाद की प्रतिस्पर्धा है। अभी के लिए, बंगाल की जमीन पर धर्म, राजनीति और पहचान का नया त्रिकोण उभर चुका है और वही आने वाले समय में बंगाल की राजनीतिक दिशा, सामाजिक संबंधों और सत्ता के समीकरणों को आकार देगा।

जिला पंचायत अध्यक्ष को झटका, विधायक के खिलाफ लगे आरोप खारिज

- अदालत में सुनवाई के दौरान फर्जी साबित हुए सभी आरोप, प्रकरण किया निरस्त

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। हमेशा विवादों में घिरे रहने वाले जिला पंचायत अध्यक्ष सुनील पटेल को एक बार फिर से जोर का झटका लग गया है। इस बार उन्हें मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में मुंह की खानी पड़ी है और न्यायालय ने उनके द्वारा सदर विधायक व पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सरिता द्विवेदी पर लगाए गए सभी आरोपों को गलत करार देते हुए प्रकरण को निरस्त कर दिया है। सीजेएम ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि जिला पंचायत अध्यक्ष न तो पीड़ित पक्ष है और न ही प्रभावित। ऐसे में संबंधित प्रकरण निरस्त करने योग्य है। जिला पंचायत अध्यक्ष सुनील पटेल मुख्य न्यायिक मजिस्टेट की आदालत में प्रार्थना पत्र देकर वर्ष 2018 से 2020 तक जिला पंचायत अध्यक्ष रहीं सरिता द्विवेदी पर 120 करोड़ रुपए का गबन करने और उनके पति सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी पर कूटरचित हस्ताक्षर कर जिला पंचायत कृषि महाविद्यालय में 11 नियुक्तियां करने का संगीन आरोप लगाया था। मामले के वादी मौजूदा जिला पंचायत अध्यक्ष ने यह भी आरोप लगाया था कि तत्कालीन जिला पंचायत अध्यक्ष के फर्जी हस्ताक्षर करके सदर विधायक ने महाविद्यालय में नियुक्तियां की और लाखों रुपए की आर्थिक क्षति पहुंचाई। अध्यक्ष ने जहां इस मामले को कई बार मीडिया के समक्ष प्रमुखता से उठाया, वहीं मंडलायुक्त से लेकर शहर कोतवाली तक प्रार्थना पत्र देकर मुकदमा दर्ज करने और कानूनी कार्रवाई करने की मांग बुलंद की। कहीं से कोई राहत न मिलने पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने अदालत की शरण ली और सीजेएम न्यायालय में बीएनएस की धारा 175(3) के तहत मुकदमा दर्ज करने का प्रार्थना पत्र दिया। जिस पर

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट थाना कोतवाली नगर से आख्या तलब की और प्रकरण की सुनवाई करते हुए सभी तथ्यों की जांच की और पूरे मामले को गलत मानते हुए निरस्त करने का आदेश सुनाया। अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि आवेदनकर्ता ने बिना किसी साक्ष्य या तथ्य के ही तत्कालीन जिला पंचायत अध्यक्ष व सदर विधायक पर 120 करोड़ रुपए का गबन करने व महाविद्यालय में 11 नियुक्तियों को फर्जी करार देने का आरोप लगाया है।

जबकि आरोपों के संबंध में वह कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सके। ऐसे ही कूटरचित हस्ताक्षर के मामले में तत्कालीन जिला पंचायत अध्यक्ष सरिता द्विवेदी ने दस्तावेजों में किए गए हस्ताक्षरों को अपने दस्तखत बताए और आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। अदालत ने कई मामलों की नजीर प्रस्तुत करते हुए कहा है कि कूटरचित हस्ताक्षरों के जरिए 11 नियुक्तियां व 120 करोड़ के गबन का आरोप अप्रमाणित तथ्यों के आधार पर लगाया है। वहीं आवेदनकर्ता न तो मामले का पीड़ित पक्ष है और न ही प्रभावित। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया है कि आवेदनकर्ता ने तत्कालीन जिला पंचायत अध्यक्ष व सदर विधायक के खिलाफ दबाव बनाने के लिए अप्रमाणित व कपोल तथ्यों के आधार पर शिकायत दर्ज कराई है। अदालत ने पूरे मामले की सुनवाई करते हुए सभी आरोपों को निराधार मानते हुए निरस्त करने का आदेश जारी किया है।

गबन के मामले में खुद दोषी हैं जिला पंचायत अध्यक्ष

सीजेएम कोर्ट में सुनवाई के दौरान तत्कालीन जिला पंचायत अध्यक्ष सरिता द्विवेदी और सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी ने अदालत को बताया है कि मौजूदा जिला पंचायत अध्यक्ष सुनील पटेल स्वयं वित्तीय अनियमिता के मामले में दोषी पाए जा चुके हैं। बताया है कि मौजूदा जिला पंचायत अध्यक्ष को आयुक्त के आदेश पर जिलाधिकारी महोबा की जांच रपोर्ट में दोषी करार दिया जा चुका है। जांचों में दोषी पाए जाने और अपने कार्यकाल के गबन व अपराधों को छिपाने व बेजा दबाव बनाने के लिए ही उनके खिलाफ गलत व तथ्यविहीन शिकायत दर्ज कराई गई है। उन्होंने अदालत से मौजूदा जिला पंचायत अध्यक्ष के खिलाफ की जांचों की रिपोर्ट तलब करने की मांग की है।

इन मामलों को लेकर जिला पंचायत अध्यक्ष गए थे कोर्ट

जिला पंचायत अध्यस्ख सुनील पटेल ने आरोप लगाया था की तत्कालीन जिला पंचायत अध्यक्ष सरिता दिवेदी व सदर विधायक प्रकाश दिवेदी द्वारा 120 करोड़ रुपए का गबन करने व महाविद्यालय में 11 नियुक्तियों को फर्जी करार देने का आरोप लगाया था जिसको लेकर जिला पंचायत अध्यक्ष सुनील कुमार पटेल द्वारा इन आरोपों को कोर्ट ले गए थे जिसमे आरोपों के संबंध में वह कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सके। ऐसे ही कूटरचित हस्ताक्षर के मामले में तत्कालीन जिला पंचायत अध्यक्ष सरिता द्विवेदी ने दस्तावेजों में किए गए हस्ताक्षरों को अपने दस्तखत बताए और आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। अदालत ने कई मामलों की नजीर प्रस्तुत करते हुए कहा है कि कूटरचित हस्ताक्षरों के जरिए 11 नियुक्तियां व 120 करोड़ के गबन का आरोप अप्रमाणित तथ्यों के आधार पर लगाया है।

क्या कहते हैं जिला पंचायत अध्यक्ष सुनील कुमार पटेल बांदा

जब हमारे द्वारा जिला पंचायत अध्यक्ष के मोबाइल पर इनका पक्ष लेने के लिए कॉल की गयी तो पहले इनका मोबाइल व्यस्त जाता रहा और जब घटनी गयी तो इन्होने खबर लिखने तक कॉल रिसीव नही किया।

सिमौनी धाम के विशाल मेला में भंडारा की तैयारियां जोरों पर

बांदा। मौनी धाम में दिसंबर माह में आयोजित होने वाले विशाल मेला में भंडारा की तैयारियां जोरों से चल रही है साफ सफाई व्यवस्था में सफाई कर्मी जुटे हुए हैं और मौनी धाम सहित प्रसाद प्रांगण को सजाने सवारने रंगाई पुताई का कार्य प्रारंभ हो गया है मौनी धाम में विगत वर्षो की भांति इस वर्ष 15 दिसंबर से लेकर 17 दिसंबर तक विशाल भंडारे का आयोजन अवधूत महाराज द्वारा संपन्न कराया जाता है भंडारा एवं मेले की तैयारियों के लिएसमदानी व प्रशासनिक अमलालगा हुआ है पर्यटन स्थल रामलीला व नाटक मंचन प्रांगण व मधुबन की साफ सफाई के लिए सफाई कर्मी तैनात किए गए हैं पर्यटक स्थल में 15 दिसंबर से खेलकूद की प्रतियोगिता होगी रामलीला व नाटक प्रांगण में देश प्रदेश के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा दिन में नाटक एवंरात में रामलीला का मंचन करेंगे भंडारा प्रांगण की साफ-सफाई एवं रंगाई पुताई का कार्य तेजी से चल रहा हैजहां एक साथ 10 हजार श्रद्धालुओं को पंगत में बैठाकर खिलाने का इंतजाम रहता है मधुबन में देश देशांतर के आश्रम से आने वाले साधु सन्यासियों केठहरने के लिए व्यवस्था की जा रही है।

मजदूरों की असली गुलामी तब शुरू होती है जब वे अपने हक के लिए सवाल करना बंद कर दें : दल सिंगार

- देश में करीब 65 करोड़ असंगठित मजदूर हैं

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। असंगठित मजदूर मोर्चा की प्रदेश स्तरीय जन संगोष्ठी रविवार को शहर के महोखर बाईपास स्थित जमुनी पुरवा में एक मैरिज लॉन में संपन्न हुई। कार्यक्रम में सैकड़ों असंगठित मजदूर जुटे। जिला अध्यक्ष ज्ञानेश्वर प्रसाद की अध्यक्षता एवं अरविजय प्रसाद के संचालन में चले इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष दल सिंगार ने कहा, ल्लमजदूरों की असली गुलामी वहीं से शुरू होती है, जहां से वह अपने हक और अधिकार के लिए सवाल-जवाब बंद कर देता है।उन्होंने बताया कि देश में करीब 65 करोड़ असंगठित मजदूर हैं और 93 प्रतिशत आबादी प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से असंगठित क्षेत्र से होने वाली आय पर निर्भर है। मानव तस्करी और बंधुआ मजदूरी के 90 प्रतिशत शिकार दलित-आदिवासी समुदाय के लोग हैं।

दल सिंगार ने कहा, ल्लदेश का असली निर्माता मजदूर है। हमें एकजुट होकर वंचितों के सर्वांगीण विकास में अपनी भूमिका निभानी होगी। राष्ट्रीय महामंत्री वर्षा भारती ने खासकर असंगठित क्षेत्र की महिलाओं से गुलामी छोड़कर अपने हक-अधिकारों के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया। संगठन के संस्थापक सदस्य प्रमोद आजाद ने कहा कि संगठन के निरंतर प्रयासों से मजदूरों में जागरूकता बढ़ी है और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है। उन्होंने बुंदेलखंड में बढ़ते पलायन पर चिंता जताते हुए सरकार से क्षेत्र में उद्योग-धंधे लगाने की मांग की। कार्यक्रम में भारतीय सामाजिक सेवा संस्थान के शिवकुमार,प्रभात संस्था अध्यक्ष राजाराम यादव, भारतीय जनता मजदूर संघ के डॉ. पी.एन. वर्मा,युवा बुंदेलखंड कल्याण संगठन के अशोक कुमार शर्मा सहित कई समाजसेवियों व मजदूर नेताओं ने अपने विचार रखे।

शीतलहरी एवं ठंढ से बचाव के लिए डीएम ने जारी की एडवाइजरी

- डीएम ने कहा जो एडवाइजरी जारी की गयी है उसका करें पालन और जारी किये हेल्प लाइन नंबर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। भारत सरकार मौसम विज्ञान विभाग आईएमडी के अनुसार इस वर्ष दिसम्बर से फरवरी तक तापमान अति न्यून होने की जानकारी दी गई है जो अब दिसम्बर के प्रथम सप्ताह के समापन तक यथार्थ होते दिख रही है। इन मौसम घटनाओं को अवलोकन कर बांदा जनपद की जिलाधिकारी जे. रीभा ने जनपद में ठंढ से होने वाली स्वास्थ्य सम्बंधित समस्याओं जैसे हाइपोथर्मिया, निमोनिया,सर्दी, जुकाम त्वचा फटना, हार्ट सम्बन्धी बिमारियों से बचाव हेतु असहाय, आर्थिक कमजोर,और जरूरत मन्दो को शीत से बचाने हेतु जारी की चेतावनी। डीए ने शीत लहर से बचाव के तरीके बताते हुए कहा कि कई परतों वाले गरम कपड़े पहनें। सिर, कान, हाँथ, एवं पैर अच्छी तरह ढकें।अधिकतर शरीर की गर्मी सिर एवं पैरों से निकलती है। गर्म मोजे दस्ताने, टोपी, स्कार्फ जरूरी है। गीले कपड़े शरीर से तुरंत बदले। गीले कपडों से शरीर का तापमान तुरन्त गिरता है। कमरों को बंद रखें।परन्तु थोडा वेंटिलेशन दें। ताकि दम घुटने की समस्या ना हो। हीटर या अंगीठी चलाते समय कमरे में वेंटिलेशन हो ताकि कार्बन मोनोआक्साइड का खतरा उत्पन्न ना हो।बुजुर्गों, बच्चों, एवं बीमार लोगों को गर्म रखें। गर्म भोजन करें जैसे दलिया, सूप, खिचड़ी, चाय, दूध। पर्याप्त पानी पियें। सर्दी में प्यास कम लगती है। लेकिन पानी नहीं पीने पर शरीर में पानी की कमी हो सकती है। तैलीय एवं भारी भोजन कम करें। पौष्टिक वा विटामिन समृद्ध भोजन ही लें। आवश्यकता होने पर ही बाहर निकलें।ठण्डी हवाओं से बचने के लिए स्कार्फ का प्रयोग करें। फिसलन भरी जगहों में सावधानी से चलें। शरीर को ज्यादा देर तक ठण्ड के सम्पर्क में ना रखें। बीच बीच में गर्म स्थान पर जाएं। सुबह व रात में कोहरा/धुंध पर गति धीमी रखें। हेडलाइट/ फाग लाइट का सही उपयोग करें। वाहन की बैटरी, टायर, और ब्रेक की जांच रखें।ठण्ड में गाडियां कभी कभी स्टार्ट होने में समय लेती है। हाइपोथर्मिया के लक्षण पहचानें- कंपकंपी, कमजोरी, भ्रम, धीमी सांसलेना। त्वचा फटने से रोकने के लिए माइस्चराइजर का प्रयोग करें। जरूरत पडने पर डाक्टर से तुरन्त सम्पर्क करें। जिसको अस्थमा, दिल की बीमारियां या आर्थराइटिस है वे विशेष सावधानी रखें। ग्रमीण जन एवं प्रिय कृषक भाइयों सुबह शाम अत्यंत ठण्ड में काम से बचें। फसलों में पाले के प्रभाव को कम करने हेतु सिंचाई और पाले से बचाव के तरीकों का प्रयोग करें। शीत लहर से बचाव हेतु कुमार धर्मेन्द्र अपर जिलाधिकारी ने कहा कि रेडियो, दूरदर्शन, शोशलमीडिया, पत्र, अखबार से दी गई चेतावनियों का अक्षरशः पालन करने की अपील की। और सडक पर रहने वाले लोगों, बुजुर्गों,पालतू जानवरों की सुरक्षा का ध्यान रखें और पालतू जानवरों की सुरक्षा का ध्यान रखें। पड़ोसी, असहाय एवं असमर्थ लोगों की मदद करें।जिला आपदा विशेषज्ञ डॉ0 प्रभाकर सिंह ने जनपद वासियों को जिलाधिकारी महोदया एवं शीत से बचाव की चेतावनियों का पालन करने का आग्रह किया है।और शीत से बचने हेतु, जिला प्रशासन/नगर निकाय द्वारा बनाए गए रैन बसेरे में रात्रि बिताने हेतु सलाह दिया, तथा खुले में ना रहने की अपील की। ध्यातव्य हो कि जनपद में समस्त तहसीलों परिसरों में तथा नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायतों द्वारा कुल तेरह विभिन्न क्षमताओं वाले रैन बसेरों का संचालन किया जा रहा है।प्रत्येक रैन बसेरे में हर प्रकार की जैसे स्वच्छ जल, पृथक सौंचालय, साफ सफाई, विस्तर बिछौना, केयर टेकर सुरक्षा का प्रबंध किया गया है। कहीं भी आकस्मिक शीत प्रभाव से घटना घटित हो तो मदद हेतु जिला आपदा कंट्रोल रूम में 05192-285260 या टोल फ्री नम्बर 1070,1077 या 112 मोबाइल नंबर-9454441081, 9452662412 पर काल कर सूचना दें। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण जिलाधिकारी कार्यालय जनपद बाँदा द्वारा जनहित में जारी। आपकी सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है।

पंचायती राज द्वारा पांच दिवसीय विजिट में महाराष्ट्र में सीख रहे प्रधान विकास के तरीके

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पुरवा, उन्नाव। पंचायती राज द्वारा ग्राम पंचायत का आधुनिक तरीके से विकास करने के लिए प्रदेश के चुनिंदा ग्राम प्रधानों को महाराष्ट्र की मॉडल ग्राम पंचायत में भेज कर आधुनिकीकरण और विकास के नए तरीके सीखने के लिए भेजा गया है।

इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण में उन्नाव के भी तीन ग्राम प्रधान और एक सचिव को मौका मिला है। प्रदेश से 29 लोगों को इसमें शामिल कर महाराष्ट्र के मॉडल ग्राम पंचायत में ले जाकर वहां के तौर तरीके सिखाए जा रहे।जिससे यूपी के ग्राम पंचायत में भी ग्राम विकास का कार्य गुणात्मक रूप से कर सके। उन्नाव के विकास खंड पुरवा के ग्राम प्रधान अरविंद सागर ने बताया कि यहां पर सभी के ठहरने की बहुत ही अच्छी व्यवस्था की गई है। खाने-पीने रहने और आने-जाने के लिए सरकार द्वारा सब कुछ किया जा रहा है। यहां पर हम लोग विभिन्न ग्राम पंचायत का दौरा कर यहां की आधुनिक तौर से डेवलपमेंट की बाते सीख रहे हैं।

वादकारियों की सहूलियत के लिए चकबंदी अधिकारी का न्यायालय अब भूतल पर

उन्नाव। डिप्टी कलेक्टर/बंदोबस्त अधिकारी (चकबंदी) रामदेव निषाद ने बताया कि जिलाधिकारी गौरांग राठी के निर्देश पर चकबंदी अधिकारी अन्तिम अभिलेख उन्नाव का न्यायालय, जो अब तक कलेक्ट्रेट की दूसरी मंजिल स्थित कक्ष संख्या 57 में संचालित था, उसे आमजन की सुविधा के लिए भूतल पर स्थानांतरित कर दिया गया है। अब यह न्यायालय कलेक्ट्रेट के भूतल स्थित कक्ष संख्या 16 से संचालित होगा। नए न्यायालय कक्ष का शुभारंभ अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व सुशील कुमार गोंड ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वादकारियों को आने-जाने में हो रही असुविधा को देखते हुए न्यायालय को भूतल पर लाया गया है, जिससे लोगों को त्वरित और सहज सेवा प्राप्त हो सकेगी। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) विधेश, नगर मजिस्ट्रेट राजीव राज, सहायक अभिलेख अधिकारी प्रशांत नायक, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष गिरीश कुमार मिश्रा, मंत्री अनुज कुमार बाजपेयी सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं अधिवक्ता मौजूद रहे।

संविधान दिवस पर अधिवक्ता परिषद की गोष्ठी संपन्न

- संवैधानिक मूल्यों को जीवन में उतारने पर जोर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। अधिवक्ता परिषद अवध, उन्नाव जिला द्वारा संविधान दिवस पर आधारित गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें संविधान और संवैधानिक मूल्यों पर विस्तृत चर्चा हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उन्नाव के सचिव एवं अपर जिला जज मनीष निगम थे। उन्होंने कहा कि संविधान के मूल्य उसकी उद्देशिका में निहित हैं। संवैधानिक मूल्यों को जीवन में अपनाकर ही संविधान के उद्देश्यों को सफल बनाया जा सकता है। उन्होंने समानता, समता, समरसता और लैंगिक न्याय जैसे मूल्यों पर जोर दिया। मुख्य वक्ता अधिवक्ता परिषद प्रदेश महामंत्री मीनाक्षी सिंह परिहार ने कहा कि अधिवक्ता परिषद का गठन समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुँचाने, कानूनी मार्गदर्शन देने तथा विधि की समानता स्थापित करने के उद्देश्य से किया गया है। उन्होंने बताया कि परिषद में कानूनविद, रिटायर्ड जज, विधि वेत्ता और विधि छात्र सभी मिलकर कार्य करते हैं।

उन्नाव बार एसोसिएशन के अध्यक्ष गिरीश मिश्रा ने अधिवक्ताओं की समस्याओं एवं संघर्षों पर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता बताई। बार के महामंत्री ने संवैधानिक मूल्यों पर अपनी बात रखी। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेश द्विवेदी ने की, जबकि आभार ज्ञापन बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष प्रीति सिंह ने किया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से आर.बी. सिंह परिहार, समीर सिंह, नेहा, ज्योति तिवारी, पवन अवस्थी, राधेश्याम, लक्ष्मी शंकर अवस्थी, राजीव अवस्थी, अनुराग सैनी, संतोष पाल, दिव्यांश प्रताप सिंह, आकाश कश्यप, रजनीश सहित अनेक अधिवक्ता मौजूद रहे।

कार्यक्रम में अधिवक्ता परिषद की नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई, जिसमें अध्यक्ष मनीष कुमार, महामंत्री अनिरुद्ध दीक्षित, उपाध्यक्ष संतोष एडवोकेट, विनय शुक्ला, अच्छे लाल गौतम और विभूम शुक्ला, कोषाध्यक्ष सौरभ गुप्ता, मंत्री देवांग, ज्योति अवस्थी और आलोक चौहान तथा सदस्य आलोक शुक्ला, विकास बाजपेई, रेखा वर्मा, आशीष त्रिपाठी, कपिल अग्निहोत्री, रजनीश रावत, ज्ञानेंद्र पांडे, योगेंद्र सिंह यादव, अनुराग खरे, दुर्गा प्रसाद सिंह, आलोक श्रीवास्तव, धर्मेंद्र सिंह चौहान, विनय सिंह, जंग बहादुर सिंह, शिव किशोर द्विवेदी और जगन्नाथ कुशवाहा शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

रैगिंग के मामले में द्वितीय वर्ष के छात्रों पर पांच हजार का अर्थदंड व एक माह का निलंबन

कौशाम्बी। स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, कौशाम्बी में प्रथम वर्ष 2025 के छात्रों की रैगिंग से संबंधित शिकायत दिनांक 30.11.2025 को एन्टी रैगिंग सेल नई दिल्ली से प्राप्त हुई। उक्त शिकायत को संज्ञान में लेते हुए महाविद्यालय में गठित एन्टी रैगिंग कमेटी द्वारा विस्तृत जांच की गयी। जांच में यह पाया गया कि द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा प्रथम वर्ष के छात्रों की रैगिंग की गई थी। प्रकरण की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए तथा संस्था में अनुशासन बनाए रखने एवं भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के उद्देश्य से एन्टी रैगिंग कमेटी की अनुशंसा पर संबंधित द्वितीय वर्ष के छात्रों पर 5000 रुपये का अर्थदंड व एक माह के लिए निलम्बित किया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए चिकित्सा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. हरिओम ने कहा कि संस्थान में रैगिंग के प्रति ज़ीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाती है और किसी भी प्रकार की रैगिंग पर कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

मरहला चौराहा ग्रीन एरिया से अवैध अतिक्रमण हटाया, पालिका का बुलडोजर चला

शुक्लागंज, उन्नाव। नगर पालिका ने मंगलवार को मरहला चौराहा क्षेत्र में ग्रीन एरिया से अवैध अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्रवाई की। सार्वजनिक शौचालय के पास टिनशेड, टट्टर और गुमटी रखकर बनाई गई अवैध दुकानों पर पालिका का बुलडोजर गरजा।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा की मासिक बैठक हुई संपन्न

बांदा। पूर्व की भांति अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा बांदा की मासिक बैठक माह के प्रथम महासभा बांदा के कार्यालय पंचवटी आश्रम साहब तालाब के सामने जेल रोड बांदा में महासभा के अध्यक्ष श्री रामसिंह कछवाह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, बैठक की परम्परा के अनुसार सर्व प्रथम मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम, उनके अनन्य भक्त श्री हनुमान जी महराज एवं क्षत्रिय कुल भूषण महाराणा प्रताप महराज की प्रतिमाओं में माल्यार्पण एवं चन्दन वन्दन के साथ आरती की गई, तत्पश्चात प्रार्थना इतनी शक्ति हमें देना दाता,मन का विश्वास कमजोर हो न करके बैठक प्रारंभ की गई, परम्परा के अनुसार ही उपस्थित आत्मीय बन्धुओं का परिचय प्राप्त किया गया।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-टेंडरिंग निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत इन्जीनियर (टीआरएस) लोको शेड, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निविदा सूचना सं.: MIDBL/IZN/TC/OT/109 के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्य के लिए सिंगल पैकेट सिस्टम के आधार पर खुली ई-निविदा आमन्त्रित की जाती है-

कार्य का नाम: रिपेयरिंग एण्ड ओवरहालिंग / रिहैबिलीटेशन ऑफ IRAB 9/10 न्यूमेटिक ड्राई प्लेट पैनल ऑफ कन्वेन्शनल इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्स ऑफ लोको शेड, इज्जतनगर। कार्य की अनुमानित कुल लागत (रू में): ₹ 47,48,458.00 सभी कर सहित, अर्नेस्ट मनी / बिड सिक्योरिटी (रू में): ₹ 95,000.00, कुल मात्रा – 11 अदद, निविदा प्रपत्र का मूल्य रुपये 0.00 (शून्य), कार्य की अवधि – 12 माह। ई-निविदा बंद होने की तिथि एवं समय: दिनांक 02.01.2026 को समय 15.00 बजे। निविदाकार ई-निविदा को दिनांक 02.01.2026 को समय 15.00 बजे तक ऑनलाईन जमा कर सकेंगे। पूर्ण विवरण एवं ई-निविदा को प्रस्तुत करने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत इन्जीनियर (टीआरएस) पूर्वोत्तर/विद्युत-204 लोको शेड,इज्जतनगर

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

निविदा सं.	खुलने की तिथि	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	वेबसाइट
96256530	08.01.2026	सप्लाई, इंस्टालेशन, कमीशनिंग एवं परीक्षण ऑफ औद्योगिक वॉटर एसाइटेटर 120kg/hr	05 नं.	www.ireps.gov.in

वरि. मंडल सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, लखनऊ

पत्रांक: Sr. DMM/NR/TENDER/AT/LKO/2025-26 दिनांक: 09.12.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

सीडीओ कृति राज की पहल पर 'ड्रीम वॉल'

गाँव की बालिका शिक्षा को मिला नया आसमान

- बालिकाओं के सपनों को मिला नया कैनवास दीवार पर लिखी किस्मत की इबारत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव, मुख्य विकास अधिकारी कृति राज के निर्देश पर जनपद के विद्यालयों में शुरू की गई ल्लड्रीम वॉलङ्क पहल अब ग्रामीण बालिकाओं के आत्मविश्वास, संकल्प और उपलब्धियों की नई पहचान बन रही है। विकास खंड औरास के उच्च प्राथमिक विद्यालय रामपुर गढ़ौवा में बनी यह दीवार अब केवल विद्यालय की शोभा नहीं, बल्कि गाँव की बेटियों के सपनों और भविष्य की जीवंत प्रतीक बन चुकी है।

दीवार पर अंकित प्रेरक संदेश ल्लक्ष्ह ऋह्न ख्रड्ड क्ट्क्ड्ख, क्रंख्रख क्क्एत्रक्क डक्क्ष्टव ऋक्क क्ट्ग्ख्र क्क्ष्टक्ङ्क बालिकाओं को लक्ष्य के प्रति समर्पण और आत्मनिर्भरता की सीख दे रहा है। बच्चियाँ अपने-अपने सपनों को काग़ज़ों पर उकेरकर ड्रीम वॉल के पास खड़े होकर फोटो खिंचवा रही हैं। यही बच्चियाँ आज पढ़ाई, खेल और सहगामी गतिविधियों में लगातार नए कीर्तिमान और आयाम स्थापित कर रही हैं। खुशी व उपासना ने एथलीट बनकर देश का नाम रोशन करने का सपना देखा है, सानिया, कोमल, दीपाली व समरीन शिक्षिका बनकर समाज गढ़ना चाहती हैं, ज्योतिका और मोहिनी ने फौज में जाकर देश सेवा का लक्ष्य तय किया है, जबकि कुछ दिव्यांशी क्रिकेट को तो, मिलन नर्सिंग को अपना भविष्य मान चुकी हैं। शिक्षक प्रदीप वर्मा के मार्गदर्शन में बच्चियों को यह विश्वास दिलाया गया कि ल्लसपना तब सच बनता है जब वह हमारी ज़िद बन जाए।ङ्क विद्यालय परिवार और अभिभावकों के सहयोग से यह अभियान जनांदोलन का स्वरूप ले रहा है। बच्चियाँ जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, पूर्व बीएसए संगीता सिंह तथा वर्तमान बीएसए के प्रयासों से प्रेरित हो रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बालिका शिक्षा व सशक्तिकरण को लेकर दिए गए संदेश और सरकार की योजनाएँ इस पहल को राष्ट्रीय संबल प्रदान कर रही हैं। ड्रीम वॉल अब उम्मीद, आत्मविश्वास और नए भारत की बेटियों की उड़ान का सशक्त प्रतीक बन चुकी है। बेटियों के सपनों को सजाने में विद्यालय परिवार के प्रदीप, शाहे खुबा, इंद्रपाल और शशि देवी ने प्रेरणा दी।

तीन दिवसीय सनातन धर्म सत्संग का भव्य समापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सफीपुर। कस्बे के भगवती चरण वर्मा पार्क में आयोजित तीन दिवसीय सनातन धर्म सत्संग समारोह का सोमवार देर रात संत-महात्माओं के सुभाषीष के साथ सफलतापूर्वक समापन हो गया। यह 73वाँ भव्य आयोजन रहा, जिसमें तीनों दिन नगर वेद-मंत्रों की गूंज और भक्ति रस में सराबोर रहा। दूर-दूर से आए संत, विद्वान व प्रवचक विविध कथाओं व प्रेरक प्रसंगों के माध्यम से श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ज्ञान की गंगा में अवगाहन कराते रहे।

प्रतापगढ़ से पधारे दंडी स्वामी आनंदाश्रम महाराज ने आत्मा और परमात्मा के दार्शनिक संबंध पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ल्लसंसार ब्रह्ममय है, सर्वत्र उसी की सत्ता है, परंतु उसे देखने के लिए आत्मज्ञान आवश्यक है।ङ्क उन्होंने बताया कि जगत की आसक्ति में डूबे रहने से परमात्मा का साक्षात्कार संभव नहीं। हरिओम बाजपेई ने भगवान श्रीराम की महिमा का वर्णन किया, वहीं अध्यक्षता कर रहे स्वामी रामस्वरूप ब्रह्मचारी ने जीवन शैली की पवित्रता पर बल देते हुए बच्चों को संस्कारित बनाने की अपील की। प्रवचकों में प्रह्लाद त्रिपाठी, अभिषेक मिश्रा, राजन त्रिवेदी, हेमंत रामायणी और बालानंद ब्रह्मचारी ने भावपूर्ण प्रवचन दिए।

समारोह के संयोजक राजू स्वर्णकार ने सभी संत-मनीषियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

लखीमपुर खीरी में शुरू हुआ हाई-टेक एडीटीसी

स्मार्ट ड्राइविंग का नया अध्याय, डीएम ने किया लोकार्पण

- खीरी को मिली बड़ी सौगातः प्रदेश का 21वां हाई-टेक एडीटीसी शुरू
- डीएम ने छात्रों के लिए एडीटीसी में 25% छूट की घोषणा, स्मार्ट ड्राइविंग अब सस्ती और सुलभ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश में स्मार्ट ड्राइविंग ट्रेनिंग का नक्शा आज बदल गया और इस बदलाव का केंद्र बना लखीमपुर खीरी। प्रदेश का 21वां जनपद होने का गौरव पाने वाले खीरी ने अब एक और उपलब्धि जोड़ ली है। जिले में अत्याधुनिक ड्राइविंग टेस्ट और प्रशिक्षण पूरी तरह तकनीक आधारित युग में प्रवेश कर गया। जिले की ड्राइविंग दुनिया में मंगलवार का दिन ऐतिहासिक हो गया। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने सीडीओ अभिषेक कुमार संग प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केन्द्र (ADTC) का लोकार्पण किया और शिलापट का अनावरण होते ही कार्यक्रम स्थल तालियों से गूंज उठा। यह केंद्र किसी आम ट्रेनिंग सेंटर जैसा नहीं, बल्कि अत्याधुनिक तकनीक से सजा ड्राइविंग का स्मार्ट गुरुकुल है। मौके पर एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, प्रशिक्षु आईएएस मनीषा धार्वे, एआरटीओ शांति भूषण पांडे और केंद्र के एमडी डॉ. कौशल कुमार वर्मा मौजूद रहे।

लोकार्पण के बाद डीएम ने अधिकारियों संग पूरे सेंटर का भ्रमण किया। सेंसर बेस्ड ट्रैक, सिमुलेटर मशीनें, ऑटोमेटेड टेस्टिंग सिस्टम सब देखकर डीएम ने केंद्र के संचालन की विस्तृत जानकारी ली और कहा कि इससे ड्राइविंग लाइसेंस प्रक्रिया में पारदर्शिता और तकनीकी दक्षता दोनों को नया आयाम मिलेगा।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन से हुई इसके बाद बच्चों ने सरस्वती वंदना, स्वागत गीत और सड़क सुरक्षा पर आधारित शिक्षाप्रद नाटक प्रस्तुत किया। बच्चों की प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया।

डीएम ने महिलाओं, बालिकाओं और सफाई कर्मियों को निःशुल्क हेलमेट वितरित किए और कहा कि सड़क सुरक्षा कोई कागजी अध्याय नहीं, जीवन की दृढ़ प्रतिज्ञा है। ADTC सुरक्षित ड्राइविंग संस्कृति को नई दिशा देगा।

जिम्मेदार ड्राइवर तैयार करेगा नया ADTC : डीएम

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि प्रत्यायन चालन प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना जिले के लिए एक बड़ी सौगात है, क्योंकि यहां ड्राइविंग प्रशिक्षण पूरी तरह आधुनिक तकनीक पर आधारित होगा। अब ड्राइविंग टेस्ट मशीनें लेंगी, इंसान नहीं। इससे प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय बनेगी। टेस्ट पास होना अब किसी 'सिफारिश' से नहीं, आपकी वास्तविक क्षमता से तय होगा। यह केंद्र सिर्फ लाइसेंस दिलाने का स्थान नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक तैयार करने का संस्थान है। सेंटर में प्रशिक्षण के दौरान यातायात नियम, सड़क सुरक्षा, तकनीकी दक्षता और आपातकालीन स्थिति में वाहन संचालन को विशेष रूप से सिखाया जाएगा। डीएम ने सभी से अपील करते हुए कहा कि जिला प्रशासन आपकी सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। लेकिन सुरक्षित सड़कों का निर्माण तभी संभव है जब हर नागरिक नियमों का सम्मान करे। आज हम सब मिलकर सुरक्षित और जागरूक खीरी बनाने का संकल्प लें। सीडीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि इस केंद्र में सड़क सुरक्षा नियम,ट्रैफिक अनुशासन, इमरजेंसी हैंडलिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह केवल ड्राइविंग सेंटर नहीं, बल्कि सुरक्षित नागरिक गढ़ने की कार्यशाला है। एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि ADTC की शुरुआत जिले में ड्राइविंग प्रशिक्षण को नए मानक देगी। उन्होंने बताया कि ऑटोमेटेड टेस्टिंग सिस्टम से ड्राइविंग कौशल का मूल्यांकन अब पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और तकनीक आधारित होगा। एआरटीओ शांति भूषण पांडे ने कहा कि ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्ट पूरी तरह निष्पक्ष है। न कोई पक्षपात, न कोई मानवीय भूल वाहन की हर हरकत सेंसर खुद रिकॉर्ड करता है।

डीएम ने स्टूडेंट्स के लिए छूट की घोषणा

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने ADTC में स्टूडेंट्स के लिए 25% छूट की घोषणा कर जिले में स्मार्ट ड्राइविंग प्रशिक्षण को और सुलभ बनाया। उन्होंने बताया कि ड्राइविंग ट्रेनिंग और टेस्टिंग का सरकारी शुल्क ?6,000 तय है, जिसे छात्रों के लिए ?4,500 किया जाएगा। डीएम ने इस पहल को युवाओं को जिम्मेदार, दक्ष और सुरक्षित ड्राइवर बनाने की दिशा में अहम कदम बताया।

गन्ना वापस किए जाने पर किसान संगठन में नाराज़गी, मिल प्रबंधन को चेतावनी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। किसानों के गन्ने को चीनी मिल द्वारा पर्ची के बावजूद वापस किए जाने पर राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन में आक्रोश बढ़ गया है। संगठन के जिला अध्यक्ष अंजनी दीक्षित ने इस मामले में गंभीर नाराज़गी व्यक्त करते हुए इसे किसानों के साथ अन्याय बताया है। अंजनी दीक्षित ने कहा कि बजाज चीनी मिल गोला द्वारा कुछ किसानों का गन्ना वापस किया जा रहा है, जबकि खेतों में खड़े गन्ने की सर्वे रिपोर्ट चीनी मिल और गन्ना विकास समिति द्वारा हर वर्ष तैयार कराई जाती है। सर्वे में उपलब्ध प्रजाति के अनुसार ही किसानों के सट्टे बनाए जाते हैं और पर्चियां जारी होती हैं, ऐसे में किसान दोषी कैसे हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी किसान के पास अस्वीकृत प्रजाति का गन्ना है तो उसे अस्वीकृत श्रेणी में खरीदने का प्रावधान है। क्षेत्र का आवंटन गन्ना विकास विभाग और गन्ना आयुक्त द्वारा किया जाता है, इसलिए पर्ची पर मिल गेट तक पहुंचे गन्ने को वापस भेजना अनुचित है। किसान नेता ने बताया कि एक ट्रॉली गन्ना सप्लाई करने में लगभग ?8000 का खर्च आता है, जिसे किसान कर्ज लेकर पूरा करता है। दूसरी ओर गेहूं और सरसों की बुवाई के लिए खेत खाली करना भी किसानों की मजबूरी है। इसलिए, मिल प्रबंधन का यह रवैया किसानों की तकलीफ़ बढ़ाने वाला है। दीक्षित ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसानों का गन्ना वापस किया गया तो भविष्य में किसान यहां सप्लाई करने से पीछे हट सकते हैं। उन्होंने कहा कि मिल प्रबंधन गन्ने का भुगतान समय से सुनिश्चित करे, अन्यथा इसके परिणामों के लिए वही जिम्मेदार होंगे। उन्होंने बताया कि किसानों की परेशानी संबंधी शिकायत नेट मीडिया और ट्विटर के माध्यम से शासन तक भेज दी गई है।

बाइक सवार युवक की मौत, अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर

अजान खीरी। थाना हैदराबाद क्षेत्र के ग्राम बगचन स्टेट हाइवे के पास एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही थाना हैदराबाद प्रभारी निरीक्षक सुनील मलिक मय हमराहियों के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और आनन फानन में युवक को एम्बुलेंस से गोला सीएचसी भेजवाया गया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक युवक की पहचान भीरा थाना क्षेत्र के ग्राम चौखड़ा निवासी राजीव पाण्डेय के 30 वर्षीय पुत्र राहुल के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, राहुल शाम को गोला के ऊंची भूड़ स्थित अपने ताऊ के घर से मोहम्मदी जाने के लिए निकला था। घटना स्थल पर वह अपनी बाइक के साथ सड़क किनारे पड़ा मिला। चिकित्सक ने बताया कि जब उसे अस्पताल लाया गया, तब भी हेलमेट उसके सिर पर ही लगा हुआ था और उसके मुंह से खून बह रहा था।

पुलिस का अनुमान है कि टक्कर सीधे सीने पर लगी होगी। डॉक्टरों द्वारा राहुल को मृत घोषित किए जाने के बाद ही उसके सिर से हेलमेट हटाया गया। पुलिस ने राहुल के परिजनों को सूचना दी गई, जिसके बाद वे मौके पर पहुंचे।

प्रधान ने दबंगई से कई किसानों की जमीन जोत कर किया खेतों पर अवैध कब्ज़ा

- पीड़ित किसानों ने जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक से लगायी न्याय की गुहार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। तहसील धौरहरा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम जंगल सुजानपुर मे प्रधान ने कई किसानों की जमीन जोतकर अवैध कब्जा कर लिया है, जिसकी शिकायत किसानो ने तहसील मे उपजिलाधिकारी से की किन्तु अभी तक कोई कार्यवाही नही की गयी किसानों ने परेशान होकर शिकायती पत्र लेकर जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और जिलाधिकारी को शिकायती पत्र दिया तत्पश्चात किसानों ने पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगायी है मामला जनपद खीरी के तहसील धौरहरा स्थित ग्राम जंगलपुर का है जहाँ किसानों ने बताया कि ग्राम प्रधान ने हमारी फसल को जोतकर जबरन खेत की मेड जोतकर अवैध कब्जा कर लिया है। अच्छेलाल पुत्र सोहनलाल,राधेश्याम पुत्र सोहनलाल, अफसर पुत्र सरीफ,उत्तम पुत्र हीरालाल, अवधराम पुत्र तुसली,जीमल पुत्र वसीर निवासी ग्राम कुरतहिया मजरा जंगल सुजानपुर तहसील धौरहरा ने बताया कि राजश्व मे हमारे नाम से गाटा संख्या 758, 739, 760, 761, 740, 733, 737, 738 भूमि अभिलेख मे हमारे नाम पर दर्ज है जिस पर प्रधान ने किसानो कि फसल जोतकर अवैध कब्जा कर लिया है किसानों ने बताया कि पूर्व मे खेत की पैमाइश को लेकर हम लोगो ने एकत्रित होकर तहसील मे प्रार्थना पत्र दिया जिसपर संज्ञान लेकर तहसीलदार ने टीम गठित करके मौके पर जाकर 15/07/2025 को किसानों को कब्जा दिलवाया गया था जिसका सहमति पत्रक भी किसानो के पास मौजूद है,उसके पश्चात किसान खेतों मे फसल बोकर काटते रहे किन्तु इस बार जब किसानों ने गेहूं व सरसों की फसल बोई तो किसानो के विपक्षी रहे ग्राम प्रधान रामदृश्य,

रामप्रवेश, रामचंद्र पुत्रगण बीगन व भोला पुत्र रामदृश्य व गुड्डू पुत्र पारसनाथ, खरपत्तु व भूरा पुत्र बाहिर, किशोरी पुत्र लालवचन, निवासी ग्राम मोटेबाबा मजरा रामनगर बगहा व हंसराज व वंशराज पुत्र बनबारी,सरवरन पुत्र सधारी निवासी रामापुर रेतिया ने 24.11.2025 को शाम के समय नाजायज हथियारों से लेस होकर 11 ट्रैक्टरों के साथ आये और दबंगई व गुंडई से जबरन खेतो को जोतकर अवैध कब्जा कर लिया किसानो ने बताया कि जब उन्होंने इसका विरोध किया और ऐसा करने से रोका तो उन्हे जान से मारने की धमकी भी दी गयी किसानो ने जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देते हुए कार्यवाही की मांग की है और कहा है कि उक्त दोषियों पर कार्यवाही करके भूमि से अवैध कब्जा हटवाकर उनकी जमीन वापस दिलवाने की मांग की है।

मितौली में विधायक खेल स्पर्धा का सफल आयोजन, खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मितौली खीरी। युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग के तत्वावधान में ग्राम कचियानीपुरवा के खेल मैदान पर विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन बड़े उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी मधुसूदन गुप्ता ने फीता काटकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में खण्ड विकास अधिकारी अमित सिंह परिहार तथा मितौली और बबोना के ग्राम प्रधान मौजूद रहे। खिलाड़ियों ने विभिन्न खेलों में दमदार प्रदर्शन किया। सब-जूनियर बालक 100 मीटर दौड़ में नाज़िम अली प्रथम, हर शिमरन द्वितीय और सौरभ तृतीय स्थान पर रहे। वहीं सीनियर वर्ग के 100 मीटर दौड़ में अविनाश प्रथम, सोनू भार्गव द्वितीय और अमन तृतीय स्थान पर रहे। 200 मीटर बालिका जूनियर वर्ग में करीना ने प्रथम, स्वाति ने द्वितीय और सोनम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कबड्डी बालिका सीनियर वर्ग में बेहड़ा लाल की टीम विजेता रही, जबकि कश्ता की टीम उपविजेता रही। बॉलीबॉल सब-जूनियर बालक वर्ग में खुडेहरा प्रथम और दानपुर की टीम उपविजेता रही। मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी मधुसूदन गुप्ता ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सफलता निरंतर अभ्यास और मेहनत से मिलती है। जो आज विजयी नहीं हुए, वे अभ्यास जारी रखें, भविष्य में सफलता जरूर मिलेगी। रेफरी टीम में शचीन्द्र नारायण दीक्षित, अभिषेक मिश्रा, मुकेश बाजपेई, अभिषेक कुमार, संजीव कुमार, सज्जाद अली, गुरुप्रसाद, दिनेश कुमार, नंद किशोर, तुलाराम और रामसिंह आदि शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन अभिषेक मिश्रा और शचीन्द्र दीक्षित ने किया। आयोजक बीओ युवा कल्याण सूरज सिंह ने सभी अतिथियों, खिलाड़ियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

हैदराबाद पुलिस ने 55 वर्षीय सुरेन्द्रपाल को किया गिरफ्तार

अज़ान खीरी। हैदराबाद पुलिस ने एक 55 वर्षीय व्यक्ति सुरेन्द्रपाल को गिरफ्तार किया है, जो एक हत्या के मामले में वांछित था। सुरेन्द्रपाल पुत्र श्रीपाल, निवासी ग्राम देवीपुर, थाना हैदराबाद, जिला खीरी के खिलाफ मु0सं0 377/23 अ0स0सं 173/23 सरकार बनाम सुरेन्द्रपाल धारा 302,201 भा0द0वि0 के तहत मामला दर्ज है। पुलिस अधीक्षक खीरी संकल्प शर्मा के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत, अपर पुलिस अधीक्षक खीरी के संनिकट पर्यवेक्षण और क्षेत्राधिकारी गोला के कुशल दिशा-निर्देशन में थाना हैदराबाद की पुलिस टीम ने सुरेन्द्रपाल को उसके घर से गिरफ्तार किया। सुरेन्द्रपाल को 09.12.2025 को पेशी के लिए उपस्थित नहीं होने के कारण उसके खिलाफ वारंट जारी किया गया था। पुलिस ने उसे उसके घर से गिरफ्तार किया और विधिक कार्यवाही के लिए न्यायालय में पेश किया जाएगा।

हैदराबाद थाने से चंद कदमो की दूरी पर गन्ना भरी ट्राली चोरी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- पुलिस की सक्रियता पर सवाल

अजान खीरी। हैदराबाद थाने से चंद कदम की दूरी पर स्थित आदित्य रिसोर्ट के सामने खड़ी गन्ना भरी ट्राली चोरी हो गई है। अज्ञात चोरों ने रात लगभग 1 बजे इस घटना को अंजाम दिया है। पीड़ित थाना हैदराबाद क्षेत्र के ग्राम झारा निवासी फारेस्ट गार्ड उमेश वर्मा ने हैदराबाद पुलिस को टेलीफोन पर देने के बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ लिखित तहरीर पुलिस को दी है। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें एक व्यक्ति नीले रंग का ट्रेक्टर लेकर आता है, उसे ट्राली में जोड़ता है और फिर ट्रेक्टर लेकर चला जाता है। हालांकि कैमरे की दूरी के कारण ट्रैक्टर किस कंपनी का है और घटना में शामिल लोगों की संख्या स्पष्ट नहीं हो पाई है। पीड़ित उमेश वर्मा के अनुसार, ट्रैक्टर सोनालिका कंपनी का लग रहा है और उनका मानना है कि इस वारदात में अकेला व्यक्ति शामिल नहीं हो सकता है, बल्कि दो लोगों की भूमिका हो सकती है।

उन्होंने बताया कि सोमवार की शाम करीब 4 बजे खेत से गन्ना भरकर ट्राली थाना हैदराबाद से करीब 4 सौ मीटर की दूरी पर स्थित आदित्य रिसोर्ट के सामने खड़ी कर दी गई थी। सुबह जब गन्ने ले जाने को हुआ तो उनके ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर लेकर पहुंचे, तो वहां ट्राली नहीं मिली। जिस पर चालक ने उन्हें फोन किया और कहा कि ट्राली किसी ओर से मिल भेजवा दी है, तो उमेश ने कहा नहीं। फिर वहां मौके पर पहुंचकर काफी देर उधर-उधर तलाश किया गया, पर पता नहीं चला। इस घटना से पुलिस की सक्रियता पर सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि थाना क्षेत्र में ही इस तरह की घटना हुई है। हैदराबाद थाना पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं कि आखिर उनके क्षेत्र में इस तरह की घटना कैसे हो गई? घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है, जिससे पुलिस को जांच में मदद मिल सकती है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है, ताकि चोरों का पता लगाया जा सके। पीड़ित ने हैदराबाद पुलिस से मांग करते हुए कहा है कि इस मामले में जल्द से जल्द कार्रवाई की जाए और चोरों को पकड़कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

जंगल से निकले हाथियों ने मचाया कोहराम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। मझगई वन रेज के चौखड़ा फार्म मे खेत की रखवाली कर रहे किसान राम बहादुर को हाथियों के झुंड ने गन्ने के खेत मे मार डाला.रात्रि लगभग 12 बजे की घटना.किसानों में आक्रोश मझगई थाना क्षेत्र के चौखड़ा फार्म का मामला मझगई वन रेंज के चौखड़ा फार्म मे बीती रात करीब दस बजे पार्क के जंगल से निकलकर आया हाथियों का कस्बा निवासी समीर पांडे के खेत में घुस आया, रखवाली कर रहे भगवंतनगर गुलरा निवासी मजदूर राम बहादुर पुत्र रोशन लाल 55 वर्ष ने कमरे से बाहर निकल कुछ दूरी पर सुधीर व नवीन पांडे का खेत बचा रहे मझ गई निवासी लालता व सुशील को बुला हाथियों के झुंड को पटाखे दागकर गन्ने के खेत से भगाने की कोशिश करने लगे इसी बीच एक हाथी ने मजदूरों पर हमला बोल दिया जिससे लालता व सुशील भागने में कामयाब रहे वहीं हाथी राम बहादुर का पैर पकड़कर मीता सिंह के खेत के खींच कर ले जाकर सर कुचल कर मौत के घाट उतार दिया। इसमें मजदूर की दाईं आंख बाहर निकल आई सूचना मिलते ही पूरे गांव में हड़कंप मच गया, रात में ही ग्रामीणों ने बहादुर की तलाश शुरू कर दी मगर घने गन्ने के काफी अंदर शव पड़ा होने से सुबह तड़के चार बजे शव परिजनों को मिलते ही कोहराम मच गया. सूचना मिलते ही पुलिस के साथ वन क्षेत्रीय अधिकारी अंकित सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंच पर जनों को धंधा बनाने की कोशिश की मगर परिजन तार फेंसिंग कर हाथियों को जंगल में रोकना मृतक के एक पुत्र को सरकारी नौकरी वी 5 लाख के मुआवजे पर शव को उठने नहीं दे रहे हैं घटना से पूरे गांव में मातम छाया हुआ है वहीं किसानों में आक्रोश देखा जा सकता है.मृतक राम बहादुर करीब चालीस वर्ष से नौकरी कर रहा था.इस समय उसको छ हजार रुपए की पगार माह में मिल रही थी.मृतक के पास मात्र दो बीघा ज़मीन पर चार बेटियों व दो पुत्र को दारो मदार था भूख मिटाने के लिए.इसी के चलते वहीं खेत में रहकर चौबीसों घंटे रहकर नौकरी कर बच्चों की भूख मिटाता था।

विराट इनामी दंगल का आयोजन

बांदा। क्षेत्र के गुजेनी गांव में विराट इनामी दंगल का किया गया आयोजन पहलवानों ने दिखाएं अपने-अपने दांवपेंच बबेरू तहसील क्षेत्र अंतर्गत गुजेनी गांव मे जहां प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विराट इनामी दंगल का आयोजन ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विजयपाल सिंह के द्वारा कराया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिला पंचायत सदस्य, गजेंद्र सिंह पटेल मौजूद रहे। इस दंगल में दूर दराज से आए पहलवानों ने अपने-अपने दांव पेज दिखाया है। जिसमें बांदा ,झांसी, हरियाणा, प्रयागराज चित्रकूट सहित क्षेत्रीय पहलवानों ने भी अपने-अपने दांव पेच दिखाया है। जिसमें पहलवानों ने समय-समय पर दर्शकों का खूब मनोरंजन भी करवाया है। वही दंगल में आए हुए अतिथियों के द्वारा पहलवानों का उत्साहवर्धन के लिए इनाम भी दिया है।

बजरंग दल नेता आकाश जायसवाल पर हमला करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, डंडा और करछुल बरामद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अजान खीरी। कोतवाली गोला क्षेत्र में बीते चार दिसंबर की शाम बजरंग दल के वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष आकाश जायसवाल पर हुए जानलेवा हमले के मामले में गोला पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर हमले में इस्तेमाल किए गए डंडा और करछुल बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में गिरफ्तार आरोपियों में सतीश गुप्ता स्व श्री राम निवासी ब्लाक 42 कंशीराम कालोनी थाना गोला और अनिकेत गुप्ता उर्फ सक्षम पुत्र सतीश गुप्ता निवासी ब्लाक 42 कंशीराम कालोनी थाना गोला शामिल हैं। अज्ञात अन्य कई आरोपियों को पुलिस तलाश कर रही हैं। मालूम होकि पीड़ित आकाश जायसवाल के भाई मंजीत जायसवाल की तहरीर पर नामजद सक्षम उर्फ अनिकेत व सतीश पुत्र श्रीराम सहित कई अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 109(1), 126(2), 324 के तहत मामला दर्ज हुआ था। बताया जाता है कि आकाश जायसवाल पुत्र रामसागर निवासी मुन्नूगंज, गोला, बीते सोमवार रात करीब आठ बजे लखीमपुर से चारपहिया वाहन से अपने घर लौट रहे थे। तभी रतन द्वारा निकट काशीराम कॉलोनी निवासी अचानक सक्षम उर्फ अनिकेत और उसके पिता सतीश चाट का ठेला लेकर सामने आ गए और गाड़ी के ठीक आगे ठेला

सांस्कृतिक संध्या में गूँजी शास्त्रीय संगीत की सुरलहरियाँ

बाँदा। रायफल क्लब मैदान में उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा आयोजित मंडल स्तरीय सांस्कृतिक संध्या सफलतापूर्वक संपन्न हुई, जिसमें स्थानीय कलाकारों ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।गुरुकुल- कथक साधना केंद्र की ओर से अनुपमा त्रिपाठी के निर्देशन में छात्राओं ने श्री कृष्ण स्तुति, शिव स्तुति और कथक आधारित श्री राम कथा प्रस्तुत की। वेदान्शी बाजपेई, अग्रीमा साहू, अन्वी साहू, आराध्य श्रीवास्तव, सभ्यता खन्ना व वीरता सिंह के नृत्य ने समां बाँध दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण युवा कलाकार अनमोल द्विवेदी का तीन ताल में तबला सोलो वादन रहा, जबकि राज ओमर ने ह्लवैष्णव जन तोङ्क की भावपूर्ण प्रस्तुति देकर तालियाँ बटोरी।

आईपीएल 2026 ऑक्शन: वेंकटेश अय्यर और रवि बिश्नोई सबसे ऊंचे बेस प्राइस वाले भारतीय

एजेंसी

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 ऑक्शन से ठीक एक हफ्ते पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शॉर्टलिस्ट किए गए खिलाड़ियों की आधिकारिक सूची जारी कर दी है। 16 दिसंबर को अबू धाबी में होने वाले टाटा आईपीएल 2026 ऑक्शन में कुल 350 खिलाड़ी बोली के लिए उपलब्ध रहेंगे। इस ऑक्शन की सबसे खास बात यह है कि 2 करोड़ रुपये की सबसे ऊंची बेस प्राइस वाली कैटेगरी में शामिल भारतीय खिलाड़ियों में सिर्फ वेंकटेश अय्यर और रवि बिश्नोई को ही जगह मिली है। आईपीएल 2026 ऑक्शन के लिए कुल 1390 खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया था, जिनमें से 350 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया गया। इस फाइनल

टाटा आईपीएल 2026 ऑक्शन में कुल 350 खिलाड़ी बोली के लिए उपलब्ध रहेंगे

लिस्ट में 240 भारतीय और 110 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। इनमें 112 खिलाड़ी इंटरनेशनल क्रिकेट खेल चुके हैं, जबकि 224 अनकैप्ड भारतीय और 14 अनकैप्ड विदेशी खिलाड़ी भी ऑक्शन का हिस्सा होंगे, जिससे युवा प्रतिभाओं को बड़ा मंच मिलने की उम्मीद है। विदेशी खिलाड़ियों की मौजूदगी भी इस बार मजबूत नजर आ रही है। ऑक्शन में 9 देशों के क्रिकेटर शामिल होंगे, जिनमें इंग्लैंड से सबसे

ज्यादा 21 खिलाड़ी, ऑस्ट्रेलिया से 19, न्यूजीलैंड से 16, साउथ अफ्रीका से 15, श्रीलंका से 12, वेस्टइंडीज से 9, अफगानिस्तान से 10, बांग्लादेश से 7 और आयरलैंड से 1 खिलाड़ी शामिल है। भारतीय ऑलराउंडर जलज सक्सेना 39 साल की उम्र में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी होंगे, जबकि अफगानिस्तान के वाहिदुल्लाह जदरान महज 18 साल से थोड़ी अधिक उम्र के साथ ऑक्शन में सबसे युवा खिलाड़ी हैं। इस बार 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस में कुल 40 खिलाड़ियों ने एंट्री ली है। इस कैटेगरी में कैमरन ग्रीन, स्टीव स्मिथ, डेविड मिलर, क्विंटन डी कॉक, वानिंदु हसरंगा, लियाम लिविंगस्टोन, मैथीशा पथिराना, एनरिक नॉर्खिया, जेसन होल्डर, डेरिल मिचेल, जॉश इंग्लिस, मुजीब उर रहमान और नवीन-उल-हक जैसे बड़े अंतरराष्ट्रीय सितारे शामिल हैं। भारतीय खिलाड़ियों में केवल वेंकटेश अय्यर और रवि बिश्नोई ही इस हाईएस्ट बेस प्राइस स्लैब में हैं। इसके अलावा 1.5 करोड़ रुपये और 1.25 करोड़ रुपये के बेस प्राइस में भी कई चर्चित नाम शामिल हैं, जिनमें रहमानुल्लाह गुरबाज, मैथ्यू शॉर्ट, झाय रिचर्डसन, फिन एलन, जॉनी बेयरस्टो, उमेश यादव, राहुल चाहर और चारिथ असलंका जैसे खिलाड़ी फ्रेंचाइजियों का ध्यान खींच सकते हैं। 75 लाख रुपये और उससे नीचे के बेस प्राइस में कई भारतीय युवा और अनुभवी खिलाड़ी भी मैदान में होंगे। इस सूची में सरफराज खान, पृथ्वी शॉ, दीपक हुड्डा, मयंक अग्रवाल, राहुल त्रिपाठी, नवदीप सैनी, चेतन साकरिया, कुलदीप सेन और दर्शन नालकंडे जैसे नाम शामिल हैं, जिन पर टीमों की खास नजर रहने वाली है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर हुए टॉम ब्लंडेल, मिचेल हे का डेब्यू तय

एजेंसी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले एक और बड़ा झटका लगा है। विकेटकीपर-बल्लेबाज़ टॉम ब्लंडेल हैमस्ट्रिंग चोट के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। ब्लंडेल को यह चोट पिछले हफ्ते क्राइस्टचर्च में खेले गए पहले टेस्ट के दौरान बल्लेबाजी करते समय लगी थी। ब्लंडेल के बाहर होने के बाद 25 वर्षीय विकेटकीपर-बल्लेबाज़ मिचेल हे का टेस्ट डेब्यू तय माना जा रहा है। हे बुधवार (10 दिसंबर) से बेसिन रिजर्व में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड की ओर से पहली बार टेस्ट क्रिकेट में उतरेंगे। इससे पहले न्यूजीलैंड को एक साथ तीन और खिलाड़ियों के चोटिल होने का सामना करना पड़ा था। तेज़ गेंदबाज़ मैट हेनरी (काफ इंजरी), नाथन स्मिथ (साइड इंजरी) और

ऑलराउंडर मिचेल सेंटनर (ग्रोइन इंजरी) सीरीज के बाकी मैचों से बाहर हो चुके हैं। उनके स्थान पर न्यूजीलैंड क्रिकेट ने ऑलराउंडर क्रिस्टियन क्लार्क और तेज़ गेंदबाज़ माइकल रे को टीम में शामिल किया है। मिचेल हे अब तक न्यूजीलैंड के लिए व्हाइट-बॉल क्रिकेट में 19 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं, जिसमें 12 टी20 और 7 वनडे शामिल हैं। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में कैंटरबरी के लिए खेले गए 29 मैचों में उन्होंने 48.58 की शानदार औसत से 1895 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके नाम 17 अर्धशतक और 146 रन का एक शतक भी दर्ज है। उधर, काइल जैमीसन रेड-बॉल क्रिकेट में वापसी की योजना के तहत टीम के सपोर्ट स्टाफ के साथ काम कर रहे हैं और हाल ही में उन्होंने प्लंकेट शील्ड में कैंटरबरी के लिए सेंट्रल स्टैग्स के खिलाफ मुकाबला खेला था। वहीं, ग्रोइन स्ट्रेन से उबर चुके ग्लेन फिलिप्स ने ओटागो के लिए प्रतियोगिता के शुरुआती दो मुकाबलों में 130 रन बनाए और 9 विकेट झटके। फिलिप्स को दूसरे टेस्ट के लिए चुनी गई 14 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। मिचेल हे और नए गेंदबाज़ों को लेकर हेड कोच रॉब वॉल्टर ने एक बयान में कहा,ह्लमिच एक युवा खिलाड़ी हैं जिन्होंने पहले ही व्हाइट-बॉल क्रिकेट में अच्छी भूमिका निभाई है। कैंटरबरी के लिए उनका फर्स्ट क्लास रिकॉर्ड भी बेहतरीन रहा है। टेस्ट टीम में उनका आना उनके करियर का खास पल है और हम उन्हें खेलते देखने को लेकर काफी उत्साहित हैं।

कोलकाता दौड़ में ओलंपिक और विश्व चैंपियन सहित 23000 धावक भाग लेंगे

एजेंसी

कोलकाता। दो बार के ओलंपिक और तीन बार के विश्व चैंपियन जोशुआ चेप्टेगी सहित दुनिया भर के 23000 से अधिक धावक 21 दिसंबर को यहां होने वाली 10वीं टाटा स्टील वर्ल्ड 25के (25 किलोमीटर) कोलकाता दौड़ में भाग लेंगे। युगांडा के चेप्टेगी और महिला वर्ग में गत चैंपियन सुतूम असेफा केबेडे इस दौड़ का मुख्य आकर्षण होंगे जिसे विश्व एथलेटिक्स की तरफ से गोल्ड लेबल रोड रेस का दर्जा हासिल है। प्रमोटर प्रोकैम इंटरनेशनल ने भी इस बार 1:11:08 (एक घंटा, 11 मिनट, 08 सेकंड) का विश्व रिकॉर्ड तोड़ने वाले किसी भी एथलीट को 25,000 अमेरिकी डॉलर का बोनस देने की घोषणा की है। इस दौड़ की कुल पुरस्कार राशि 142,214 डॉलर है, जिसमें पुरुष और महिला वर्ग के विजेताओं के लिए बराबर की पुरस्कार राशि रखी गई है। शीर्ष तीन स्थान पर रहने वाले खिलाड़ियों को क्रमशः 15,000 डॉलर, 10,000 डॉलर और 7,000 डॉलर का इनाम मिलेगा। प्रतियोगिता का नया रिकार्ड बनाने वाले खिलाड़ियों को 5,000 डॉलर का अतिरिक्त बोनस भी मिलेगा। चेप्टेगी (29 वर्ष) ने 10,000 मीटर में लगातार तीन विश्व खिताब जीते हैं और उनके नाम चार विश्व रिकॉर्ड दर्ज हैं। पिछले वर्ष दिल्ली हाफ मैराथन और इस वर्ष बेंगलुरु में आयोजित टीसीएस वर्ल्ड 10के (10किमी) के विजेता चेप्टेगी के नाम पर अब भी 5000 किमी और 10000 किमी के विश्व रिकॉर्ड दर्ज हैं। पुरुषों की सूची में एक और महत्वपूर्ण खिलाड़ी तंजानिया के अल्फोंस फ़ेलिक्स सिम्बू भी शामिल हैं। सितंबर में तोक्यो में विश्व चैंपियनशिप में मैराथन में जीत हासिल करने वाले सिम्बू कोलकाता में चेप्टेगी को कड़ी चुनौती देंगे। महिला वर्ग में इथियोपिया की स्टार सुतूम असेफा केबेडे ने पहली बार 2015 में बर्लिन में 25 किलोमीटर का विश्व रिकॉर्ड बनाया था।

एडिलेड टेस्ट में कमिंस की वापसी तय, हेज़लवुड एशेज से बाहर

एजेंसी

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस की करीब पांच महीने बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी तय मानी जा रही है। वह इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले तीसरे एशेज टेस्ट में टीम की कप्तानी करते नजर आएंगे। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका लगा है क्योंकि तेज गेंदबाज जोश हेज़लवुड पूरे एशेज सीरीज से बाहर हो गए हैं। टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने मंगलवार को इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि हेज़लवुड अब इस गर्मी में इंग्लैंड के खिलाफ नहीं खेल पाएंगे। पिछले महीने शेफील्ड शील्ड के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आया था और इसके बाद पिछले सप्ताह उनके अकिलीज़ में भी समस्या उभर आई, जिससे उनकी वापसी की उम्मीदें खत्म हो गईं। मैकडोनाल्ड ने कहा,

उनके लिए यह बेहद निराशाजनक है। कुछ ऐसे झटके लगे जिनकी हमें उम्मीद नहीं थी। हमें लगा था कि वह इस सीरीज में अहम भूमिका निभाएंगे, लेकिन दुर्भाग्य से अब उन्हें यह मौका नहीं मिल पाएगा। हेज़लवुड अब फरवरी में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप को लक्ष्य बनाकर पूरी तरह फिट होने की कोशिश करेंगे। दूसरी ओर, पैट कमिंस के लिए सब कुछ योजना के अनुसार आगे बढ़ रहा है। उन्हें बुधवार को घोषित होने वाली 15 सदस्यीय टीम में शामिल किए जाने की पूरी संभावना है और वह एक बार फिर स्टीव स्मिथ से कप्तानी की जिम्मेदारी संभालेंगे। कमिंस ने जुलाई में वेस्टइंडीज दौरे के दौरान पीठ में दर्द महसूस करने के बाद से कोई मुकाबला नहीं खेला है, लेकिन उनकी रिकवरी उम्मीद से तेज रही है। मैकडोनाल्ड ने बताया कि कमिंस ने ब्रिसबेन टेस्ट से पहले एलन बॉर्डर फील्ड पर कई स्पेल डालकर मैच जैसी परिस्थितियों का अभ्यास किया। उन्होंने कहा, ह्लहमने पहले भी लंबे ब्रेक के बाद पैट को इसी तरह तैयार किया है। उनकी फिटनेस और स्किल दोनों तैयार हैं। अगर अगले एक हफ्ते में कुछ अनहोनी नहीं होती, तो मैं पूरी उम्मीद करता हूं कि पैट एडिलेड में टॉस करते नजर आएंगे। टीम को राहत की बात यह भी है कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क, जो अब तक दो टेस्ट में 18 विकेट लेकर सीरीज के सबसे सफल गेंदबाज हैं, फिट हैं। हालांकि ब्रिसबेन टेस्ट के दौरान उन्हें बाईं ओर थोड़ी परेशानी थी, लेकिन कोच ने स्पष्ट किया कि वह एडिलेड टेस्ट के लिए पूरी तरह उपलब्ध रहेंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम प्रबंधन अंतिम तीन टेस्ट में तेज गेंदबाजों के वर्कलोड को लेकर सतर्क है।

संक्षिप्त समाचार

दबाव से पार पाकर नौ साल बाद जूनियर हॉकी विश्व कप में पदक जीतने के इरादे से उतरेगा भारत

चेन्नई। जर्मनी के हाथों करारी हार के साथ खिताब का सपना टूटने के बाद भारतीय टीम जूनियर हॉकी विश्व कप के कांस्य पदक के मुकाबले के लिये बुधवार को अर्जेंटीना के खिलाफ उतरेगी तो नौ साल बाद पदक जीतने के लिये उसे दबाव में गलतियां करने की आदत से पार पाना होगा । पिछले दो विश्व कप में चौथे स्थान पर रही भारतीय टीम को उन गलतियों को दोहराने से बचना होगा जो उसने सेमीफाइनल में सात बार की चैम्पियन जर्मनी के खिलाफ की और 1-5 से पराजय झेलनी पड़ी । भुवनेश्वर में 2021 में और कुआलालम्पुर में 2023 में हुए जूनियर विश्व कप में भारत क्रमशः फ्रांस और स्पेन से 3-1 से हारकर चौथे स्थान पर रहा था । होबर्ट में 2001 के बाद भारत ने दूसरा और आखिरी खिताब 2016 में लखनऊ में जीता था । तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीत चुके भारतीय टीम के मुख्य कोच पी आर श्रीजेश को बखूबी पता है कि यह पदक उनकी टीम के लिये कितना जरूरी है लेकिन उन्हें यह भी अहसास है कि सेमीफाइनल में स्पेन के खिलाफ आखिरी मिनटों में गोल गंवाकर 1-2 से हारी अर्जेंटीना की चुनौती को कमतर नहीं आंका जा सकता । दो बार की चैम्पियन अर्जेंटीना ने 2021 में फाइनल में जर्मनी को 4-2 से हराकर खिताब जीता था । राउंड रॉबिन चरण में शानदार फॉर्म में रही भारतीय टीम ने 29 गोल किये थे और एक भी गोल गंवाया नहीं था लिहाजा गोलकीपर और डिफेंस को कोई चुनौती नहीं मिल सकी थी । क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम के खिलाफ 45 मिनट तक एक गोल से पिछड़ने के बाद तीन मिनट के भीतर कप्तान रोहित और शारदानंद तिवारी के गोलों के दम पर भारत ने बढत बना ली लेकिन आखिरी सीटी बजने से एक मिनट बाकी रहते गोल गंवाकर मैच को पेनल्टी शूटआउट में जाने दिया । शूटआउट में हालांकि भारत ने जीत दर्ज की लेकिन मैच निर्धारित समय के भीतर ही खत्म हो सकता था । इसके बाद पिछली चैम्पियन जर्मनी के सामने तो डिफेंस पूरी तरह चरमरा गया और फॉरवर्ड पंक्ति गोल करने के मौके ही नहीं बना सकी। पूरे मैच में भारत को एकमात्र पेनल्टी कॉर्नर मिला जबकि जर्मन टीम ने 'वन टच' यूरोपीय हॉकी खेलकर दबाव बनाये रखा । कोच श्रीजेश ने कहा था ,'' हमें अपने खेल पर नियंत्रण रखना सीखना होगा और बड़ी टीमों को इतने मौके देने से बचना होगा । विरोधी टीम के अच्छा खेलने पर दबाव में आकर हम अपने बेसिक्स ही भूल जाते हैं जिससे उबरना होगा । गोल करने के मौके बनाना और तब्दील करना जरूरी है । छोटी छोटी गलतियां ही भारी पड़ रही हैं जिनसे बचना होगा । भारत की क्वार्टर फाइनल की जीत के नायक रहे गोलकीपर प्रिंसदीप सिंह ने टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन पूरे डिफेंस को एक इकाई के रूप में अच्छा खेलना होगा । वहीं फॉरवर्ड पंक्ति को सर्कल के भीतर गलतियां करने , लंबे हवाई पास और गेंद पर नियंत्रण खो देने की कमी को दूर करना होगा । पूल चरण में शानदार प्रदर्शन करने वाले दिलराज सिंह, अर्शदीप सिंह, मनप्रीत सिंह और खुद कप्तान रोहित को उसी लय में खेलना होगा । दूसरी ओर अर्जेंटीना टीम अपने पूल में तीन में से दो मैच जीतकर शीर्ष पर रही थी और क्वार्टर फाइनल में उसने नीदरलैंड को एक गोल से हराया । टूर्नामेंट से पहले भारत और अर्जेंटीना ने तीन अभ्यास मैच मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम पर ही खेले थे जिसमे पहला 1-1 से ड्रॉ रहा , दूसरा भारत ने 5-3 से और तीसरा अर्जेंटीना ने 2-1 से अपने नाम किया था । अर्जेंटीना के कोरिया ब्रूनो टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में हैं और छह गोल कर चुके हैं। मैच शाम 5.30 से शुरू होगा जिसके बाद फाइनल जर्मनी और स्पेन के बीच खेला जायेगा ।

फ्रीस्टाइल चेस ग्रैंड स्लैम फाइनल्स में अर्जुन एरिगैसी ने मैग्नस कार्लसन को हराया

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के ग्रूटबोस प्राइवेट नेचर रिज़र्व में जारी फ्रीस्टाइल चेस ग्रैंड स्लैम फाइनल्स में भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पूर्व विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन को राउंड-रॉबिन चरण में मात दी। यह मुकाबला सोमवार को खेला गया। सात राउंड के बाद अर्जुन एरिगैसी ने 4.5 अंक जुटाए और तालिका में तीसरा स्थान हासिल किया। जावोखिर सिंदारोव 5.5 अंकों के साथ शीर्ष पर रहे, जबकि लेवॉन एरोनियन ने 5 अंकों के साथ दूसरा स्थान पाया। ग्रुप स्टेज के शीर्ष तीन खिलाड़ियों को क्वार्टरफाइनल में अपने प्रतिद्वंद्वी चुनने का अधिकार मिला। इस अधिकार के साथ सिंदारोव ने सबसे पहले चयन किया। नॉकआउट चरण में अर्जुन एरिगैसी का सामना जर्मनी के विंसेंट कीमर से होगा, जबकि कार्लसन का मुकाबला फैबियानो करूआना से तय हुआ है। यह प्रतियोगिता सालभर चलने वाले फ्रीस्टाइल चेस ग्रैंड स्लैम टूर की पांचवीं कड़ी है, जिसके पहले चरण जर्मनी, फ्रांस और अमेरिका में आयोजित हो चुके हैं। फाइनल्स के विजेता को 2025 फ्रीस्टाइल चेस चैंपियन का खिताब मिलेगा। हालांकि, टूर स्टैंडिंग्स में मैग्नस कार्लसन अब भी शीर्ष पर हैं। यदि वे फाइनल्स में चौथे स्थान पर भी रहते हैं, तो पूरे टूर के विजेता बनना उनके लिए सुनिश्चित हो जाएगा, जिसके साथ एक लाख डॉलर का बोनस पुरस्कार जुड़ा है।

डेजर्ट वाइपर्स ने सुपर ओवर में गल्फ जायंट्स को हराया

दुबई। सैम करेन और डैन लॉरेंस के शानदार प्रदर्शन से स्कोर बराबर करने के बाद डेजर्ट वाइपर्स ने आईएलटी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में सुपर ओवर में गल्फ जायंट्स को हरा दिया। जायंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 179 रन बनाए थे। वाइपर्स ने कुछ विषम परिस्थितियों से गुजरने के बावजूद नौ विकेट पर 179 रन बनाकर मैच को सुपर ओवर तक खींच दिया। सुपर ओवर में वाइपर्स ने 13 रन बनाए। नसीम शाह ने जायंट्स को सिर्फ नौ रन पर रोककर वाइपर्स को महत्वपूर्ण अंक दिलाए। वाइपर्स ने अपने पिछले पांच मैचों में से प्रत्येक में जायंट्स को हराया है। इससे पहले करेन (36 गेंदों पर 44 रन) और डैन लॉरेंस (31 गेंदों पर 56 रन) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत वाइपर्स ने स्कोर बराबर कर दिया। अज़मतुल्लाह उमरज़ई ने जायंट्स के लिए चार विकेट लिए। गल्फ जायंट्स ने आक्रामक शुरुआत की।

ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाला आखिरी कप्तान कहलाना पसंद नहीं : भास्करन

एजेंसी

चेन्नई। मॉस्को ओलंपिक में 45 साल पहले भारतीय हॉकी टीम को आठवां और आखिरी स्वर्ण दिलाने वाले कप्तान वासुदेवन भास्करन का कहना है कि वह इस इंतजार को खत्म होते देखना चाहते हैं और 2036 में टीम फिर चैम्पियन बन सकती है बशर्ते सही समय पर नये खिलाड़ियों को मौका दिया जाये । भारत ने आखिरी बार 1980 में भास्करन की कप्तानी में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता था । फिर 41 साल के इंतजार के बाद तोक्यो ओलंपिक 2020 में कांस्य पदक जीता और पिछले साल पेरिस में उस सफलता को दोहराया । भास्करन ने भाषा को दिये इंटरव्यू में कहा ,''मुझे यह सुनना बिल्कुल पसंद नहीं है कि मैं आखिरी ओलंपिक स्वर्ण जीतने वाली भारतीय टीम का कप्तान था । मैं चाहता हूं कि यह इंतजार खत्म हो और यह 2036 में हो सकता है । लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के बारे में नहीं कह सकता क्योंकि हमे पुरूष हॉकी टीम में अभी बदलाव की जरूरत है । उन्होंने कहा ,'' जैसे पी आर श्रीजेश के संन्यास के बाद टीम में खालीपन लग रहा है जिसे भरना होगा । ऐसे ही कम से कम चार या पांच खिलाड़ियों को जूनियर खिलाड़ियों के लिये जगह बनानी होगी । बदलाव सही समय पर और सही जगह पर होना जरूरी है ताकि नये खिलाड़ियों को तैयार होने का मौका मिल सके । पहली बार 1997 में कोच रहते भारत को जूनियर विश्व कप फाइनल तक ले जाने वाले इस दिग्गज खिलाड़ी ने कहा ,'' जैसे 2016 जूनियर विश्व कप के बाद हरमनप्रीत और रूपिंदर पाल जैसे खिलाड़ी मिले थे । जूनियर विश्व कप 1997 से हमे बलजीत सैनी, दिलीप टिर्की, समीर दाद, देवेश चौहान जैसे कई ओलंपियन मिले थे लिहाजा यह बदलाव की शुरूआत करने के लिये अच्छा मंच है । राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी को युवा हॉकी खिलाड़ियों के लिये उत्साहजनक बताते हुए उन्होंने कहा ,'' 2030 राष्ट्रमंडल खेलों में क्रिकेट और हॉकी दोनों होंगे लेकिन मुझे लगता है कि हॉकी की स्पर्धा अच्छी होगी क्योंकि राष्ट्रमंडल देशों में अच्छी हॉकी खेली जाती है और यह मिनी विश्व कप की तरह होगा । इन युवा खिलाड़ियों के लिये वह अच्छा प्लेटफॉर्म होगा। कोचों को टीम तैयार करने के लिये कम से कम चार साल का कार्यकाल देने की पैरवी करते हुए उन्होंने कहा कि बार बार कोच बदलने से प्रदर्शन पर असर पड़ता है । पद्मश्री से नवाजे जा चुके 75 वर्ष के भास्करन ने कहा ,''मुझे लगता है कि टीम के साथ तीन कोच , सहयोगी स्टाफ, फिजियो, ट्रेनर होने चाहिये और उन्हें कम से कम चार साल तक का कार्यकाल दिया जाना जरूरी है। हम ओलंपिक से ओलंपिक या विश्व कप से विश्व कप तक की रणनीति बनाते हैं।

एचआरएस एलुग्लेज का आईपीओ 11 दिसंबर को खुलेगा, मूल्य दायरा 94-96 रुपये प्रति शेयर

नयी दिल्ली। एचआरएस एलुग्लेज का 50.9 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 11 दिसंबर को सार्वजनिक अभिदान के लिए खुलेगा। अहमदाबाद स्थित एचआरएस अलुग्लेज लिमिटेड ने मंगलवार को बयान में कहा कि आईपीओ 15 दिसंबर को संपन्न होगा। बड़े (एंकर) निवेशक 10 दिसंबर को बोली लगा पाएंगे। कंपनी ने इसके लिए 94-96 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। आईपीओ पूर्णतः 53.04 लाख नए शेयर का निर्गम है जिसका कुल मूल्य 50.92 करोड़ रुपये है। शेयर बीएसई एसएमई पर सूचीबद्ध होगा जिसकी संभावित तिथि 18 दिसंबर तय की गई है। कंपनी बिल्डर, ठेकेदारों, वास्तुकारों और संस्थानों को सामग्री आपूर्ति एवं खरीद सहायता के साथ-साथ मानक तथा अनुकूलित समाधान प्रदान करती है।

भारतीय कंपनियां जनवरी-मार्च में भर्ती योजना के मामले में वैश्विक स्तर पर दूसरे स्थान पर: सर्वेक्षण

नयी दिल्ली। अगले साल जनवरी-मार्च तिमाही में भारतीय कंपनियों ने वैश्विक स्तर पर दूसरी सबसे मजबूत रोजगार संभावनाएं जताई हैं। देश की करीब 52 प्रतिशत कंपनियां अगले तीन महीनों में भर्ती करने की योजना बना रही हैं। 'मैनपावरग्रुप रोजगार परिदृश्य सर्वेक्षण' के मुताबिक, कैलेंडर वर्ष 2026 की पहली तिमाही के लिए शुद्ध रोजगार संभावनाएं (एनईओ) 52 प्रतिशत हैं, जो एक साल पहले की तुलना में 30 प्रतिशत जबकि अक्टूबर-दिसंबर 2025 तिमाही की तुलना में 27 प्रतिशत अधिक है। एनईओ उस अंतर को मापता है जो भर्ती बढ़ने की उम्मीद करने वाले और भर्ती घटने की उम्मीद करने वाले नियोक्ताओं के बीच प्रतिशत में होता है। पहली तिमाही के लिए वैश्विक स्तर पर सबसे मजबूत एनईओ ब्राजील (54 प्रतिशत) में दर्ज किया गया। इसके बाद भारत (52 प्रतिशत) का दूसरा स्थान है जबकि संयुक्त अरब अमीरात (46 प्रतिशत) तीसरे स्थान पर रहा। शीर्ष 10 देशों में नीदरलैंड (36 प्रतिशत), आयरलैंड (31 प्रतिशत), स्वीडन (30 प्रतिशत), ग्वाटेमाला (28 प्रतिशत), स्विट्जरलैंड (27 प्रतिशत), अमेरिका (27 प्रतिशत) और इजरायल (25 प्रतिशत) शामिल हैं। मैनपावरग्रुप के भारत एवं पश्चिम एशिया क्षेत्र के प्रबंध निदेशक संदीप गुलाटी ने कहा, भारत की भर्ती संभावनाएं सिर्फ मजबूत नहीं हैं, बल्कि ये आर्थिक विश्वास और क्षमता निर्माण के नए चरण का संकेत देती हैं। ये रुझान दिखाते हैं कि भारत मात्रा आधारित भर्ती से मूल्य निर्माण की तरफ बढ़ रहा है।

ऊर्जा परिवर्तन क्षेत्र में पांच वर्ष में 75 अरब डॉलर से अधिक का निवेश करेंगे: गौतम अदाणी

धनबाद। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी ने मंगलवार को कहा कि उनका समूह अगले पांच साल में ऊर्जा परिवर्तन के क्षेत्र में 75 अरब डॉलर से अधिक का निवेश करेगा। धनबाद में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (इंडियन स्कूल ऑफ माइंस) के 100वें स्थापना दिवस समारोह में अदाणी ने कहा कि समूह गुजरात के खावड़ा में 520 वर्ग किलोमीटर में फैला दुनिया का सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा पार्क बना रहा है। उन्होंने कहा, ''2030 तक अपनी पूरी क्षमता पर, यह पार्क 30 गीगावाट हरित ऊर्जा उत्पन्न करेगा। औसत घरेलू खपत के हिसाब से यह ऊर्जा प्रति वर्ष छह करोड़ से अधिक मकानों को बिजली मुहैया कराने के बराबर है।

डीपीआईआईटी ने एआई-कॉपीराइट इंटरफ़ेस पर कार्य-पत्र का पहला भाग प्रकाशित किया

सरकारी समिति ने एआई कंपनियों को कॉपीराइट कार्यों के उपयोग के लिए व्यापक लाइसेंस का दिया सुझाव

एजेंसी

नई दिल्ली। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने जनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और कॉपीराइट कानून के अंतर्संबंधों की जांच करते हुए अपने कार्य पत्र का पहला भाग प्रकाशित किया है। इस पत्र में डीपीआईआईटी के 28 अप्रैल,

2025 को गठित आठ सदस्यीय समिति ('कमेटी') की अनुशंसाओं को शामिल किया गया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक बयान में बताया कि कृत्रिम मेधा (एआई) डेवलपर को एआई प्रणालियां तैयार करने के लिए कानूनी रूप से उपलब्ध सभी कॉपीराइट-संरक्षित सामग्री का उपयोग करने के लिए अनिवार्य लाइसेंस देने का सुझाव एक सरकारी समिति ने दिया है। इसके साथ ही इस पर संबंधित हितधारकों से प्रतिक्रिया एवं विचार मांगे गए हैं। मंत्रालय के मुताबिक समिति की सिफारिश के अनुसार लाइसेंस के साथ कॉपीराइट धारकों के लिए वैधानिक पारिश्रमिक का अधिकार भी होना चाहिए। ये सुझाव समिति द्वारा तैयार किए गए कार्य पत्र का हिस्सा हैं, जिसे उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा हितधारकों के विचार जानने के लिए जारी किया गया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मुताबिक एआई प्रणालियों और कॉपीराइट से संबंधित उभरते मुद्दों पर विचार-विमर्श की बढ़ती आवश्यकता को स्वीकार करते हुए डीपीआईआईटी ने 28 अप्रैल, 2025 को एक समिति का गठन किया था। आठ सदस्यीय इस समिति की अध्यक्षता अतिरिक्त सचिव हिमानी पांडे ने की। इसमें कानूनी विशेषज्ञ, उद्योग और शिक्षा जगत के प्रतिनिधि भी शामिल हैं। इसे समिति को एआई प्रणालियों द्वारा उठाए गए मुद्दों की पहचान करने, मौजूदा नियामक ढांचे की जांच करने, इसकी पर्याप्तता का आकलन करने और यदि आवश्यक हो तो बदलावों की सिफारिश करने के अलावा हितधारकों के साथ परामर्श के लिए एक कार्य पत्र तैयार करने का कार्य सौंपा गया था।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

गांधी-नेहरू परिवार आज भी राजा की तरह करता है व्यवहार : ब्रजेश पाठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

रायबरेली। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने गांधी परिवार पर जमकर हमला किया। मंगलवार को रायबरेली में आयोजित एक कार्यक्रम में पहुंचे ब्रजेश पाठक ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि नेहरू-गांधी परिवार राजा की तरह व्यवहार करता है और अब भी खुद को सत्ता में मानता है।

पाठक ने संसद में दिए प्रियंका गांधी के बयान पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी का दिया बयान यह बताता है कि गांधी परिवार आज भी अपने आपको सत्ता में मानता है। इसलिए ही वे

राजा की तरह व्यवहार करते हैं। ब्रजेश पाठक ने कहा कि देश में बंटवारे की जिम्मेदार नेहरू-गांधी परिवार ही है। उन्होंने दावा किया कि अब जनता ने गांधी परिवार को नकार दिया है। मीडिया के कफ सिरप मामले के सवाल पर उप मुख्यमंत्री पाठक ने कहा कि कोई भी दोषी बख्शा नहीं जाएगा। सरकार इस मामले पर अपनी नजर बनाए हुए है। इससे पूर्व जनपद आगमन पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भाजपा कार्यालय अटल भवन में संगठनात्मक कार्यों के साथ एसआईआर अभियान की समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि विपक्षी दल इसलिए परेशान है कि अवैध घुसपैठियों का नाम कट रहा है। उन्होंने कहा कि कोई भी घुसपैठिया मतदाता सूची में न रहे, यह हमारी प्राथमिकता है।

काशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार पर चला स्वच्छता अभियान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

■ नमामि गंगे और नगर निगम कर्मियों ने मृत पशुओं के शव का कराया निस्तारण

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में मंगलवार को नमामि गंगे और नगर निगम की टीम ने श्री काशी विश्वनाथ धाम के वर्षगांठ के पूर्व ललिता घाट (गंगा द्वार) पर गंगा किनारे मौजूद कई प्रकार की गंदगियों का निस्तारण कराया। घाट किनारे जानवरों के शव पड़े होने की सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए मृत पशुओं के शव को निस्तारित किया गया। साथ ही जनता से अपील की गई कि घर में पालतू पशुओं के मर जाने पर उन्हें गंगा किनारे विसर्जित न करें। नमामि गंगे काशी क्षेत्र के संयोजक राजेश शुक्ला ने बताया कि बाढ़ का पानी उतरने की वजह से कई प्रकार की गंदगियां, पशुओं के शव आदि भी मिट्टी में दबे हुए हैं। इसको संज्ञान में लेकर ललिता घाट पर निस्तारण कराया गया। उन्होंने कहा कि गंगा तट पर स्वच्छता के संदर्भ में जनता को जागरूक होने की आवश्यकता है। हम अपने पालतू पशुओं के शव को गंगा में न बहाकर प्रकृति और पर्यावरण के सहयोगी बनें। स्वच्छता अभियान में नगर निगम सुपरवाइजर कामेश्वर सेठ, दिनेश चौधरी, सुनील मोहन, सेवी, महेंद्र साहनी आदि ने भी भागीदारी की।

कानपुर में ओवरलोडिंग व नियम उल्लंघन पर 14 वाहन सीज, 52 चालान और 8.78 लाख का लगा जुर्माना

कानपुर। उत्तर प्रदेश के जनपद कानपुर के बिल्हौर क्षेत्र में सड़क सुरक्षा और प्रवर्तन को लेकर एसडीएम संजीव दीक्षित की अगुवाई में मंगलवार को तड़के संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई की। जांच के दौरान सड़क सुरक्षा के नियमों की अनदेखी करने पर 14 ओवरलोडेड वाहनों को मौके पर सीज किया गया, जबकि 52 वाहनों के चालान विभिन्न अनियमितताओं में किए गए। ओवरलोड, अल्टरेशन, टायरों की कम गहराई, प्रेशर हॉर्न से शोर प्रदूषण, फिटनेस फ़ेल, बीमा फ़ेल और टैक्स फ़ेल जैसी गंभीर कमियां सामने आईं।

भदोही: अस्पताल में प्रसव के दौरान महिला की मौत, परिजनों का हंगामा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

भदोही। उत्तर प्रदेश के जनपद भदोही शहर स्थित एक निजी अस्पताल में सोमवार देर रात एक महिला को प्रसव के लिए भर्ती कराया गया था। ऑपरेशन के बाद उसकी हाल बिगड़ गईं और ब्लीडिंग होने लगी। मामला बिगड़ता देख प्रसूता को बीएचयू के लिए रेफर कर दिया गया, लेकिन रास्ते में ही महिला की मौत हो गई। परिजनों ने अस्पताल में हगांमा किया तो पूरा स्टॉफ भाग निकला। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हरियाँव गांव निवासी राजेश प्रजापति की 30 वर्षीय पत्नी रीता को डिलीवरी होनी थी। सोमवार की रात उसे दर्द होने पर परिजन रामरायपुर स्थित पार्वती हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। डिलीवरी के लिए उसका ऑपरेशन किया गया, जिसके बाद

लगातार रक्तस्राव होने लगा और उसकी हालत बिगड़ गई। महिला की बिगड़ती हालत देखकर अस्पताल प्रबंधन ने हाथ खड़े कर दिए और परिजनों से उसे बीएचयू ले जाने के लिए कहा। लेकिन परिजन जब उसे इलाज के लिए ले जा रहे थे तो रास्ते में ही प्रसूता ने दम तोड़ दिया। अस्पताल प्रबंधन पर परिजनों का आरोप है कि लापरवाही से प्रसूता की जान चली गई। मंगलवार को घटना की सूचना मिलते ही आक्रोशित परिजन, सम्बन्धी और ग्रामीण ने अस्पताल का घेराव कर लापरवाही के खिलाफ कड़ी नाराजगी जताई। परिजन आरोप लगा रहे हैं कि ऑपरेशन के दौरान स्थिति बिगड़ने पर डॉक्टर ने समय से जानकारी नहीं दिया। घटना की जानकारी पर भदोही कोतवाल सच्चिदानंद पांडेय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। वहीं, घटना के बाद अस्पताल में ताला मारकर पूरा स्टॉफ फरार हो गया। कोतवाल ने बताया कि घटना की जानकारी के बाद स्वास्थ्य विभाग ने पूरे मामले की जांच के लिए टीम गठित कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम अस्पताल पर भी पहुंची, लेकिन वहां उसे कोई साक्ष्य नहीं मिले, क्योंकि अस्पताल प्रबंधन के लोग फरार हैं और अस्पताल का शटर डाऊन है। कोई भी कागजात नहीं मिल पाए हैं।

बीएचयू के डॉ. ओम प्रकाश हैन्स ज़ाइडेल फ़ाउंडेशन के कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) ,जर्मन स्टडीज़ विभाग के असिस्टेंट प्रोफ़ेसर डॉ. ओम प्रकाश को हैन्स ज़ाइडेल फ़ाउंडेशन का कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया गया है। उनकी इस नियुक्ति को विश्वविद्यालय में गौरवपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा है। इस नई भूमिका में डॉ. ओम प्रकाश शैक्षणिक सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न प्रस्तावों की रूपरेखा तैयार करने, उनके विकास एवं क्रियान्वयन का दायित्व निभाएँगे। साथ ही वे देशविदेश के शैक्षणिक संस्थानों तथा साझेदार संगठनों के साथ शोध, संवाद और सहयोग के नए अवसर तलाशने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे। इसके अतिरिक्त, वे पूर्व छात्रों द्वारा संचालित प्रकाशनों को प्रोत्साहित करने तथा उन्हें एक साझा अकादमिक मंच प्रदान करने में भी योगदान देंगे। यह जानकारी विश्वविद्यालय के जनसंपर्क कार्यालय ने मंगलवार को दी। बताया गया कि हैन्स ज़ाइडेल फ़ाउंडेशन अपनी वैचारिक और व्यावहारिक गतिविधियों को पाँच प्रमुख विभागों के माध्यम से संचालित करता है। इनमें अकादमी फॉर पॉलिटिक्स एंड करंट अफ़ेयर्स समकालीन राजनीतिक, सामाजिक और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर शोध करती है, जबकि इंस्टीट्यूट फॉर पॉलिटिकल एजुकेशन नागरिक शिक्षा, लोकतांत्रिक मूल्यों और नेतृत्व विकास हेतु विविध प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

संपादक समन्वय
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
पीयूष त्रिपाठी

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी के दौरे पर बरेली में बड़ा ट्रैफिक बदलाव , दो दिन तक भारी वाहनों की एंट्री बंद

■ पुराने रोडवेज से संचालन बंद, बसें केवल सेटेलाइट से चलेंगी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बरेली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अन्य वीवीआईपी के बरेली आगमन के मद्देनज़र शहर में ट्रैफिक पुलिस ने दो दिन का बड़ा बंदोबस्त लागू कर दिया है। इसलिए बुधवार सुबह 7 बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक (11 दिसंबर) भारी वाहनों की शहर में पूरी तरह नो एंट्री रहेगी। एसपी ट्रैफिक मो. अकमल खान ने एडवाइजरी जारी कर सभी मार्गों पर सख्त डायवर्जन लागू करने के निर्देश दिए हैं। शहर के मुख्य प्रवेश मार्ग–परसाखेड़ा रोड नंबर-01, विल्वा पुल, लालपुर कट, विलयधाम, नवदिया झाड़ा, ट्रांसपोर्ट नगर, रामगंगा तिराहा और बुखारा मोड़ पर भारी वाहनों को रोकने के लिए कड़ी नाकेबंदी की जा रही है। बताया गया कि किसी भी वाहन को शहर की तरफ प्रवेश नहीं दिया जाएगा और थाना प्रभारियों को पर्याप्त पुलिस बल तैनात रखने के निर्देश हैं। दिल्ली और रामपुर से आने वाले भारी वाहन एवं रोडवेज बसें, जिन्हें बदायूं जाना है, उन्हें झुमका तिराहा से बड़े बाईपास होते हुए विल्वा, विलयधाम, फरीदपुर, फतेहगंज पूर्वी, दातागंज व देवचरा के रास्ते निकाला जाएगा। वहीं लखनऊ की दिशा में जाने वाले वाहनों को भी इसी बाईपास मार्ग से गुजरना होगा। लखनऊ से दिल्ली जाने वाले भारी वाहन फरीदपुर और इन्वर्टिस तिराहे से बड़े बाईपास पर चढ़ाकर भेजे जाएंगे। नैनीताल व पीलीभीत से बदायूं जाने वाले भारी वाहनों को भी शहर में घुसने की बजाय वैकल्पिक मार्ग से सीधे निकाला जाएगा। बदायूं की तरफ से आने वाले भारी वाहनों को केवल ट्रांसपोर्ट नगर तक की अनुमति होगी, वहीं दिल्ली की ओर जाने वाले वाहनों को बड़े बाईपास से डायवर्ट किया जाएगा। सबसे बड़ा बदलाव रोडवेज संचालन में किया गया है। 10-11 दिसंबर को पुराने रोडवेज बस अड्डे से सभी बसों का संचालन बंद रहेगा। बदायूं व लखनऊ की दिशा से आने वाली बसें इन्वर्टिस तिराहे से सीधे सैटेलाइट बस स्टैंड पहुंचेंगी।

उप्र के शामली में 50 हजार का इनामी बदमाश मुठभेड़ में ढेर, सिपाही घायल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शामली। उत्तर प्रदेश के शामली जिले में थानाभवन क्षेत्र व बाबरी पुलिस टीम की संयुक्त कार्रवाई में मुठभेड़ के दौरान 50 हजार रुपये का इनामी बदमाश मारा गया। उसके खिलाफ उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना और राजस्थान राज्यों के कई थानों में 28 मुकदमें दर्ज थे। इस कार्रवाई में एक पुलिस का सिपाही भी घायल हुआ है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह ने मंगलवार को बताया कि मुठभेड़ में ढेर बदमाश की पहचान शामली जिले के मोहल्ला रायजादगान निवासी समयदीन उर्फ सामा के रूप में पहचान हुई है। उस पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। एसपी ने बताया कि देर रात को थानाभवन को सूचना मिली कि इनामी बदमाश साथियों संग ग्राम भैंसानी ईस्लामपुर में बन्द पड़े ईंट के भट्टे में छिपा है। इस सूचना पर थाना प्रभारी बिजेन्द्र सिंह रावत और थाना प्रभारी बाबरी राहुल सिसौदिया फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे तो बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। एक गोली बाबरी थाना प्रभारी राहुल के बुलेट प्रूफ जैकेट में लगी तो वहीं दूसरी गोली लगने से सिपाही अनुज यादव घायल हो गया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से बदमाश समयदीन घायल हो गया। बदमाश और सिपाही को घायल हालत में इलाज के लिए सीएचसी पहुंचाया गया, जहां से जिला अस्पताल शामली रेफर कर दिया गया। जहां डॉक्टरों ने इनामी बदमाश को इलाज के दौरान मृत घोषित कर दिया, जबकि सिपाही अनुज का इलाज चल रहा है। मुठभेड़ में मारे गए बदमाश के पास से पुलिस को 9 एमएम और 32 बोर की पिस्टल समेत कारतूस बरामद हुए हैं। एसपी ने बताया कि बदमाश समयदीन उर्फ सामा शातिर किस्म का बदमाश था तथा थाना कांधला का हिस्ट्रीशीटर अपराधी था। वह अपने गिरोह के साथ घटना कारित करने के लिये आता था। उसके खिलाफ डकैती, लूट, चोरी आदि के कुल 28 अभियोग जनपद शामली, सहारनपुर, कर्नाटक, तेलंगाना, राजस्थान के जयपुर में दर्ज हैं। मुठभेड़ की इस कार्रवाई के दौरान मारे गए बदमाश के अन्य साथी अंधेरे में फरार हो गये हैं, जिनकी तलाश के लिए काम्बिंग की जा रही है।

रजवहा सफाई के नाम पर उपजाऊ मिट्टी बिक्री का आरोप, वीडियो वायरल होने से मामला गर्माया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के अजीतमल तहसील क्षेत्र में भीखेपुर के टड़वा झाल शेखूपुर के पास रजवहा पटरी की अवैध मिट्टी खुदाई को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों द्वारा सोशल मीडिया पर वायरल किए गए वीडियो ने इस पूरे प्रकरण को चर्चा में ला दिया है। वीडियो में स्पष्ट तौर पर दिखाया गया है कि रजवहा सफाई के नाम पर उपजाऊ मिट्टी काटकर ट्रैक्टरों में भरकर बेची जा रही है, हालांकि वायरल वीडियो की हिन्दुस्थान समाचार पुष्टि नहीं करता, लेकिन लगातार उठ रहे सवालों ने ग्रामीणों का गुस्सा और बढ़ा दिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि नगर विभाग को केवल अयाना रजवाहा की सिल्ट सफाई की अनुमति प्राप्त है, जबकि रोशनपुर रजवाहा की सफाई को लेकर कोई भी परमिशन जारी नहीं की गई। इसके बावजूद रोशनपुर रजवाहा में सिल्ट हटाने के बजाय सीधे पटरी की उपजाऊ मिट्टी काटी जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार क्षेत्र में सक्रिय कुछ दबंग ठेकेदार, कर्मचारियों और अधिकारियों की मिलीभगत से यह अवैध कार्य लंबे समय से चल रहा है। कई बार शिकायतें करने के बावजूद मौके पर न तो निरीक्षण हुआ और न ही किसी प्रकार की कार्रवाई, जिससे लोगों में असंतोष और गहरा गया है। ग्रामीण राजा सिंह, जयराम सिंह, मंजुल पांडेय, कुशमान सिंह सहित अन्य लोगों ने बताया कि लगातार हो रही मिट्टी की कटान से रजवहा की पटरी कमजोर हो रही है, जिससे सिंचाई व्यवस्था पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। उनका कहना है कि यदि समय रहते अवैध खुदाई नहीं रोकी गई तो आगामी बरसात या अधिक जलप्रवाह के दौरान तटबंध टूटने की आशंका बढ़ जाएगी, जिससे आसपास की खेती और ग्रामीण बस्तियों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। उधर, वीडियो वायरल होने के बाद मामला अधिकारियों तक पहुंचा तो प्रतिक्रियाएँ भी सामने आईं। जिला खनन अधिकारी वशिष्ठ यादव ने कहा कि मामले की जानकारी उपजिलाधिकारी से प्राप्त की जाए। वहीं, उपजिलाधिकारी अजीतमल निखिल राजपूत ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में नहीं था, लेकिन विवरण प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। निचली गंग नहर भोगनीपुर प्रखंड इटावा के सहायक अभियंता अजय कुमार ने स्पष्ट किया कि सिल्ट हटाने के लिए ई-टेंडर किए गए हैं और यदि निर्धारित स्थान से बाहर मिट्टी उठाई जा रही है तो जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल मौके पर पहुंचकर अवैध खनन रोके जाने तथा दोषियों पर सख्त कार्रवाई की

कान्हा उपवन कर रहा मुख्यमंत्री की मंशा को साकार, गौ परिक्रमा पथ खींच रहा लोगों का ध्यान

■ वैदिक काल के गौ आधारित मॉडल को स्कूली बच्चे और पर्यटक देख रहे सजीव बैलगाड़ी की सवारी का उठा रहे लुत्फ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

झांसी। चार गौशालाओं को आदर्श बनाने के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर झांसी नगर निगम की अनूठी पहल लोगों का ध्यान खींच रही है। झांसी नगर निगम के बिजौली में स्थित कान्हा उपवन गौवंश आश्रय स्थल झांसी को लगभग एक वर्ष पूर्व गौ पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया गया है। इस अवधि में इसको लेकर लोगों में रुझान बढ़ा है और यहां विद्यार्थियों की आवाजाही खासतौर पर देखने को मिलती है। गौ पर्यटन केंद्र में बना गौ परिक्रमा पथ स्कूली विद्यार्थियों और आगंतुकों के सामने गौवंश आधारित प्राचीन भारतीय सामाजिक और कृषि व्यवस्था से जुड़े उदाहरण जीवंत रूप में प्रस्तुत करता है। गौ परिक्रमा पथ पर स्थानीय नस्ल की गौवंशों के अलावा गिर, साहीवाल और हरियाणा नस्ल के गोवंश भी हैं। गौवंश की नस्लों की विशेषता बताने के लिए यहां साइनेज लगे हैं। इस कान्हा उपवन में 800 से अधिक निराश्रित गौवंश संरक्षित किये गए हैं। यहां निराश्रित गौवंशों के संरक्षण और नस्ल सुधार का काम किया जाता है। गौवंश के गोबर से बनने वाले गौकाष्ठ समेत कई अन्य अभिनव प्रयोगों को भी यहां आकर लोग देख सकते हैं। नई पहल करते हुए नगर निगम ने गौवंश संरक्षण के प्रति जागरूकता का प्रचार करने के मकसद से लगभग एक साल पहले वैदिक काल के गौवंश आधारित परिवेश को यहां जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। यहां आने वाले पर्यटकों और विद्यार्थियों को बैलगाड़ी की सवारी का भी अनुभव कराया जाता है। गौ परिक्रमा पथ पर गौवंश आधारित कोल्हू, कुएं से पानी निकालने वाला रहट, खेतों में जुताई के लिए बैल का उपयोग आदि कार्यों का प्रदर्शन जीवंत रूप में देखने को मिलता है। नगर निगम झांसी के पशु कल्याण अधिकारी डॉ राघवेंद्र सिंह बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश हैं कि जो भी गौशाला हैं, वे एक पर्यटन स्थल बनें और आत्मनिर्भर हों। बिजौली स्थित कान्हा उपवन गौशाला में गौ परिक्रमा पथ तैयार कर यहां बैलगाड़ी, रहट, कोल्हू आदि चीजें प्रदर्शित की गई हैं। हमारे पूर्वजों ने पुरानी गौवंश आधारित जिस पद्धति को अपना रखा था, उसके बारे में इससे जानकारी मिलती है। विद्यार्थी और पर्यटक इसमें रुचि ले रहे हैं।